रैवन की लोक कथाऐं–3

संकलनकर्ता
सुषमा गुप्ता

Book Title: Raven Ki Lok Kathayen-3 (Folktales of Raven-3)
Cover Page picture: Raven Bird
Published Under the Auspices of Akhil Bhartiya Sahityalok

E-Mail: sushmajee@yahoo.com
Website: www.sushmajee.com/folktales/index-folktales.htm
To read many such stories : https://www.scribd.com/sushma_gupta_1

Copyrighted by Sushma Gupta 2018
No portion of this book may be reproduced or stored in a retrieval system or transmitted in any form, by any means, mechanical, electronic, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the author.

Map of North America

Canada
International Boundary
Province Boundary
Road
River
★ National Capital
● Province Capital
• City or Town
0 200 400 KM
0 200 400 Miles
©2007 Geology.com
Chukchi Sea
ARCTIC OCEAN
Ellesmere Island
Alert
GREENLAND
QUEEN ELIZABETH ISLANDS
Qaanaaq
U.S.A.
Barrow
Prudhoe Bay
Beaufort Sea
Banks Island
Resolute
Baffin Bay
Fairbanks
Anchorage
Inuvik
Dawson
YUKON TERRITORY
Mackenzie River
Victoria Island
Baffin Island
Cambridge Bay
Nuuk
Whitehorse
Echo Bay
Great Bear Lake
Davis Strait
Juneau
Watson Lake
NORTHWEST TERRITORIES
NUNAVUT
Iqaluit
Yellowknife
Fort Nelson
Hay River
Great Slave Lake
Rankin Inlet
Ivujivik
Labrador Sea
Fort Smith
Prince Rupert
CANADA
Peace River
Lake Athabasca
Hudson Bay
NEWFOUNDLAND & LABRADOR
BRITISH COLUMBIA
Prince George
ALBERTA
Reindeer Lake
Churchill
MANITOBA
Schefferville
Happy Valley-Goose Bay
Island of Newfoundland
SASKATCHEWAN
Edmonton
Flin Flon
Nelson River
Gander
Saint John's
Victoria
Vancouver
Saskatchewan River
Chisasibi (Fort George)
Calgary
Saskatoon
Sept-Iles
Seattle
Columbia
Lethbridge
Lake Winnipeg
ONTARIO
Moosonee
QUEBEC
Gulf of St. Lawrence
St. Pierre and Miquelon (FRANCE)
Portland
Spokane
Regina
Chibougamau
Sydney
Winnipeg
Charlottetown
PRINCE EDWARD ISLAND
Fredericton
Thunder Bay
Quebec
Halifax
Lake Superior
Sherbrooke
Saint John
Boise
Bismarck
Sudbury
Montreal
NOVA SCOTIA
Snake River
UNITED STATES OF AMERICA
Missouri
Duluth
Ottawa
NEW BRUNSWICK
Reno
Minneapolis
Lake Michigan
Lake Huron
Lake Ontario
Toronto
Hamilton
Boston
Mississippi
London
Buffalo
North Atlantic Ocean
Salt Lake City
Milwaukee
Detroit
Lake Erie
New York
Omaha
Chicago
Cleveland
165
150
135
120
105
90
75
60
45
30
15

विंडसर, कैनेडा

मार्च 2018

Contents

सीरीज़ की भूमिका.......... 4

रैवन की लोक कथाऐं–3 5

1 रैवन पकड़ना आसान नहीं 7

2 रैवन ने तेल बेकार किया 16

3 बोलता रैवन जो हीरो बन गया 26

सीरीज़ की भूमिका

लोक कथाऐं किसी भी समाज की संस्कृति का एक अटूट हिस्सा होती हैं। ये संसार को उस समाज के बारे में बताती हैं जिसकी वे लोक कथाऐं हैं। आज से बहुत साल पहले, करीब 100 साल पहले, ये लोक कथाऐं केवल ज़बानी ही कही जातीं थीं और कह सुन कर ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाती थीं इसलिये किसी भी लोक कथा का मूल रूप क्या रहा होगा यह कहना मुश्किल है।

आज हम ऐसी ही कुछ अंग्रेजी और कुछ दूसरी भाषा बोलने वाले देशों की लोक कथाऐं अपने हिन्दी भाषा बोलने वाले समाज तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से बहुत सारी लोक कथाऐं हमने अंग्रेजी की किताबों से, कुछ विश्वविद्यालयों में दी गयी थीसेज़ से, और कुछ पत्रिकाओं से ली हैं और कुछ लोगों से सुन कर भी लिखी हैं। अब तक 1200 से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी हैं। इनमें से 400 से भी अधिक लोक कथाऐं तो केवल अफ्रीका के देशों की ही हैं।

इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ये सब लोक कथाऐं हर वह आदमी पढ़ सके जो थोड़ी सी भी हिन्दी पढ़ना जानता हो और उसे समझता हो। ये कथाऐं यहाँ तो सरल भाषा में लिखी गयी है पर इनको हिन्दी में लिखने में कई समस्याऐं आयी है जिनमें से दो समस्याऐं मुख्य हैं।

एक तो यह कि करीब करीब 95 प्रतिशत विदेशी नामों को हिन्दी में लिखना बहुत मुश्किल है चाहे वे आदमियों के हों या फिर जगहों के। दूसरे उनका उच्चारण भी बहुत ही अलग तरीके का होता है। कोई कुछ बोलता है तो कोई कुछ। इसको साफ करने के लिये इस सीरीज़ की सब किताबों में फुटनोट्स में उनको अंग्रेजी में लिख दिया गया हैं ताकि कोई भी उनको अंग्रेजी के शब्दों की सहायता से कहीं भी खोज सके। इसके अलावा और भी बहुत सारे शब्द जो हमारे भारत के लोगों के लिये नये हैं उनको भी फुटनोट्स और चित्रों द्वारा समझाया गया है।

ये सब कथाऐं “देश विदेश की लोक कथाऐं” नाम की सीरीज के अन्तर्गत छापी जा रही हैं। ये लोक कथाऐं आप सबका मनोरंजन तो करेंगी ही साथ में दूसरे देशों की संस्कृति के बारे में भी जानकारी देंगी। आशा है कि हिन्दी साहित्य जगत में इनका भव्य स्वागत होगा।

सुषमा गुप्ता
मई 2018

रैवन की लोक कथाऐं–3

रैवन काले रंग का कौए की तरह का एक पक्षी होता है जो दुनियाँ में बहुत जगह पाया जाता है पर यह अमेरिका और कैनेडा के उत्तर पश्चिमी हिस्से में रहने वाले मूल निवासियों की लोक कथाओं का हीरो है। अमेरिका और कैनेडा की खोज से पहले अमेरिका और कैनेडा दो देश नहीं थे इसलिये रैवन की कथाओं को अमेरिका के मूल निवासियों की लोक कथा कहना ही ज़्यादा उचित होगा।

अमेरिका के मूल निवासियों मे बहुत सारी जनजातियाँ थीं और इन सबमें अलग अलग लोक कथाऐं थीं। रैवन की लोक कथाऐं कई जनजातियों में अपने अपने तरीके से कही सुनी जाती थीं और लोकप्रिय थीं।

आजकल रैवन कैनेडा देश के यूकोन प्रान्त और भूटान देश का राष्ट्रीय पक्षी है और भूटान देश की तो यह शाही टोपी में भी लगा हुआ है।

यह अपने काले रंग, सड़े हुए माँस खाने की आदत और कठोर आवाज की वजह से बहुत अपशकुनी माना जाता है पर फिर भी लोग इसको मारते नहीं है। अमेरिका के मूल निवासी इन्डियन्स के कायोटी[1] की तरह से यह भी उनकी लोक कथाओं का एक मुख्य हीरो है। इसकी दुनियाँ बनाने वाली कहानियाँ बहुत मशहूर हैं।

इसको लोग जन्म और मौत के बीच का बिचौलिया भी मानते हैं क्योंकि यह सड़ा हुआ माँस खाता है इसलिये इसका रिश्ता मरे हुए लोगों और भूतों से है और क्योंकि इसने दुनियाँ बनाने में बहुत मदद की है इसलिये इसका रिश्ता ज़िन्दगी से भी है।

रैवन का जिक्र केवल अमेरिका और कैनेडा की लोक कथाओं में ही नहीं है बल्कि ग्रीस और रोम की दंत कथाओं में भी है। रोम की दंत कथाओं में अपोलो जो भविष्यवाणी करता है यह उनसे जुड़ा हुआ है। स्वीडन में इसको कत्ल हुए लोगों का भूत मानते हैं। इंगलैंड में कुछ ऐसा विश्वास है कि यदि रैवन “टावर औफ लंदन” से हटा दिये जायें तो इंगलैंड का राज्य ही खत्म हो जायेगा।

बाइबिल में भी इसका जिक्र कई जगहों पर आया है। टालमुड[2] मे रैवन नोआ[3] की नाव के उन तीन जानवरों में से एक है जिन्होंने बाढ़ के समय में लैंगिक सम्बन्ध स्थापित किये थे और इसी लिये नोआ ने उसको सजा दी थी। कुरान में रैवन ने ऐडम के दो बेटे केन और एबिल[4] में से केन को उसके कत्ल किये हुए भाई को दफनाना सिखाया। हिन्दुओं की तुलसीदास जी की लिखी हुई “रामचरित मानस” में यह कागभुशुण्डि जी के रूप में आता है और 27 प्रलय देख चुका है। उसमें यह गरुड़ जी को राम कथा सुनाता है।

प्रशान्त महासागर के उत्तर पूर्व के लोगों में रैवन की जो लोक कथाऐं कही सुनी जाती हैं उनसे पता चलता है कि वे लोग अपने वातावरण के कितने आधीन थे और उसकी कितनी इज़्ज़त करते थे।

---

[1] Coyote – a little desert wolf - a very important hero of Native Americans’ folktales. Read some folktales of Coyote in “Chaalaak Coyote-1” published on Scribd by Sushma Gupta. It has been published in book form by Indra Publishers, India, 2016.

[2] Talmud is the main scripture of Jews.

[3] Noah was one of the earliest men who was guided by God to build a huge boat (Ark)) to collect all kinds of animals’ pairs in it till the Great Flood which was supposed to come in a week time, till it subsides

[4] Adam’s two sons – Caine and Abel

रैवन मिंक और कायोटी की तरह से कोई भी रूप ले सकता है – जानवर का या आदमी का। वह कहीं भी आ जा सकता है और उसके बारे में यह पहले से कोई भी नहीं बता सकता कि वह क्या करने वाला है। वैसे तो वह बहुत ही चालाक है लेकिन एक बार उसने एक बड़ी सीप में बन्द नंगे लोगों के ऊपर दया दिखायी थी। फिर वह अपनी चालबाजी से उनके लिये शिकार, मछली, आग, कपड़े और ऐसी ऐसी रस्में लेकर आया जो उनको भूतों और आत्माओं के असर से बचा सकती थीं। उसने प्रकृति से लड़ कर उन लोगों को काम के लायक बनाया।

रैवन की भूख बहुत ज़्यादा है और वह अपनी भूख कोई भी चाल खेल कर ही मिटाया करता है पर अक्सर वह चाल उसी पर उलटी पड़ जाती है।

रैवन की बहुत सारी लोक कथाऐं हैं। "रैवन की लोक कथाऐं–1"[5] में हमने रैवन के जन्म की, उसकी शक्ल की और उसके पहली पहली चीजें लाने की बीस लोक कथाओं का संकलन किया था। इनमें कुछ कथाऐं एक सी लगती हैं पर सब अलग अलग हैं। रैवन की ये लोक कथाऐं रैवन के चरित्र के बारे कुछ जानकारी तो देती ही हैं साथ में बच्चों और बड़ों दोनों का मनोरंजन भी करती हैं।

उसके बाद हमने रैवन की लोक कथाओं का दूसरा संकलन "रैवन की लोक कथाऐं–2" प्रकाशित किया था जिसमें उसका दूसरे जानवरों के साथ व्यवहार दिखाया गया है। कुछ उसकी शादी की कथाऐं हैं और अन्त में एक कथा उसके मरने की। यह कथा यह बताती है कि लोग रैवन को क्यों नहीं मारते।

अब प्रस्तुत है "रैवन की लोक कथाऐं–3"। इसमें रैवन की कुछ आधुनिक कथाऐं हैं। ये लोक कथाऐं रैवन के बारे में कुछ और नयी जानकारी देंगी ही साथ में बच्चों और बड़ों दोनों का मनोरंजन भी करेंगी।

What Time Is It in Canada? : Tima Zones in Canada

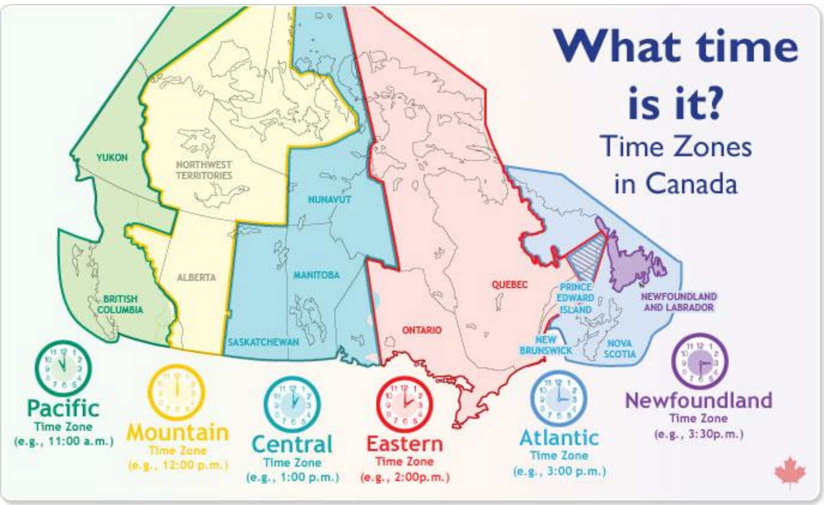
What time is it?
Time Zones in Canada
YUKON
NORTHWEST TERRITORIES
NUNAVUT
BRITISH COLUMBIA
ALBERTA
SASKATCHEWAN
MANITOBA
ONTARIO
QUEBEC
PRINCE EDWARD ISLAND
NEW BRUNSWICK
NOVA SCOTIA
NEWFOUNDLAND AND LABRADOR
Pacific Time Zone (e.g., 11:00 a.m.)
Mountain Time Zone (e.g., 12:00 p.m.)
Central Time Zone (e.g., 1:00 p.m.)
Eastern Time Zone (e.g., 2:00p.m.)
Atlantic Time Zone (e.g., 3:00 p.m.)
Newfoundland Time Zone (e.g., 3:30p.m.)

---

[5] "Raven Ki Lok Kthayen-1" by Sushma Gupta. India. Indra Publishing House. 2016. 124 p.

1 रैवन पकड़ना आसान नहीं[6]

रिक सिनौट[7] ने अपनी वैन का दरवाजा खोला और उसके फर्श पर उकड़ूँ बैठ गया और रैवन को पकड़ने के लिये अपनी कैनन को सैट किया तो उसने साँस रोक कर कहा "ओह मेरे भगवान, यह तो गाड़ी चलाते हुए गोली चलाना जैसा है।"

अचानक बहुत ज़ोर की एक आवाज हुई जो उसको एक राइफल से निकली हुई गोली की सी आवाज लगी। स्टील की चार लम्बी लम्बी गोलियाँ उसकी कैनन से निकलीं।

ये गोलियाँ बारह फीट के एक जाल से जुड़ी हुई थीं और वह जाल वैन से पच्चीस फीट की दूरी पर जा कर गिरता था। और इस आवाज के साथ ही उसका टार्गेट रैवन उड़ कर पास के पेड़ पर जा कर बैठ गया।

"उफ़। अगर वह बस पाँच फीट और पास होता तो मैंने उसे पकड़ लिया होता।" चिल्लाते हुए सिनौट वैन से उस जाल को वापस लाने के लिये कूद गया।

रैवन जैसी चालाक चिड़िया को पकड़ना आसान नहीं है। सिनौट एक महीने से सारा दिन रैवन को पकड़ने की कोशिश करता रहा है। उसने अब तक उन्तालीस रैवन पकड़े हैं और वह कुल साठ

---

[6] Raven: Not Easy to Catch – a modern story of Raven. Adapted from the Web Site http://www.ankn.uaf.edu/NPE/CulturalAtlases/Yupiaq/Marshall/raven/RavensNotEasyToCatch.html

[7] Rick Sinnott – the name of the Raven catcher, a scientist

रैवन पकड़ना चाहता है। अभी तो उसको इक्कीस रैवन और पकड़ने हैं।

जब वह उनको पकड़ लेगा तो उनकी पहचान के लिये उन पर कोई निशान बना देगा और फिर उनकी पीठ पर वह बहुत छोटे छोटे रेडियो ट्रान्समिटर[8] बाँध देगा।

सिनौट स्टेट डिपार्टमेन्ट औफ फिश ऐन्ड गेम[9] में एक जंगली जानवरों का बायोलोजिस्ट था और यू ऐस डिफैन्स डिपार्टमेन्ट[10] के उन्तालीस हजार डालर फोर्ट रिचर्डसन के रैवनों पर उनकी आदतों के अध्ययन पर खर्च करना चाहता था।

वैज्ञानिकों को ऐसी प्रौजक्ट के लिये पैसे बहुत कम मिलते हैं जिसमें वे रैवन जैसे जानवर का अध्ययन कर रहे हों क्योंकि वह कोई ऐसा जानवर नहीं है जिसकी जाति खतरे में हो या फिर वे शिकारियों का निशाना हों।

इसलिये पैन्टैगन[11] ने जब फोर्ट रिचर्डसन को उन्हत्तर हजार डालर जानवरों और पौधों का सर्वे करने के लिये दिये तो उसने उसमें से कुछ पैसे मिलिटरी वालों को रैवन का अध्ययन करने के लिये देने का भी विचार किया।

---

[8] Radio Transmitter

[9] State Department of Fish and Game

[10] US Defense Department

[11] Pentagon – US Defense Office in Washington, DC

कई सालों से वह रैवन के बारे में जानने के लिये बहुत उत्सुक था। रैवन जो जनता में तो बहुत लोकप्रिय था पर वैज्ञानिकों में नहीं। उसके आश्चर्य की सीमा न रही जब मिलिटरी उसका यह काम करने पर राजी हो गयी।

बिल गौसवीलर[12] बोला — "मैंने अपनी हर मिलिटरी बेस से पूछ लिया पर कोई रैवन के बारे में कुछ भी नहीं जानता सिवाय इसके कि सबके यहाँ कुछ कुछ रैवन हैं।"

सिनौट का कहना है कि वैज्ञानिक लोग रैवन के बारे में साधारण बातें भी नहीं जानते, जैसे वे रात को कहाँ सोते हैं? वे अपना घोंसला कहाँ बनाते हैं? शहरों में कितने रैवन रहते हैं? वे गरमियों में कहाँ जाते हैं? आदि आदि।

सो इससे पहले कि तुम रैवन का पीछा करो तुम्हें पहले रैवन को पकड़ना होगा। और जब रैवन को पकड़ने की बात आती है तो यह कोई आसान काम नहीं है क्योंकि रैवन तो पक्षियों की दुनियाँ का दिमाग है।

पहले तो सिनौट ने एक तार का जाल बनाया जो पच्चीस फीट और तीस फीट लम्बा और चौड़ा था और सात फीट ऊँचा था। उसने उस जाल में दस दिन तक हिरन का माँस लगा कर रखा ताकि रैवन उस माँस को खाने के आदी हो जायें।

---

[12] Bill Gossweiler

हालाँकि वे उस जाल के अन्दर नहीं आ रहे थे फिर भी वह अपनी योजना के अनुसार अपना काम जारी रखे था।

मेन स्टेट[13] से एक रैवन पकड़ने वाला उनको रैवन पकड़ना सिखाने के लिये आया हुआ था। उसी के बताये अनुसार सिनौट ने एक तार एक लोहे के खम्भे से बॉधा हुआ था जो उस जाल का दरवाजा खोल देता था और उसका दूसरा छोर उसके हाथ में होता था।

फिर वह तीन सौ फीट पीछे बरफ की एक दीवार के पीछे रैवन के आने का इन्तजार करता था। सिनौट अपनी तरफ का तार का सिरा तब खींचता था जब उस जाल में करीब करीब तीस रैवन होते थे।

पर यह तरकीब मेन स्टेट के गॉवों में तो चलती थी पर ऐन्करेज[14] में यह तरकीब नहीं चल पा रही थी। वह वहॉ के रैवनों को बेवकूफ नहीं बना पा रही थी।

एक बार जब दो रैवन जाल में फॅसे तो सिनौट ने तार खींचा तो उसका खम्भा तो जमीन में ही जम गया और बिल्कुल भी नहीं हिला। जब तक सिनैट उस जाल का दरवाजा बन्द करता वे रैवन वहॉ से उड़ कर भाग गये थे।

---

[13] Maine Sate – a North-Eastern state of the USA

[14] Anchorage is the most populous city of the US state of Alaska, located in its Southernmost central part, having its 40% of population.

सिनौट ने महसूस किया कि ऐन्करेज के रैवनों को मेन स्टेट के रैवनों के मुकाबले में खाना बहुत ज़्यादा मिल जाता था शायद इसी लिये वे खाने के लिये वे कोई खतरा मोल लेना नहीं चाहते थे।

फिर सिनौट ने टॉगों वाला जाल लगाया जो छोटे दूध पिलाने वाले जानवरों[15] के लिये इस्तेमाल किया जाता था। उसके किनारे उसने रबर के रखे ताकि वे रैवनों की टॉगों को कोई नुकसान न पहुँचा सकें।

उस जाल में उसने सन्तरे और चीज़[16] की खुशबू वाला खाना लगाया जो रैवन बहुत ज़्यादा पसन्द करते थे। पर इन जालों को बरफ से ढकना पड़ता था जबकि रैवन वहाँ ज़्यादा आते थे जहाँ कम बरफ होती थी जैसे गाड़ी पार्क करने की जगहों पर।

जब सिनौट ने एक ऐसी ही गाड़ी पार्क करने की जगह पर रैवनों को पकड़ने के लिये अपना जाल लगाया और उसे बरफ से ढक दिया तब भी किसी रैवन ने उस जाल में लगा चारा छुआ तक नहीं।

सिनौट ने फिर कुछ चीटोज़[17] पार्किंग की जगह के पास फेंके और कुछ वहाँ भी फेंके जहाँ उसने जाल बिछाया था। यह कुछ बार

---

[15] Mammals

[16] Cheese is processed Indian Paneer. It is a very popular food material in Western world to be used in their dishes.

[17] A brand snack of North America made with cheese – see its picture above. It is called “Cheese Curls” or “Cheese Sticks” also.

तो काम किया पर फिर रैवनों को यह चाल पता चल गयी और उन्होंने जाल के पास फेंके गये चीटोज़ के पास आना ही बन्द कर दिया।

सिनौट ने बताया कि रैवनों को पता चल गया है कि इन चीटोज़ के पास नहीं जाना चाहिये। वे घंटों उनको दूर से बैठे देखते रहते पर जब वह चीटोज़ जमीन पर फेंकता तो वे भाग जाते।

सिनौट ने उनके बाद मूँगफली का इस्तेमाल किया, कुत्ते के खाने का इस्तेमाल किया, फ्रेन्च फ्राईज़[18] का इस्तेमाल किया, पर रैवनों की होशियारी को ध्यान में रखते हुए वह कोई भी काम इधर उधर का नहीं करता था।

जैसे वह चीटोज़ मैकडोनाल्ड की दूकान के सामने नहीं फेंकता था और फ्रेन्च फ्राईज़ चर्च में गाड़ी पार्क करने की जगह में नहीं फेंकता था।

सिनौट बोला — "यह एक बड़ा आपसी रिश्ता है हमारा। वे मुझे इसी तरह से जानते हैं। वे बरफ के ढेर की तरफ देखेंगे और फिर मेरी तरफ देखेंगे और फिर सोचेंगे कि हमें ये चीटोज़ अभी नहीं खाने।

---

[18] French Fries are made by cutting raw potatoes in finger type shape and then frying them till they are soft. It is specialty of McDonald Restaurant chain.

कभी कभी जब वे मुझे नहीं देख रहे होते तब मैं उनको चुपके से पकड़ने की कोशिश करता हॅू और कई रैवन मैंने इस तरीके से पकड़े भी हैं।"

पर साधारणतया सिनौट ने काफी सारे रैवन नैट कैनन से ही पकड़े हैं। वह उनको वैन में से बैठ कर पकड़ता है क्योंकि रैवन आदमियों की बजाय गाड़ियों से कम डरते हैं।

जो रैवन आते जाते रहते हैं वे फोर्ट रिचर्डसन की साठ हजार एकड़ की जगह में नहीं रुकते हैं और न ही सिनौट। सो एक बार तो उसने फोर्ट रिचर्डसन जगह पर रैवन पकड़ने का विचार छोड़ दिया तो उसने सारे शहर से रैवन पकड़ने का निश्चय किया।

कुछ रैवन उसने ऐन्करेज[19] के अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के गाड़ियॉ पार्क करने की जगह से पकड़े, कुछ नौर्थवे मौल से और कुछ कार्स हफ़मैन से पकड़े।[20]

जब वह रैवन पकड़ने जाता था तो वह अपने कानों को अच्छी तरह से बन्द कर लेता था ताकि कैनन की आवाज उसके कानों को खराब न कर दे और बड़े मोटे वाले दस्ताने पहनता था ताकि रैवन उसकी उॅगलियों को नुकसान न पहुॅचा सकें।

---

[19] Anchorage is in Alaska, Westernmost part of the USA State of Alaska.

[20] Some Raven he caught from Anchorage International Airport parking place, some from Northway Mall and some from Carse Huffman

वह जब भी कोई रैवन पकड़ता था वह तो उसके साथी उस जाल को वहाँ से तुरन्त ही उठा लाते थे ताकि कोई दूसरा रैवन उसको न देख ले।

सिनौट का कहना है कि अगर इनमें से एक रैवन के साथ भी तुमने कुछ गड़बड़ की तो बहुत सारे दूसरे रैवनों को तुरन्त ही पता चल जाता है कि तुम उन लोगों के साथ क्या करने वाले हो और वे फिर तुम्हारी पकड़ में नहीं आने वाले।

सिनौट का अन्दाज है कि करीब करीब दो हजार रैवन हर साल जाड़े के मौसम में उड़ कर ऐन्करेज आते हैं और आ कर यहाँ के कूड़े में से खाना खाते हैं।

उनके लम्बे और कम चौड़े पंख जो इधर उधर आने जाने वाली चिड़ियों की पहचान है उनको दूर तक उड़ने में सहायता करते हैं। वहाँ जा कर वे मरे हुए जानवरों के ढाँचों को खाते हैं जो उनका निर्जन जगहों में सामान्य खाना है।

सिनौट का सवाल है कि वे इधर उधर तो आते जाते रहते हैं पर वे सोते कहाँ हैं?

उनके बारे में बहुत सारी बातें जानने के लिये वह एक रैवन पकड़ने के बाद वह उसकी चोंच और टाँगों के चारों तरफ एक टेप लगा देता है।

फिर वह उसको एक चमड़े की पेटी में बन्द कर देता है जिसमें एक औंस से भी कम वजन का एक रेडियो ट्रान्समिटर लगा रहता

है। वह उसके पंखों में एक नम्बर लगा देता है। इस सारे काम में करीब आधा घंटा लग जाता है।

यह ट्रान्समिटर करीब करीब दो साल तक सन्देश भेजता रहता है। इन सन्देशों से वह यह जान पायेगा कि वे रात को कहाँ आराम करते हैं। पर रैवन यह कभी नहीं जान पायेंगे कि सिनौट क्या करना चाहता है।

2 रैवन ने तेल बेकार किया[21]

यह उन दिनों से बहुत दिनों बाद की बात नहीं है जबसे रैवन ने धरती पर दुनियाँ बनायी थी लोग अपनी अपनी ज़िन्दगी जी रहे थे। इस शान्ति के समय में रैवन को भी कुछ करने का मौका मिला जिससे वह लोगों की सहायता कर सकता था।

एक बार ऐसा हुआ कि वह और उसका भतीजा ग्रे जे[22] दोनों एक कुत्ते का ढाँचा खा रहे थे कि उसको लगा कि मैदान में कोई अजीब आदमी खड़ा था।

ग्रे जे बोला — "वे तो कुछ अजीब से दिखने वाले दो टाँगों वाले थे और उनके सिर पर गोल नारंगी टोप थे। वे लोग तीन थे और वे टुंड्रा[23] में किसी काली चीज़ के ऊपर झुके हुए थे।

तभी उनमें से एक ने वह काली अजीब सी चीज़ छुई, उसे सूँघा और फिर ज़ोर से बोला — "अरे, यह तो तेल है।" यह सुन कर उनमें से दूसरा आदमी बहुत खुश हो कर हँसा।

---

[21] Raven Foils Oil – a folktale from Native Americans from USA and Canada, Northern America. Adapted from the Web Site : http://www.ankn.uaf.edu/NPE/CulturalAtlases/Yupiaq/Marshall/raven/RavenFoilsOil.html
Available at this Web Site also : http://ankn.uaf.edu/Resources/mod/glossary/view.php?id=28&mode=entry&hook=12276

[22] Grey Jay – If you have read the Story "Raven Aur Becharee Chidiyan" in the Book "Raven Ki Lok Kathayen-2" you might have remembered Blue Jay – she was his niece.

[23] Tundra is a region where the tree growth is hindered by low temperatures and short growing seasons. Top North areas of Russia, Greenland, Canada and Alaska all come in Tundra Region.

और जब उसने यह कहा तो ग्रे जे ने यह बात रैवन को भी बतायी।

रैवन को इस सबको जानने की उत्सुकता हुई सो वह वहाँ से उड़ कर उस मैदान की तरफ ग्रे जे की कहानी को जाँचने के लिये उड़ गया कि वह ठीक कह रहा था या गलत।

जब उसने उन तीनों दो टाँगों वालों को ढूँढ लिया तो उसने देखा कि उन लोगों ने एक बहुत बड़ा तम्बू लगा रखा था और उनके पास ही उनका एक हवाई जहाज खड़ा था।

वह उस तम्बू के आस पास उड़ता रहा और फिर उसने वह बड़ा सा काला सा धब्बा भी देखा जो उसको ग्रे जे ने तेल के नाम से बताया था।

फिर उसने इधर उधर देखा तो उसको वे तीनों आदमी कहीं दिखायी नहीं दिये। उसने सोचा कि शायद वे तम्बू के अन्दर होंगे क्योंकि उसको उनकी आवाज तो सुनायी दे रही थी पर वे दिखायी कहीं नहीं दे रहे थे।

वह तम्बू के पास ही नीचे आ कर बैठ गया और उन लोगों की बातें सुनने लगा। जो कुछ उसने सुना उससे तो उसके पंख ही खड़े हो गये।

"यह काफी बड़ा लगता है, सैम[24]। हम लोग यहाँ के तेल से करोड़ों डौलर कमा सकते हैं। मगर हम यह जमीन खरीदें कैसे? यह तो उस पास वाले गाँव की है।"

"पैटे[25], तुम चिन्ता न करो हमारी कम्पनी इसे इस गाँव से खरीद लेगी। वे लोग इसे हमें दे भी देंगे। आजकल हर आदमी को पैसे चाहिये और उस पैसे से वह अमीर बनना चाहता है। और अगर वे लोग नहीं भी माने तो हमारे पास दूसरा तरीका भी है।"

तीसरा आदमी जिसके दाढ़ी भी थी और वह उन दोनों से उम्र में बड़ा भी था सोच रहा था कि वे दोनों ऐसा कह भी कैसे सकते थे।

वे लोग उन आदमियों के बारे में बात कर रहे थे जो वहाँ पर उस गाँव में हजारों साल से रहते चले आ रहे हैं। उसको नहीं लगता था कि यह सब उन गाँव वालों को लिखना ठीक था।

इस पर पैटे बोला — "रूटन[26], तुम इस बारे में चुप रहो। तुम केवल हमारे जहाज चलाने वाले हो। और अगर तुमने इस खोज के बारे में एक शब्द भी मुँह से निकाला तो समझ लो कि तुम ज़िन्दा नहीं बचोगे।"

---

[24] Sam – name of one of the three men

[25] Sam and Pete – names of the two men

[26] Rutan – name of the third man who is the pilot

लेकिन रूटन बोला — "जैसा तुम कहो साथियो। पर फिर बैथैल[27] पहुँचने पर तुम कोई दूसरा जहाज चलाने वाला ढूँढ लेना। मैं तुम जैसे लोगों के साथ काम नहीं कर सकता।"

रैवन को यह बातचीत सुन कर बड़ा आश्चर्य हुआ और वह सोचने लगा कि रूटन को अब आगे से बहुत सावधानी से रहना होगा। और रूटन को ही क्यों यहाँ आस पास में रहने वाले सभी लोगों को सावधानी से रहना होगा।

यह सोचना ज़्यादा मुश्किल नहीं था कि अगर उस कम्पनी ने यह जमीन खरीद ली तो इस जमीन का और यहाँ के लोगों का क्या हाल होने वाला था।

उसने अपने उत्तर में रहने वाले भाइयों से उनकी कई भयानक कहानियाँ सुनी थीं कि अलास्का के उत्तर के देश में क्या हुआ था। वहाँ की जमीन और आदमियों की ज़िन्दगी दोनों का ही बहुत बुरा हाल हुआ था।

हालाँकि उन जगहों में रैवन आदमियों की ऐसी सब बातों से दूर ही रहता था पर यह सब सुन कर उसकी अक्लमन्दी यह कह रही थी कि उसको इस मामले में दखल देना ही पड़ेगा।

अचानक उस तम्बू का दरवाजा खुला और उनमें से दो तेल वाले आदमी उस मशीन की तरफ चले। वे आपस में बात करते जा

---

[27] Bethel – name of a place

रहे थे। पैटे बोला — "सैम, हमें रूटन को निकालना पड़ेगा। वह कुछ ज़्यादा ही जानता है।"

सैम बोला — "हॉ यह तो है। बैथेल चल कर देखेंगे। चिन्ता मत करो। वह आसानी से गायब हो जायेगा। ज़रा हमको बैथेल पहुँचने दो। हो सकता है कि वह डूब ही जाये।" कह कर वह मुस्कुराया।

यह सुन कर रैवन ने सोचा कि अच्छा होगा कि वह रूटन को इन लोगों के इरादों के बारे में पहले से बता दे सो जैसे ही पैटे और सैम दोनों अपने तम्बू में फिर से घुस गये और रूटन अपना जहाज देख रहा था तो रैवन ने अपनी चोंच ऊपर उठायी और एक आदमी का रूप ले लिया।

फिर उसने रूटन को हाथ हिला कर अपने पास आने के लिये कहा। रूटन उसको वहॉ देख कर आश्चर्यचकित तो हो गया पर फिर उसके पास चला गया और उसके फुसफुसाते शब्दों को ध्यान से सुना।

रैवन ने उससे कहा कि घबराने की कोई बात नहीं है सब ठीक हो जायेगा और फिर उसने उसको उसके तम्बू में वापस भेज दिया। जब तम्बू का दरवाजा बन्द हो गया तो फिर वह चिड़िया के रूप में आ गया और बैथैल की तरफ उड़ गया।

जैसा कि पहले से ही पक्का था जैसे ही वे तीनों बैथैल पहुँचे सैम ओर पैटे ने रूटन को बाँध दिया और अपनी वैन में डाल दिया। फिर वे कुस्कोक्विम[28] नदी की तरफ चले।

जब वे लोग नदी के एक ऊँचे से किनारे पर रुके जहाँ पर नदी के पानी का बहाव बहुत तेज़ था उन्होंने उससे पूछा कि वह कुछ कहना चाहता था क्या?

कि अचानक उनके पीछे से रैवन की बहुत ज़ोर की आवाज आयी। जैसे ही उन दोनों ने पीछे मुड़ कर देखा तो उन्होंने वहाँ उसी आदमी को खड़े पाया जो रूटन को उसके जहाज़ के पास मिला था।

उस आदमी ने अपनी काली आँखों से उन दोनों की तरफ घूरा तो वे दोनों बेजान से हो कर उसके पैरों में गिर गये।

फिर रैवन ने रूटन को खोला और अपनी असली शक्ल दिखायी। फिर उसने रूटन से पूछा कि उन दोनों ने कितनी खबर अपनी तेल की कम्पनी को भिजवायी है।

रूटन ने जवाब दिया — "अभी तक तो उन्होंने कोई खबर अपनी कम्पनी को नहीं पहुँचायी पर इनके सारे कागज और कम्प्यूटर डिस्क जिन पर इनकी यह सब खबर है वह सब इस वैन में एक

---

[28] Kuskokwim River – a 702 miles long river in South-West Alaska

लोहे के बक्से में बन्द है। ये लोग यह सब कल टैक्सास[29] ले कर जाने वाले थे।"

रैवन हॅसा और यह सुन कर उसको थोड़ा सी शान्ति मिली कि उस तेल की सारी खबर अभी वहीं थी। अब उसका काम आसान हो गया था।

फिर उसने रूटन को समझाया कि किस प्रकार उसको तेल की इस खोज की खबर को दुनियॉ को बताने से बचाना हैं। रूटन मान गया और उसने रैवन की हर तरह से सहायता करने का वायदा किया।

रैवन केवल यही एक सहायता सोच सका और बोला — "एक तो लोहे का बक्सा छिपा कर रख लिया जाये और दूसरे जो कुछ भी तुमने देखा है उसके बारे में तुम बिल्कुल चुप रहो। किसी से कुछ न कहना।"

जब रूटन वह लोहे का बक्सा वैन में से निकाल रहा था तो रैवन फिर से चिड़िया के रूप में बदल गया और वैन के ऊपर बैठ कर कुछ सोचने लगा।

"ठीक है ऐसा ही होना चाहिये।" कह कर वह वहॉ से आसमान में उड़ गया और कुछ देर वहीं चक्कर काटता रहा। रूटन ने ऊपर देखा पर उसे वह वहॉ कहीं दिखायी नहीं दिया।

---

[29] Texas – a South-Eastern state of the USA

अचानक उसकी ऑखों के सामने एक बिजली सी चमकी और वह बक्सा आसमान में उपर उठता चला गया।

वह बक्सा फिर एक पेड़ों के झुंड की तरफ चला और वहॉ जा कर एक सबसे ऊॅचे पेड़ के पास पहुॅच कर उसकी सबसे ऊॅची शाख पर जा कर बैठ गया और एक बड़ी चील का घोंसला बन गया।

जब रूटन ने धरती की तरफ देखा तो उसने देखा कि सैम और पैटे भी अपना रूप बदल रहे थे। वे क्रिसमस के पेड़ के पुराने लट्ठों में बदल गये थे और नदी की तरफ लुढ़कने लगे थे।

जल्दी ही वे नदी में गिर पड़े और बेरिंग[30] सागर की तरफ चल पड़े जहॉ वे किसी घर को गरम रखने के लिये जलाने के काम आयेंगे।

अब रैवन को ध्यान आया कि इस तरह तो रूटन को उस तेल की कम्पनी से खतरा हो जायेगा क्योंकि वह उसके ऊपर कत्ल का इलजाम लगा देगी। सो वह उड़ कर नीचे आया, अपनी चोंच उठायी और आदमी के रूप में आ गया।

आदमी के रूप में आ कर उसने रूटन से पूछा — "क्या तुम रैवन लोगों के साथ मिलना पसन्द करोगे? इस तरह से तुम यहॉ की जमीन और यहॉ के लोगों को तेल जैसी कम्पनियों से और उसी तरह के दो टॉगों वाले जानवरों से बचा कर रखोगे।"

---

[30] Bering Sea is between Alaska and Russia's Eastern most coast, above Japan.

रूटन ने कुछ सोचा फिर हॉ कर दी। इस पर उसने भी वही रूप लेना शुरू कर दिया जो रैवन का था। फिर दोनों ने अपनी अपनी चोंचें टकरायीं और उस जगह की तरफ उड़ गये जहॉ तेल मिलने वाला था।

कुछ घंटे उड़ने के बाद रैवन और उसका नया दोस्त रूटन वहीं पहुँच गये जहॉ वह तेल का तालाब था और वे दोनों उस काले चिकने तालाब के पास जा कर बैठ गये जो अब पहले से भी बड़ा हो चुका था।

वे वहॉ थोड़ी देर बैठे रहे और यह सोचते रहे कि इस काले शाप से हमेशा के लिये कैसे छुटकारा पाया जाये। वे सोचते रहे, सोचते रहे और आपस में काफी देर तक इसके बारे में बात भी करते रहे। आखिर उनको इसका हल मिल ही गया।

रैवन ने बताया कि उसके पास एक ऐसी ताकत थी जिससे वह वहॉ से तेल हमेशा के लिये गायब कर सकता था। यहॉ तक कि पूरी धरती के अन्दर से गायब कर सकता था। पर अपने दोस्त से बात करने के बाद उसने अपना यह विचार छोड़ दिया।

रूटन ने उसको यह करने से मना कर दिया क्योंकि वह आजकल के आदमियों की जरूरतों को जानता था। क्योंकि गॉवों में भी तो आजकल यह तेल सभी लोग इस्तेमाल करते हैं।

किसी दिन जब यह तेल और सब जगह खत्म हो जायेगा तो फिर यह यहीं से निकला हुआ काम आयेगा। पर अभी वह रैवन के विचारों से राजी था।

रैवन बोला — "तुम ठीक कहते हो दोस्त। मैं इसे पूरी धरती से गायब नहीं करूँगा। तुम बहुत अक्लमन्दी की बातें करते हो। मैं केवल धरती के ऊपर जो यह काला शाप है जिसे तुम तेल कहते हो केवल उसी को गायब करूँगा।

क्योंकि आगे आने वाले समय में जैसा तुम कहते हो अगर आदमी को इसकी जरूरत होगी तब मैं बड़े लोगों से बात करके उनको बता दूँगा कि वह कहाँ है। पर अभी मैं अपने पंख फड़फड़ा कर इस तेल को यहीं सुखा देता हूँ।"

उसने चार बार अपने पंख उस तेल के ऊपर फड़फड़ाये और वह तेल वहाँ से तुरन्त ही गायब हो गया।

उसके बाद रैवन ने चारों दिशाओं में अपना जादू फेंका जिससे कोई तेल कहीं भी न पाया जा सके जब तक कि वह भगवान की इस दुनियाँ की इज़्ज़त करना न सीख ले।

अगर ऐसा कभी हुआ तभी वह अपना जादू धरती के ऊपर से हटायेगा और यह काला तेल दुनियाँ वालों को इस्तेमाल करने देगा।

पर अभी के लिये इतना ही काफी है क्योंकि अभी इससे कम से कम आदमी जानवर आदि सभी ज़िन्दा लोग सुरक्षित रहेंगे।

3 बोलता रैवन जो हीरो बन गया[31]

टैरी किंग[32] बगदाद के हवाई अड्डे के पास बनी अपनी बैरक के बाहर एक पेड़ के साये में बैठा एक पेपरबैक किताब पढ़ रहा था।

एक घंटे पहले ही वह ग्रीन ज़ोन[33] से जाने वाली डाक ले कर लौटा था सो अब वह ज़रा आराम कर रहा था। उसको यह खतरनाक यात्रा दिन में दो बार करनी पड़ती थी क्योंकि टैरी एक ट्रक ड्राइवर था और ईराक में ट्रक चलाना एक बहुत ही खतरनाक काम था।

पढ़ते पढ़ते टैरी को पास के एक बिजली के खम्भे पर बैठा एक बड़ा काला रैवन दिखायी दे गया। रैवन कुछ अजीब किस्म की आवाजें निकाल रहा था। असल में उन्हीं आवाजों ने टैरी का ध्यान किताब से हटा कर अपनी तरफ खींच लिया था।

अब वह यह तो यकीन से नहीं कह सकता था कि वह क्या कह रहा था पर उसको लगा कि जैसे उसने कहा — “तुमने तो यह पेज पहले ही पलट लिया है।”

---

[31] Talking Raven Who Became Hero or Omar the Amazing Raven – a folktale of Raven his being in Iraq, Asia. Adapted from the Web Site : http://www.indigenouspeople.net/omartheraven.htm This looks like modern tale, after the invention of television. This is one of the first modern tales of Raven that is why I decided to adapt it in Hindi and include it here.

[32] Terry King – name of the mailman

[33] Green Zone – name of the US Military base

उसने सोचा कि उसको शायद धोखा हुआ है। एक रैवन ऐसा कैसे बोल सकता है सो उसने फिर से अपनी किताब आगे पढ़ने के लिये अपना पेज पलट लिया।

वह अपनी कहानी में इतना डूबा हुआ था कि उसको पता ही नहीं चला कि कब वह रैवन उसके पास रखी खाली कुरसी के तकिये पर आ कर बैठ गया।

एक दो पेज पढ़ने के बाद ही उसे लगा कि कोई उसको ध्यान से देख रहा है। चौंक कर उसने देखा तो वह चिड़ा ही उसकी तरफ बड़े ध्यान से देख रहा था। वह अपना सिर कभी इधर घुमाता कभी उधर। ऐसा लग रहा था जैसे वह उसका चेहरा पढ़ने की कोशिश कर रहा हो।

टैरी ने अपनी किताब अपनी गोद में रख दी और वह भी उस चिड़े की तरफ ध्यान से देखने लगा। उसके चमकीले काले पंख बहुत ज़ोर से चमक रहे थे। उसकी काले शीशे जैसी ऑखें उसे बड़ी उत्सुकता से देख रहीं थीं जैसे उससे कुछ कहना चाहती हों।

और फिर वह हुआ जो टैरी के लिये बड़ा ही आश्चर्यजनक था जो उसने कभी सोचा भी न था। वह चिड़ा बोला और बोला भी ऐसे कि टैरी उसे समझ सका।

रैवन बोला — "क्या तुम वे पेज पलटने नहीं जा रहे? क्योंकि तुम्हारे साथ साथ मैं भी तो यह किताब पढ़ रहा हूँ।"

टैरी ने कुछ हिचकिचा कर पूछा — "क्या? तुमने क्या कहा?"

रैवन बोला — "मुझे यकीन है कि तुमने मुझे ठीक सुना। मैं भी तुम्हारे साथ साथ तुम्हारी यह किताब पढ़ रहा था पर तुम मेरे मुकाबले में बहुत ही धीमे पढ़ने वाले हो। वैसे यह बहुत ही अच्छी किताब है।

टैरी बोला — "पक्षी तो पढ़ नहीं सकते। पर जब मैं तुमको बोलते सुन रहा हूँ तो मुझे लग रहा है कि मैं सपना देख रहा हूँ।"

रैवन बोला — "नहीं नहीं। यह तुम्हारा सपना नहीं है, कौरपोरल। मैं सचमुच बोल सकता हूँ और मैं ठीक से पढ़ भी सकता हूँ। बल्कि मेरी नजर तो तुम जैसे आदमियों की नजर से भी ज़्यादा तेज़ है।

मैं उस बिजली के खम्भे पर बैठा तुम्हारी यह किताब आसानी से पढ़ सकता था। पर मुझे पढ़ने में ज़्यादा आनन्द तब आता अगर तुम इतना धीमा न पढ़ते और अपनी किताब का पेज पलटने में इतना ज़्यादा समय न लगाते।"

टैरी बोला — "मैंने टेलीविजन में बोलता हुआ घोड़ा सुना है जिसका नाम मिस्टर टैड है पर मैंने कभी बोलता हुआ पक्षी नहीं सुना। नहीं नहीं, मैंने बोलता हुआ तोता भी सुना है।"

रैवन बोला — "तब तो तुम्हें एक रैवन को बोलते हुआ सुन कर आश्चर्य नहीं करना चाहिये।"

एक दो मिनट तक तो टैरी कुछ बोला नहीं क्योंकि अभी भी वह रैवन को बोलते सुन कर आश्चर्यचकित था पर टैरी को जल्दी

ही विश्वास हो गया कि हालाँकि यह सब आश्चर्यजनक था पर सच था। सो उसने रैवन से बातचीत जारी रखने का निश्चय किया।

टैरी बोला — “तुम्हारा नाम क्या है रैवन?”

रैवन बोला — “आदमियों की भाषा में मेरा नाम उमर है, उमर, बोलने वाला रैवन[34]।”

टैरी बोला — “यह नाम तो तुम्हारे लायक ही है। अच्छा यह बताओ कि तुमने बोलना सीखा कहाँ से? क्या तुम जब यह दिखाना चाहते हो कि तुम उस जगह पर बैठे हो तो आदमी की आवाज की नकल करते हो?”

रैवन बोला — “हाँ, शुरू में शायद कुछ ऐसा ही हुआ होगा। मैंने किसी आदमी से अपनी पहली बातचीत शायद ऐसे ही शुरू की होगी। मेरी पहली बातचीत तब थी जब मैंने केवल शब्दों को दोहराने से कुछ ज़्यादा ही बोला था।

और यह मैंने तब किया जब मुझे यह लगा कि मैं आदमियों की भाषा समझता हूँ और उसे अपने विचार बताने के लिये इस्तेमाल कर सकता हूँ और दूसरा क्या कह रहा है वह भी समझ सकता हूँ।

जिस आदमी से मैंने पहली बातचीत की थी इत्तफाक से उसका नाम भी उमर ही था। मैंने उसकी इ़ज़्ज़त करने के लिये अपना नाम भी उमर रख लिया हालाँकि “बोलने वाला रैवन” मेरे नाम के आगे उसी ने जोड़ा था।”

---

[34] Omar, the Talking Raven

टैरी ने पूछा — "कौन था वह? क्या वह कोई ईराकी था?"

रैवन बोला — "नहीं नहीं, वह तो एक अंग्रेज था। मैं उससे मिश्र[35] देश में मिला था। मिश्र में मैं अपने मौसम में जाता हूँ। जब गरमी मेरे लिये बहुत ज़्यादा हो जाती है तो मैं मिश्र चला जाता हूँ जहाँ के समुद्र के किनारे की ठंडी हवाएँ मुझे बहुत अच्छी लगती हैं।"

टैरी बोला — "तुमने कहा कि उमर अंग्रेज था। उमर नाम तो अंग्रेजों का नहीं होता। किसी अंग्रेज का उमर नाम होना तो बड़ी अजीब सी बात है।

क्या तुम यकीन के साथ कह सकते हो कि उस आदमी का नाम उमर ही था और वह अंग्रेज ही था? क्या वह अभी भी ज़िन्दा है और मिश्र में ही है?"

रैवन बोला — "मुझे दुख है कि वह अब ज़िन्दा नहीं है। मेरा पहला आदमी दोस्त तो एक बूढ़ा आदमी था। कुछ साल हुए वह भी मर गया।

मगर उसका नाम सचमुच में ही उमर था। वह कालीनों का व्यापार करता था। उसकी माँ मिश्र की थी और उसका पिता ब्रिटेन का एक सिपाही था। उसी ने मुझे पढ़ना सिखाया।

---

[35] Egypt – a country in North-East Africa

उसके आखिरी दिनों में उसकी देखने की ताकत चली गयी थी इसलिये मैं उसको किताबें पढ़ कर सुनाता था। उसको वह अच्छा लगता था। मुझे उसकी बहुत याद आती है।"

टैरी को उससे बात करके बड़ा अच्छा लग रहा था। वह आगे बोला — "क्या तुम अंग्रेजी के अलावा और भी कोई भाषा बोल और पढ़ सकते हो?"

रैवन बोला — "नहीं, केवल अंग्रेजी। मुझे बोलने वाले शब्दों और छपे हुए शब्दों को जैसे कि किताब में लिखे रहते हैं आपस में मेल मिलाने में भी काफी देर लगी।

मुझे तुम अमेरिकन लोगों का यहाँ आना बहुत अच्छा लगा क्योंकि मैं एक बार फिर से यह भाषा सुन और देख सका। और इसीलिये मैं यह देखने के लिये यहाँ रुक गया कि तुम क्या पढ़ रहे हो।"

टैरी यह सुन कर मुस्कुराया और उसने अपने नये दोस्त से कुछ और सवाल पूछने का विचार किया।

टैरी बोला — "तुम कहते हो कि तुम्हारी नजर आदमियों की नजर से ज़्यादा अच्छी है। मैं इस बात को मना नहीं करता क्योंकि मैं जानता हूँ कि चील गिद्ध भी अपना शिकार बहुत दूर से देख लेते हैं पर मुझे यह नहीं मालूम था तुम जैसे रैवन भी बहुत दूर तक देख सकते हैं।

क्या तुम देख सकते हो कि अमेरिकन लोगों पर कौन गोली चला रहा है? मेरा मतलब है कि क्या तुम बता सकते हो कि गोली चलाने वाले ने किसी दूसरी तरह के कपड़े पहन रखे हैं या नहीं? और क्या वह किसी अमेरिकन आदमी या अमेरिकन गाड़ी पर गोली चलाने वाला है?"

रैवन बोला — "ओह यह तो बहुत आसान है। मैंने अक्सर लोगों को तुम लोगों के ऊपर हमला करने के लिये अपने आपको सॅभालते और अपने राकेट फेंकने वाली मशीनों को ठीक से रखते ऊॅचाई से देखा है।

मैंने उन लोगों को बम रखने के लिये सड़कों को खोदते हुए भी देखा है। उनको ऐसी जगह भी बम रखते देखा है जहॉ ट्रक और टैंक आते जाते रहते है।"

"तो तुम हमारे सिपाहियों को इस बारे में कुछ बताते भी हो या केवल देखते ही रहते हो?"

रैवन बोला — "मैं यह कहते हुए बहुत शरमिन्दा हॅू कि मैं केवल उनको देखता ही रहता हॅू। तुम पहले अमेरिकन हो जिससे मैंने बात की है।"

टैरी बोला — "तो क्या तुम ऐसा कर सकते हो कि तुम मेरे ट्रक के ऊपर उड़ो और जब मैं ग्रीन ज़ोन से यहॉ हवाई अडडे तक आ या जा रहा होऊॅ तो कभी मुझे कुछ खतरा हो तो मुझे बताओ?

अगर तुम मेरे दोस्त बन जाओ तो यह तुम मुझको केवल मेरी तरफ देख कर ही बता सकते हो।”

रैवन बोला — “हॉ मैं ऐसा कर तो सकता हूं कौरपोरल, पर तुम एक बात ध्यान में रखना कि मैं तुम्हारा या यहॉ के लोगों का वफादार नहीं हूॅ। मैं तो यहॉ कुछ दिनों के लिये हूं। जब गरमी का मौसम आ जायेगा तो मैं यहॉ से चला जाऊॅगा।”

टैरी आगे बोला — “कोई बात नहीं। मेरा कहने का मतलब तो केवल इतना था कि अगर तुम मुझे मेरे रास्ते में आने वाले खतरे के बारे में पहले से ही बता दोगे तो मेरी ज़िन्दगी बहुत आसान हो जायेगी। अगर तुम ऐसा करोगे तो तुम्हारी बड़ी मेहरबानी होगी।”

रैवन बोला — “तुम एक बात और समझ लो कौरपोरल, कि तुम्हारे ट्रक के शोर में मेरी आवाज तुमको नहीं भी सुनायी दे सकती हालॉकि मैं सब कुछ देख रहा होऊॅगा।”

टैरी बोला — “मैं समझ गया मेरे दोस्त। उसके लिये हम कुछ और इन्तजाम कर सकते हैं। असल में हम कुछ सिगनल बना लेंगे जिनको तुम इस काम के लिये इस्तेमाल कर सको – जैसे जब तुम नीचे उड़ोगे तो मैं रुक जाऊॅगा। या फिर मेरे आगे जिस दुश्मन पर तुमको शक हो तुम उसके ऊपर गोल गोल उड़ो तो मैं समझ जाऊॅगा कि वह मेरा दुश्मन है।

क्या ऐसा सिगनल कुछ काम करेगा? और हॉ मेरा नाम टैरी है।”

रैवन बोला — "जो कुछ भी तुम करो टैरी वह तुम्हारी मरजी। पर इस सबको करने से भी पहले सबसे पहले यह बहुत जरूरी है कि मैं तुम्हारी गाड़ी को सड़क के ऊपर से पहचान सकूँ।

उसके लिये क्या तुम अपने रेडियो के ऐन्टीना पर कोई ऐसा कपड़ा बाँध सकते हो जिससे सड़क पर चलने वाली और गाड़ियों से मैं तुम्हारी गाड़ी को अलग कर सकूँ?"

टैरी बोला — "हाँ यह तो मैं कर सकता हूँ। मेरे पास एक बहुत ही चमकीले हरे रंग का स्कार्फ है मैं वह अपने गाड़ी के रेडियो के ऐन्टीना पर बाँध दूँगा। क्या तुम रंग पहचान सकते हो या केवल काला और सफेद ही पहचानते हो?"

रैवन ने कहा — "हाँ मैं रंग पहचान सकता हूँ। जैसे कत्थई और हरे रंग की छिपाने वाली फौजी पैन्ट, सफेद बनियान और लाल बेसबौल टोपी, ठीक?"

टैरी बोला — "बहुत अच्छे। सो तुम रंग पहचानते हो। मैं कल ही अपनी गाड़ी के ऐन्टीना पर अपना हरा स्कार्फ बाँध लेता हूँ। और अगर इससे काम नहीं चला तो उसे मैं अपने दरवाजे के हैन्डिल में बाँध लूँगा या दरवाजे में अटका दूँगा।"

रैवन बोला — "मेरे विचार में यह दरवाजे के हैन्डिल में बाँधने वाला विचार ज़्यादा ठीक रहेगा। तो फिर तुम ग्रीन ज़ोन दोबारा कब जा रहे हो?"

टैरी बोला — “अब मैं कल सुबह जब सूरज निकलता है तभी जाऊँगा। मैं पहले यहाँ के हवाई अड्डे से ऐम्बैसी की डाक लेने जाऊँगा ओर फिर ग्रीन ज़ोन उसको देने जाऊँगा।

वहाँ के मरीन गार्ड[36] नये डाक के थैले मेरे ट्रक में लादेंगे और फिर मैं तुरन्त ही यहाँ हवाई अड्डे वापस आ जाऊँगा। इससे पहले कि वे चाउ लाइन[37] बन्द करें मैं यहाँ नाश्ते के लिये आना चाहता हूँ।”

रैवन ने अपनी गरदन इधर उधर हिला कर पूछा — “चाउ लाइन? यह क्या होता है?”

टैरी ने उसे उत्तर की तरफ इशारा करते हुए समझाया — “यह वह जगह है जहाँ मुझे नाश्ता मिलता है। वह जो पार्किंग की जगह देख रहे हो न, उस पार्किंग की जगह को पार करके हमारा खाने का कमरा है, वहीं।”

अचानक रैवन अपनी उस कुरसी पर से बिजली के खम्भे की तरफ उड़ा और ज़ोर से चिल्लाया — “ओ कौरपोरल किंग, कैप्टेन तुमसे अभी मिलना चाहता है।”

तभी सार्जेन्ट की तेज़ आवाज ने टैरी की बातचीत को रोक दिया और सार्जेन्ट भी वहीं उसको कैप्टेन के पास चलने के लिये कहने के लिये आ पहुँचा।

---

[36] Marine Guards

[37] Chow line is a slang to be used for the line to take food, especially in military.

उमर उस बिजली के खम्भे पर बैठा यह सब देख रहा था। टैरी अपने हैड क्वार्टर पहुँचा। हैड क्वार्टर पहुँचने से पहले उसने अपनी कमीज पैन्ट के अन्दर की, टोपी उतारी और तब अपने दफ्तर में घुसा।

कैप्टेन के दफ्तर के बाहर एक कुरसी पर एक और कौरपोरल बैठा था उसने टैरी से कहा — "तुम कैप्टेन के पास अन्दर जा सकते हो। कैप्टेन तुमसे कुछ कहना चाहता है।"

टैरी ने अन्दर जा कर कैप्टेन को सैल्यूट किया और बोला — "आपने मुझे बुलाया सर?"

"हॉ कौरपोरल किंग। कल सुबह तुमको यू ऐस ऐम्बैसी[38] में ठीक सात बजे पहुँचना है। वहॉ से तुमको एक खास राजकीय थैला सीधा बेस औपरेशन्स के लिये ले कर आना है।

बेस औपरेशन्स जा कर पहले तुम उस पायलेट को ढूँढना जो कुछ खास लोगों को वापस वाशिंगटन ले कर जा रहा है। वह थैला तुम सीधे उस पायलेट को दे देना और उससे थैला लेने के बदले में दस्तखत ले लेना।

बाकी बची हुई रोजमर्रा की डाक जहॉ डाक ले कर जाते हो फिर उसे वहॉ ले जाना। समझ गये न? कुछ और पूछना है?"

"कुछ नहीं सर। मैं समझ गया। सर, आपको पायलेट का नाम मालूम है?"

---

[38] US Embassy

"नहीं कौरपोरल, मुझे उसका नाम नहीं मालूम। तुम जहॉ से चिटि्ठयॉ जाती हैं वहीं के क्लर्क से पूछ लेना।"

टैरी बोला — "ठीक है सर। मैं वहीं से पूछ लूँगा।"

कैप्टेन फिर बोला — "हॉ एक बात और, तुम अपने साथ दो हथियारबन्द गार्ड और ले जाना। यह खास राजकीय थैला बहुत खास है और किसी भी हालत में किन्हीं गलत हाथों में नहीं पड़ना चाहिये।

सार्जेन्ट कैमिन्स्की और प्राइवेट लोपेज़[39] 6 बजे मिलने वाले हैं। अपनी गाड़ी और गैस ठीक से देख कर रखना।"

"जी सर। सार्जेन्ट कैमिन्स्की और प्राइवेट लोपेज़? क्या उनको भी बता दिया गया है सर?" टैरी ने पूछा।

"हॉ कौरपोरल। बस अब जाओ।"

टैरी ने कैप्टेन को सैल्यूट मारा और उसके दफ्तर से बाहर आ गया। यह कोई पहली बार नहीं था कि वह राजकीय डाक ले कर आ रहा था इसलिये वह यह अच्छी तरह जानता था कि उसको उस डाक को कैसे ले कर आना है।

जब टैरी उस कौरपोरल की मेज के पास से गुजरा जिससे वह जब दफ्तर के अन्दर आया था तब मिला था तो वह कौरपोरल बोला — "गुड लक टैरी। कुछ समय के लिये शायद डाक लाने के लिये तुम्हारा यह आखिरी चक्कर हो।

---

[39] Sargent Cheminsky and Private Lopez

तुम्हारे कुवैत[40] के तबादले के कागज आ गये है। तुम्हारा यहाँ का काम दो महीने की कुवैत की ड्यूटी के बाद खत्म हो जायेगा। मुझे लगता है कि इस ग्रीन ज़ोन को आने जाने के खतरनाक काम के बाद अब तुमको कुछ आसान काम मिल जायेगा।”

टैरी आश्चर्य से बोला — “सच में? कुवैत? इसके बारे तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था। यहाँ का काम खत्म होने से पहले मैं अपने आपको किस तरह जाँचूँ?”

वह कौरपोरल बोला — “तुम बहुत ही खुशकिस्मत हो टैरी। खुद कैप्टेन ने तुम्हारे लिये इसका इन्तजाम किया है। कल थोड़ा सावधान रहना, बस।”

“यकीनन। मैं कुवैत कब जाऊँगा?”

कौरपोरल बोला — “अगले हफ्ते। अगले बुधवार को तुम एक खास फ्लाइट से वहाँ जाओगे। हाँ, तुम उस दिन साढ़े नौ बजे जाओगे। मैं तुम्हारी कागजी कार्यवाही सोमवार तक तैयार कर दूँगा।”

टैरी बोला — “धन्यवाद माइक[41]।” और एक नये उत्साह के साथ वह उस दफ्तर से बाहर आ गया। वह वापस अपनी उसी कुरसी पर आ गया जहाँ वह अपनी किताब छोड़ कर गया था।

---

[40] Quwait- an Islamic country on the South-Eastern coast of Saudi Arabia, just South of Iraq

[41] Mike is the short form of the name MIchael

आ कर उसने ऊपर बिजली के खम्भे की तरफ देखा पर उसको अपना दोस्त रैवन कहीं दिखायी नहीं दिया।

उसने किताब पढ़ने का विचार छोड़ दिया और अपनी बैरक में आ गया। वह कुछ अनमना सा हो गया था क्योंकि वह अपने दोस्त को अपने अगले दिन के प्रोग्राम के बारे नहीं बता पाया था कि अगले दिन उसको ग्रीन ज़ोन और ऐम्बैसी जाना था।

अगले दिन सुबह नाश्ते से पहले, बल्कि सुबह की काफी पीने से भी पहले, टैरी ने अपनी भूख को काबू में रखने के लिये एक कैन्डी बार खायी। फिर उसने अपनी गाड़ी निकलवायी।

उसकी यह गाड़ी एक खास छह फुट लम्बा छह फुट चौड़ा रेगिस्तान में चलने वाला ट्रक था जिसमें पीछे की तरफ सामान रखने की जगह कैनवास के कपड़े से ढकी हुई थी।

तभी सार्जेन्ट कैमिन्स्की और प्राइवेट लोपेज़ भी आ गये। वे दोनों अपनी बुलैट प्रूफ जैकैट पहने हुए थे, हैल्मैट लगाये हुए थे और अपने साथ सेमी औटोमैटिक हथियार लिये हुए थे।

टैरी ने उनसे पूछा — "क्या आप लोग तैयार हैं?"

सार्जेन्ट कैमिन्स्की बोला — "हॉ हम बिल्कुल तैयार हैं। चलो चलते हैं। हो सकता कि बहुत गरम होने से पहले ही हम लोग वापस लौट आयें। यह जो हम लोग बुलैट प्रूफ जैकेट पहने हैं न, जब गरमी हो जाती है तो बहुत तंग करती है।"

टैरी भी हॅसते हुए बोला — "मुझे अफसोस है कि यह लिमूज़ीन[42] भी ऐयर कन्डीशन्ड नहीं है। चलिये चलें।"

हवाई अड्डे से ग्रीन ज़ोन तक के सफर में कोई खास बात नहीं हुई। मौसम गरम था, आसमान साफ था। ईराक में अप्रैल में सुबह ऐसी ही होती है।

ग्रीन ज़ोन से काम करने के बाद वे लोग फिर ऐम्बैसी चले। तीनों लोगों ने सोचा कि इस सुरक्षित जगह में जहॉ खास लोग काम करते थे और रहते थे वे लोग कुछ आराम कर सकते थे। इस खास जगह की सुरक्षा की वजह से यह जगह बिल्कुल ही अलग थी।

जब टैरी ने अपनी गाड़ी ऐम्बैसी के पास पार्क की तो ऐम्बैसी में खड़े दो हथियारबन्द मरीन गार्ड ने टैरी को सलाम किया।

पहले उन्होंने डाक के कई थैलों और बाहर जाने वाली डाक के डिब्बों से भरी हुई एक पहियों वाली गाड़ी को धकेला। फिर एक शहरी आदमी दो सूटकेस जितने बड़े चमड़े के दो थैले ले कर आया। उन थैलों में जंजीर और ताले पड़े थे और सील भी लगी थी।

वह शहरी आदमी बोला — "कौरपोरल, यहॉ दस्तखत कर दो। और ये थैले सीधे बेस औपरेशन्स ले जाओ। वहॉ जा कर वाशिंगटन वाली फ्लाइट के पायलट को ढूँढना और इन्हें उसको दे

---

[42] Limousine vehicle is supposed to be very comfortable and luxurious vehicle. Thus Terry was joking.

कर उससे दस्तखत ले लेना। दस्तखत की गयी रसीद तुम शाम को जब डाक लेने आओगे तब लेते आना।"

टैरी ने उन थैलों के लिये दस्तखत किये और उन थैलों को अपने ट्रक में आगे रख लिया। रोज मर्रा के डाक के थैले उसने पीछे कैनवास के नीचे डाल दिये।

क्योंकि उन खास चमड़े के थैलों ने आगे काफी जगह ले ली थी सार्जेन्ट कैमिन्स्की ने प्राइवेट लोपेज़ से कहा कि वह ट्रक में पीछे डाक के साथ बैठ जाये। लोपेज़ बेमन से पीछे बैठ गया।

वहाँ से बाहर निकलने से पहले टैरी ने अपना वह चमकीला हरा स्कार्फ निकाला और ट्रक के दाँये दरवाजे के हैन्डिल से बाँध दिया। कैमिन्स्की यह सब देख रहा था। उसको यह देख कर बड़ा आश्चर्य हुआ तो उसने टैरी से पूछा — "यह किस बात के लिये है टैरी?"

टैरी ने बात बनाते हुए कहा — "यह मेरा लकी स्कार्फ है। हो सकता है कि इसकी वजह से हम सड़क के किनारे लगाये गये बमों से बच जायें।" और वह हवाई अड्डे की सड़क की तरफ चल दिया।

हवाई अड्डे वाली सड़क पर आने के थोड़ी ही देर बाद कैमिन्स्की ने देखा कि **4**–लेन वाली सड़क के किनारे लगी एक दीवार पर एक रैवन बैठा था।

वह रैवन उसी तरफ उड़ चला जिस तरफ वे लोग जा रहे थे। टैरी उस रैवन को देख कर मुस्कुराया और समझ गया कि यकीनन वह उसका उमर ही था।

कैमिन्स्की उसको करीब पचास फीट तक उस दीवार पर उड़ते देख कर बोला — "यह गूँगा पक्षी यहाँ क्या कर रहा है?"

टैरी ने उसे कोई जवाब नहीं दिया।

इतनी सुबह हवाई अड्डे वाली सड़क पर कोई ज़्यादा गाड़ियाँ नहीं थीं। टैरी चालीस मील घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहा था।

उसके हथियारबन्द साथी कुछ परेशान से थे क्योंकि उनको लग रहा था कि आगे बम बिछे हुए हो सकते थे। अभी उनको हवाई अड्डे की सुरक्षा क्षेत्र के भीतर पहुँचने के लिये पन्द्रह मील और जाना था।

कैमिन्स्की फिर बोला — "इस पागल रैवन को तो देखो।"

वह फिर चिल्लाया — "अरे यह बेवकूफ तो हमारी ही तरफ उड़ा आ रहा है।"

तभी रैवन गाड़ी के सामने वाले शीशे तक आ कर फिर बॉयी तरफ मुड़ गया।

टैरी ने तुरन्त अपनी गाड़ी के ब्रेक लगाये और गाड़ी को बॉयी लेन में ले जा कर रोक दिया।

कैमिन्स्की फिर ज़ोर से चिल्लाया — "क्या हुआ? तुमने ट्रक क्यों रोक दिया और यहाँ क्यों रोक दिया? यह तो सड़क का बड़ा खतरनाक हिस्सा है।"

टैरी का दिल बहुत ज़ोर से धड़क रहा था। पाँच सात सेकंड में जब वह कुछ थोड़ा ठीक सा हुआ तब वह बोला — "इसलिये क्योंकि एक बम हमारे ठीक आगे सड़क के किनारे है। जल्दी से टेलीफोन पर बम नष्ट करने वालों से बात करो और उनको यहाँ बुलाओ। उनको बताओ कि हम कहाँ हैं और कहो कि सड़क के किनारे एक बम है।"

कैमिन्स्की बोला — "बम? कौन सा बम? मुझे तो यहाँ कोई बम नहीं दिखायी दे रहा। मुझे तो बस वह पागल रैवन आगे चक्कर काटता दिखायी दे रहा है।"

टैरी बोला — "उसी पागल रैवन ने तो आज हमारी जान बचायी है। वह वहीं घूम रहा है जहाँ बम है। अगर उसने मुझे न बताया होता तो कुछ सैकन्डों में ही हमारे टुकड़े टुकड़े हो गये होते।"

कैमिन्स्की बोला — "क्या कह रहे हो तुम? क्या मतलब है तुम्हारा? क्या तुम यह कहना चाहते हो कि यह सब उसने तुम्हें बताया?" और उसने तुरन्त ही बम नष्ट करने वाली टीम को फोन कर दिया।

फिर वह आगे बोला — "पर तुमको कैसे मालूम हुआ कि वह पागल चिड़िया क्या कर रही थी। वह तो कुछ सेकंड पहले हमारी गाड़ी के सामने वाले शीशे में टकराने वाली थी।"

टैरी बोला — "मेरा विश्वास कीजिये मैं उस चिड़िया को जानता हूँ। और आज उसी चिड़िया ने हमारी जान बचायी है।"

टैरी फिर बोला — "मगर हम ज़्यादा देर तक यहाँ नहीं रुक सकते। हमारे दुश्मन हमको मारने के लिये यहीं कहीं आस पास ही छिपे होंगे।"

उसने अपनी तरफ की खिड़की खोलते हुए रैवन को ज़ोर से बोला — "बहुत बहुत धन्यवाद उमर, बहुत बहुत धन्यवाद मेरे दोस्त। आज तुमने बहुत बड़ा काम किया।"

कैमिन्स्की अब जान गया था कि उसका ड्राइवर थोड़ा खब्ती था जो एक रैवन से बात कर रहा था। वह बोला — "तुम क्या पागल हो कौरपोरल? इस बात से तुम्हारा क्या मतलब है कि इस चिड़िया ने हमारी जान बचायी?"

टैरी ने रैवन को अपने पास आने का इशारा किया और कैमिन्स्की से बोला — "मेरा विश्वास करो। यह सुनने में पागलपन लगता है पर यह रैवन एक बहुत ही होशियार रैवन है।"

कैमिन्स्की को टैरी की बात पर विश्वास ही नहीं हुआ पर तभी रैवन उड़ कर ट्रक के ऊपर आ कर बैठ गया।

टैरी उससे बोला — “उमर, क्या तुम ऊपर जा कर यह देख कर आ सकते हो कि आस पास में कहीं हमारे दुश्मन छिपे बैठे हैं क्या जो हमको बम से उड़ाने की ताक में बैठे हैं?”

रैवन थोड़ा सा ही ऊपर उड़ा और सड़क के दोनों तरफ चक्कर काट कर आया, पहले वह आगे गया फिर पीछे गया और आ कर बोला — “नहीं, अब तुमको चिन्ता करने की कोई जरूरत नहीं है। आस पास में भी कोई नहीं है।

लेकिन मुझे खुशी है कि मैंने सड़क के किनारे हाल ही में खोदी हुई मिट्टी देख ली। किसी ने वहाँ पर अभी अभी बहुत बड़ा बम रख दिया है। जब तुम ग्रीन ज़ोन गये थे तब यह यहाँ नहीं था।”

यह सुन कर तो कैमिन्स्की को बहुत ही आश्चर्य हुआ। उसका मुँह तो खुला का खुला रह गया। इतने में ट्रक के पीछे से लोपेज़ चिल्लाया — “क्या तुम लोग उस बड़ी चिड़िया से जो हमारे सामने उड़ रही थी उससे सचमुच में बातें कर रहे हो? और हम लोग यहाँ रुके क्यों हुए हैं?”

टैरी ने अपने दोनों हथियारबन्द गार्ड को जितना कर सकता था शान्त किया और फिर उनको समझाया कि रैवन ने वाकई वहाँ पर बम ढूँढ लिया था जो उन सबको टुकड़े टुकड़े करके उड़ा सकता था।

वह फिर बोला — "मेरा दोस्त रैवन कहता है कि आस पास में कोई दुश्मन नहीं है इसलिये हम लोग जब तक वे बम नष्ट करने वाले यहाँ आते हैं यहाँ उनका इन्तजार कर सकते हैं। आप लोग ज़रा ध्यान रखें कि कोई और गाड़ी यहाँ पास में न आये। वह बम हम लोगों के ठीक सामने है।"

जब वे बम नष्ट करने वाली टीम का इन्तजार कर रहे थे तो टैरी ने उनको उमर के बारे में बताया।

रैवन ट्रक के आगे वाले हिस्से पर बैठा हुआ टैरी की सब बातें सुन रहा था और उन दोनों गार्ड को ध्यान से देख रहा था।

कैमिन्स्की बोला — "यह सब तो पागलपन है टैरी बिल्कुल पागलपन। मैं देख भी रहा हूँ और सुन भी रहा हूँ पर मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि तुम और यह बड़ी चिड़िया दोनों आपस में एक दूसरे से बातें कर रहे हो और इसने तुमको दिखाया कि यहाँ बम रखा हुआ है।"

इस बीच में लोपेज़ ने एक दो गाड़ियों को रोका जो उनके पीछे से आ रही थीं और उनको बताया कि वहाँ बम था। जल्दी ही बम नष्ट करने वाली टीम भी आ गयी और उसने उस जगह को अपने अधिकार में ले लिया।

टैरी बोला कि वह वहाँ और नहीं रुक सकता था क्योंकि उस को वे दोनों थैले वाशिंगटन वाले हवाई जहाज के हवाई अड्डा छोड़ने से पहले हवाई अड्डे पर पहुँचाने थे।

चलने से पहले टैरी ने उमर से पूछा — “क्या हम लोग अब ठीक से हवाई अड्डे जा सकते है?” उमर एक बार फिर चारों तरफ चक्कर लगा कर आया और आ कर उसने टैरी को बताया कि अब सब कुछ साफ था।

टैरी बोला — “ठीक है उमर। अब तुम आगे आगे उड़ो और हम तुम्हारे पीछे पीछे आते हैं। मुझे बेस औपरेशन्स जल्दी से जल्दी पहुँचना है। तुम्हारा फिर से धन्यवाद। काम के बाद मैं तुमको अपनी बैरक के बाहर मिलता हूँ।”

उमर ने उससे पूछा — “जैसा तुम कह रहे थे क्या तुम चाउ लाइन भी जाओगे?”

टैरी हँसा और बोला कि वह तो अपनी भूख के बारे में बिल्कुल भूल ही गया था। पहले वह वहाँ जायेगा और उसके बाद वह उससे अपने नाश्ते के बाद मिलेगा।

हवाई अड्डे पर बेस औपरेशन्स पर पहुँच कर टैरी और उसके दोनों गार्ड वे दोनों थैले लेकर अन्दर चले गये। डाक सँभालने वाले ने उस खास फ्लाइट के पायलेट की तरफ इशारा कर दिया और टैरी मेजर की तरफ बढ़ा जो अपनी फ्लाइट के कुछ कागज भर रहा था।

लेकिन इससे पहले कि वह पायलेट से मिलने के लिये कमरा पार करता उसकी टीम का कैप्टेन आ गया और उससे पूछा कि टैरी

बेस औपरेशन्स आधा घंटे देर से क्यों आया था। दोनो गार्ड अभी भी टैरी के पास ही खड़े थे।

इससे पहले कि टैरी उसको यह बताता कि उसको सड़क के पास एक बम मिलने की वजह से देर हो गयी थी, सार्जेन्ट कैमिन्स्की बीच में बोल पड़ा — "आपको विश्वास नहीं होगा कैप्टेन कि आज क्या हुआ। आज मैंने अपनी ज़िन्दगी की सबसे बड़ी आश्चर्यजनक घटना देखी।"

तभी लोपेज़ बीच में बोल पड़ा — "हम आज यहॉ ज़िन्दा न होते अगर कौरपोरल किंग का रैवन न होता।"

कैप्टेन उसके हाथ पकड़ते हुए बोला — "रुको रुको। एक मिनट। रैवन, बम, यह सब क्या है?"

टैरी बीच में बोला — "माफ कीजिये सर। पहले मैं ये थैले ज़रा उस खास फ्लाइट के पायलेट को दे आऊॅ वह यही सामने खड़ा है फिर आ कर आपको बताता हूॅ।"

"हॉ हॉ, जाओ और इन थैलों को उसे दे आओ, पर देखो दूर मत जाना। मुझे इन सबकी सफाई चाहिये और देर होने की वजह भी।" टैरी और कैमिन्स्की मेजर के पास चले गये और जा कर उसको थैले दे दिये और उससे दस्तखत ले लिये।

इस बीच में प्राइवेट लोपेज़ ने उस बम, रैवन और कोरपोरल किंग की रैवन से बात वाली घटना को समझाने की कोशिश की।

कैप्टेन बोला — “लोपेज़ तुमने पी तो नहीं रखी?”

“नहीं सर। एक बूँद भी नहीं। और मैं कभी पीता भी नहीं।”

जब तक टैरी और कैमिन्स्की कैप्टेन के पास से उसको वह खास थैला दे कर लौटे तो उन्होंने देखा कि कैप्टेन कुछ परेशान सा था और उसे किसी चीज़ पर विश्वास ही नहीं हो रहा था।

वह चिल्लाया — “तुम तीनों मुझे यह सब क्या बकवास बताने की कोशिश कर रहे हो?”

कैमिन्स्की बोला — “भगवान कसम यह बिल्कुल सच है कैप्टेन। उस चिड़े ने हमको सड़क के किनारे के बम के बारे में बताया और कौरपोरल किंग ने बड़ी अक्लमन्दी से ट्रक रोक दिया। उसके बाद बम नष्ट करने वाली टीम आयी और उनको यकीनन ही जमीन के नीचे बम मिल गया।

उस चिड़े ने वह बम देखा था और किंग ने हमको बताया जो उस चिड़े ने उसको बताया। लेकिन सबसे अजीब बात यह थी कि कौरपोरल किंग उस चिड़े से बातें कर रहा था। अगर मैंने उसको बात करते नहीं देखा और सुना होता तो मैं विश्वास ही नहीं कर सकता था।”

कैप्टेन बोला — “ठीक है ठीक है, तुम तीनों मेरे दफ्तर में दोपहर एक बजे आओ।”

तीनों ने एक आवाज में कहा — “जी सर।”

टैरी बोला — “मुझे भूख लगी है। चलो खाने के कमरे में चलते हैं और देखते हैं कि वे अभी भी नाश्ता दे रहे हैं या नहीं।”

एक घंटे बाद जब टैरी ने अपना खाना खत्म कर लिया तो वह अपनी बैरक की तरफ वापस चला तब तक इस घटना की अफवाह सब जगह फैल चुकी थी।

XXXXXXX

उस समय दिन के बारह बजे थे जब टैरी का सार्जेन्ट टैरी की बैरक में आया और उससे बोला कि कैप्टेन उससे मिलना चाहता है।

टैरी बोला — “मुझे मालूम है सार्जेन्ट। उसने मुझे एक बजे बुलाया है।”

सार्जेन्ट बोला — “नहीं, तुम अभी चलो उन्होंने तुमको अभी बुलाया है।”

टैरी बोला — “ठीक है ठीक है, मैं अभी चलता हूँ। पर वह मुझ से अभी क्यों मिलना चाहते हैं जो समय उन्होंने मुझे पहले बताया था उस समय क्यों नहीं? ठीक है मैं ज़रा अपने कपड़े बदल लूँ।”

सार्जेन्ट ने इसका कोई जवाब नहीं दिया सिवाय अपना हाथ हिलाने के जिसका मतलब था कि ठीक है तुम जाओ और कपड़े बदल कर आओ।

जब टैरी अपनी बैरक से बाहर जा रहा था तो उसने एक रैवन को बाहर टेलीफोन के खम्भे पर बैठे देखा। उसने पुकारा — “तुम उमर हो क्या?” पर उस चिड़िया ने कोई जवाब नहीं दिया।

तभी टैरी ने देखा कि तीन और रैवन आसमान में ऊँचे उड़ रहे थे। टैरी कैप्टेन के पास चलते चलते बुदबुदाया — “उमर तुम कहाँ हो?”

जब टैरी कैप्टेन के दफ्तर पहुँचा तो उसने देखा कि वहाँ पर एक कैप्टेन और एक लेफ्टीनैन्ट और बैठा हुआ है।

कैप्टेन ने कहा — “आओ कौरपोरल।” और हाथ से इशारा करते हुए उसको बैठने को कहा — “तुम लैफ्टीनैन्ट हावर्ड के पास बैठ जाओ। यह इन्टैलीजैन्स के दफ्तर से आया है। कैप्टेन क्रोमवैल[43] जो उसके बराबर में बैठा है वह सिक्योरिटी से आया है।”

टैरी ने सैल्यूट किया और बैठ गया। छोटा कमरा होने की वजह से कैप्टेन की मेज के सामने बहुत कम जगह थी। कैप्टेन बोला — “आप सबको मालूम है कि यहाँ हम बेस औपरेशन्स में जो आपने सुना है उसी के बारे में बात करने के लिये बैठे हैं।”

“ठीक, हम लोग यहाँ उसी की पूरी कहानी सुनने के लिये बैठे हैं कि वहाँ क्या हुआ।”

---

[43] Lieutinent Howard and Captain Cromwell

टैरी ने उनको रैवन से मिलने से ले कर तब तक की पूरी कहानी सुना दी – ग्रीन ज़ोन की, बम पाने की, आदि आदि। सब लोगों ने उसकी कहानी ध्यान से सुनी।

कैप्टेन कोमवैल ने पूछा — "क्या तुम हमें अपने उस दोस्त रैवन से मिला सकते हो?"

टैरी बोला — "मुझे नहीं मालूम। मैं नहीं जानता कि वह कहाँ है। वह मुझे अपने आप ही ढूँढ लेता है पर मेरी पुकार का जवाब नहीं देता। मुझे नहीं मालूम था कि वह इतना अजीब है।"

कैप्टेन कोमवैल आगे बोला — "टैरी क्या तुम्हें मालूम है कि तुम्हारा यह अजीब चिड़ा हमारे लिये कितने काम का हो सकता है? वह बहुत सारी जानें बचा सकता है, वह कुछ खास जगह में कुछ ऐसे काम कर सकता है जो हम नहीं कर सकते। वह हमारे लिये बहुत ही जरूरी है।"

टैरी बोला — "मुझे मालूम है सर, पर आप मेरा विश्वास कीजिये जब मैं कह रहा हूँ कि मैं उसको जब चाहूँ नहीं ला सकता हूँ तो आप मेरा विश्वास कीजिये कि मैं सच कह रहा हूँ। यह केवल उसी के हाथ में है मेरे हाथ में नहीं।"

कैप्टेन कोमवैल बोला — "पर जब भी वह तुम्हारे पास आये तो हमें जरूर बताना।"

“आप लोग क्या करेंगे उसका? उसे पकड़ लेंगे? और एक बन्दर की तरह पिंजरे में बन्द कर देंगे? मुझे अफसोस है कि मैं आपकी इस मामले में कोई सहायता नहीं कर सकता, बिल्कुल भी नहीं।” टैरी की आवाज में गुस्सा झलक रहा था।

कैप्टेन बोला — “अब तुम जा सकते हो इसके बारे में अब हम बाद में बात करेंगे।”

जब टैरी चला गया तो कैप्टेन क्रोमवैल और हावर्ड से बोला कि टैरी अगले हफ्ते कुवैत जाने वाला है। सो अच्छा है कि वे यह सब भूल जायें क्योंकि अगले हफ्ते तो यह सब खत्म ही हो जायेगा।

XXXXXXX

टैरी उस रात सो नहीं सका। वह उमर के बारे में ही सोचता रहा कि उसके ऊपर वाले औफीसर न जाने उसके रैवन के साथ क्या बरताव करें।

यही सोचते सोचते वह सूरज निकलने से पहले ही उठ गया और तैयार हो कर उसी तरफ चल दिया जहाँ से वह गाड़ी लेता था। वहीं उसी जगह के पास टूटी गाड़ियाँ भी पड़ी रहतीं थीं। उसको पूरी उम्मीद थी कि उसको रैवन वहीं कहीं मिल जायेगा।

सूरज निकलने ही वाला था और इतनी रोशनी हो गयी थी कि टैरी चारों तरफ आराम से देख सकता था। उसने वहाँ जा कर

पुकारा — "उमर, क्या तुम यहीं कहीं हो? मैं टैरी।" कई तरह के छोटे छोटे जानवर इधर उधर बोल रहे थे।

"कहाँ हो उमर तुम?" तभी उसको पंखों की फड़फड़ाहट और लोहे पर पंजे से खुरचने की आवाज सुनायी पड़ी।

उमर बोला — "मैं यहाँ हूँ इन काँटेदार तारों के पास हमवी[44] में।"

टैरी उसकी आवाज सुन कर खुश हो गया और बोला — "अच्छा हुआ तुम मुझे मिल गये। मुझे तुमसे कुछ बात करनी थी।"

उमर ने पूछा — "तुमने कुछ खाया? क्या तुम चाउ लाइन में गये जिसके बारे में तुम मुझसे बात कर रहे थे?"

"नहीं उमर, अभी मैंने नाश्ता भी नहीं किया है लेकिन मेरी कमीज की जेब में एक कैन्डी बार है। क्या तुम कैन्डी बार खाते हो?"

"हाँ। मैं सब कुछ खाता हूँ जो कुछ भी मुझे मिल जाता है पर मुझे माँस और मछली ज़्यादा अच्छी लगती है। हम रैवन ज़्यादातर दोनों ही चीज़ें खाते हैं।

कभी कभी हम छोटे छोटे जानवर पकड़ लेते हैं या फिर सड़क पर पड़े मरे हुए जानवर खा लेते हैं। पर आज अभी तक मैं खाना ढूँढने के लिये बाहर निकला ही नहीं हूँ।"

---

[44] Humvee is a kind of an automotive vehicle used in military.

टैरी ने कैन्डी बार हमवी की छत पर उछाल कर उसे देते हुए कहा — “यह रही कैन्डी बार अगर तुम खाना चाहो तो।”

उमर ने उसे लपकने के लिये बढ़ते हुए कहा — “तुम मेरे लिये इसको खोल सकते थे।”

टैरी बोला — “सौरी, लाओ मैं इसको खोल देता हूँ।”

टैरी ने फिर उसको अपनी उन तीन अफसरों से मीटिंग के बारे मे बताया। फिर वह जल्दी से बोला — “मैं उनको तुम्हें तुम्हारी इन खास योग्यताओं को इस्तेमाल करने के लिये पकड़ने नहीं दूँगा। मैं तुम्हारी अपने एक दोस्त की तरह बहुत इज़्ज़त करता हूँ – एक ऐसा दोस्त जिसने सड़क पर कल मेरी जान बचायी।”

उमर ने कैन्डी में चोंच मारते हुए कहा — “यह तो बड़ी अच्छी चीज़ है। मैं इसके ऊपर लिपटे हुए कागज को पढ़ कर यह अच्छी तरह कह सकता हूँ कि इसका नाम बेबी रुथ[45] है। मैंने इस तरह के खाने के बारे में पहले कभी नहीं सुना।”

टैरी बोला — “सुनो उमर, मुझे अभी सुबह ग्रीन ज़ोन जाना है रोज की डाक लेने। क्या तुम मेरे साथ वहाँ तक चलोगे?”

उमर बोला — “यकीनन टैरी, मैं तुम्हारे साथ जरूर चलूँगा। मैं बहुत अच्छी तरह से देख सकता हूँ। और जब तुमने मुझसे कहा है तो मैं तुम्हारे साथ चल कर बहुत खुश होऊँगा। पर मेरी एक छोटी सी प्रार्थना है।”

---

[45] Baby Ruth – America’s very famous chocolate bar brand

“वह क्या?”

उमर बोला — “क्या मैं कुछ देर के लिये तुम्हारे ट्रक में सवारी कर सकता हूॅ? मैं जब इस हमवी में बैठता हूॅ और सोता हूॅ तो मुझे बड़ा अच्छा लगता है। मुझे लगता है जैसे मैं यह गाड़ी चला रहा हूॅ। इसमें सफर करना हर समय पंख फड़फड़ाने से कहीं ज़्यादा आसान होगा।”

टैरी हॅसा और बोला — “यकीनन, तुम मेरे साथ ट्रक में आगे बैठ सकते हो पर अगर तुम ट्रक की छत पर बैठो तो वह तुम्हारे लिये ज़्यादा आसान रहेगा।

तुम अपने पंजे ट्रक के पीछे लगे कैनवास में फॅसा लेना और उसको कस कर पकड़े रहना और मैं गाड़ी चलाता रहूॅगा। इससे तुमको आगे देखने और उड़ने बैठने में आसानी रहेगी। तुम क्या सोचते हो?”

उमर बोला — “वह सब तो ठीक है पर मैं कुछ देर गाड़ी के अन्दर बैठना चाहता हूॅ।”

टैरी ने कहा — “ठीक है। यह सब मैं तुमको इस हवाई अड्डे के घेरे के भीतर भीतर करा दूॅगा क्योंकि यहॉ हमें कोई खतरा नहीं है। और यहॉ तुमको बाहर के खतरों को भी नहीं देखना है।”

“क्या तुम अपना वह चमकीला हरा स्कार्फ फिर से अपने दरवाजे के हैन्डिल में बॉधोगे?”

"हॉ, वह तो मैं बड़ी ख़ुशी से करूँगा। मैं यहॉ से साढ़े आठ बजे चलूँगा सो उस समय पर तुम मुझे यहीं देखना और तब मैं तुमको तब तक ट्रक के अन्दर बिठा कर सवारी खिलाऊँगा जब तक हम इस हवाई अड्डे का तारों से घिरा यह घेरा नहीं छोड़ देते।

ठीक है, अभी मैं चाउ लाइन में जा रहा हूँ। मैं तुमसे बाद में आ कर मिलता हूँ – बाई।" और टैरी चला गया।

XXXXXXX

जब टैरी ने आ कर ट्रक का दरवाजा खोला तो उमर उसका इन्तजार ही कर रहा था। टैरी ने सवारी बैठने वाली तरफ की खिड़की खुली छोड़ रखी थी सो उमर कूद कर उसके स्टीयरिंग व्हील पर आ कर बैठ गया।

टैरी हॅस कर बोला — "मेरे दोस्त, तुम यहॉ नहीं बैठ सकते। यहॉ से तो मैं यह ट्रक चलाऊँगा। ऐसा करो तुम मेरी बराबर वाली सीट के तकिये के ऊपर बैठ जाओ। वहॉ बैठ कर तुम यह भी देख सकोगे कि हम कहॉ जा रहे हैं।"

सो इस तरह से उमर ने अपनी सवारी शुरू की। टैरी जिस तरह से गाड़ी चला रहा था उसे देख कर उमर बहुत ख़ुश हो रहा था। टैरी जिस तरह से स्टीयरिंग व्हील चला रहा था वह सब देख कर उसको बहुत अच्छा लग रहा था।

जब वे ग्रीन ज़ोन जाने के लिये हवाई अड्डे के कॉटे के तार के घेरे वाले गेट पर पहुँचे तो एक दरबान ने एक बड़े काले रैवन को ड्राइवर के पास बैठे देखा। टैरी ने दरबान को बाई करने के लिये हाथ हिलाया और गेट से बाहर निकला।

उसके बाहर निकलते ही उस दरबान को ख्याल आया कि शायद यही वह रैवन था जिसके बारे में लोग बात कर रहे थे। पर उस डाक वाली गाड़ी को रोकने के लिये तो अब बहुत देर हो चुकी थी। वह तो कब की वहाँ से जा चुकी थी।

उस दरबान ने यह भी देखा कि गेट के बाहर जाते ही वह रैवन बाहर की तरफ उड़ा और उड़ कर ट्रक के ऊपर कैनवास के ऊपर आ कर बैठ गया। किसी तरह वह तेज़ चलते हुए ट्रक पर सँभल कर बैठ पाया।

जब टैरी ग्रीन ज़ोन में अपनी डाक इकट्ठी करने वाली जगह आया तो उमर उस ट्रक के ऊपर कहीं नहीं था। वह सिक्योरिटी की जगह के बाहर बिजली के खम्भे के ऊपर बैठा हुआ था और टैरी के लौटने का इन्तजार कर रहा था।

जब टैरी वहाँ से अपनी डाक ले कर अपने ट्रक में पीछे की तरफ रख रहा था तो उसको यह देख कर आश्चर्य हुआ कि एक ईराकी शहरी[46] ने उससे कहा कि एक बहुत ही खास आदमी उसके ट्रक में बैठ कर हवाई अड्डे तक जायेगा।

---

[46] Iraqi civilian

टैरी बोला — “जी जनाब। मेरे पास केवल एक सवारी की जगह है, कौन है वह?”

“बहुत ही खास आदमी है वह – गवर्नमेन्ट का फाइनेन्स मिनिस्टर। हम उसे तुम्हारे साथ इसलिये भेज रहे हैं क्योंकि अगर वह अपनी लिमूज़ीन में जायेगा तो दुश्मन उसकी हत्या की कोशिश कर सकता है।

हम तुम्हारे ट्रक के आगे आगे उसकी लिमूज़ीन गाड़ी भेजेंगे जब कि वह मिनिस्टर खुद तुम्हारे ट्रक में तुम्हारे साथ जायेगा। इस तरह दुश्मन को बिल्कुल भी शक नहीं होगा कि इतनी खास सवारी एक ट्रक में जा सकती है। मैंने तुम्हारे हैडक्वार्टर से इस बारे में बात कर ली है।”

टैरी बोला — “यह सब तो ठीक है जनाब, पर मेरी एक सलाह है। ज़्यादा अच्छा होगा अगर मिनिस्टर साहब की लिमूज़ीन गाड़ी मेरे ट्रक के आगे चलने की बजाय मेरे ट्रक के पीछे चले। मैं इस बात को आपको ज़्यादा अच्छी तरह नहीं समझा सकता पर मेरे पीछे आने में वह ज़्यादा हिफाजत से रहेंगे।”

वह आदमी बोला — “ठीक है जैसा तुम ठीक समझो।” वह आदमी उसकी बात मान गया क्योंकि उसके पास यह जानने का कोई तरीका नहीं था कि उमर उसके आगे उसको किसी भी खतरे से बचाने के लिये उड़ रहा होगा।

जल्दी ही बहुत अच्छे कपड़े पहने सब आदमियों से अलग दिखायी देने वाला एक आदमी वहाँ आ पहुँचा और टैरी के ट्रक में आ कर बैठ गया।

उस शहरी आदमी ने उस मिनिस्टर के लिये टैरी के ट्रक का दरवाजा खोला। सो उसने जब दरवाजे के हैन्डिल पर टैरी का हरा स्कार्फ बँधा देखा तो उससे पूछा कि क्या वह उस चिथड़े को उसमें से खोल कर बाहर फेंक दे।

टैरी बोला — "नहीं सर, इसको मत खोलिये। इसको ऐसे ही रहने दीजिये। यह मेरा लकी स्कार्फ है। जब भी मैं डाक लेने आता हूँ इसको मैं अपने ट्रक में हमेशा लटकाये रखता हूँ। इसको वहीं रहने दें।"

यह सुन कर मिनिस्टर को भी इस बारे में थोड़ी सी उत्सुकता हुई पर उसने कुछ कहा नहीं सिवाय इसके कि वह हवाई अड्डा जाने की जल्दी में था।

जल्दी ही टैरी ग्रीन ज़ोन की सिक्योरिटी पार करके हवाई अड्डे की तरफ जाने वाली सड़क पर जाने की तरफ बढ़ा जिस पर वह सैंकड़ों बार जा चुका था।

जल्दी ही टैरी ने उमर को भी अपनी गाड़ी के सामने उड़ते देख लिया था जिसे देख कर उसको बहुत सन्तोष हुआ। काली लिमूज़ीन टैरी के ट्रक के करीब पचास गज पीछे आ रही थी।

टैरी अभी ग्रीन ज़ोन की सिक्योरिटी से करीब तीन मील ही गया होगा कि टैरी ने देखा कि उमर उसके आगे सड़क की दीवार के ऊपर दॉयी तरफ को चक्कर काट रहा था। इसका मतलब था कि दुश्मन उधर ही कहीं दॉयी तरफ की झाड़ियों में छिपा हुआ था।

यह देख कर टैरी ने ट्रक के ऐक्सेलिरेटर को अपने पूरे ज़ोर से दबाया और मिनिस्टर को नीचे झुक जाने को बोला ताकि वह बाहर से किसी को दिखायी न दे सके।

मिनिस्टर ने पूछा — "तुम मुझे ऐसा करने के लिये क्यों कह रहे हो ड्राइवर? ट्रक का फर्श तो धूल से भरा है और बहुत ही गन्दा है।"

"धूल को भूल जाइये जनाब। आगे कुछ हमला करने वाले हो सकते हैं। बस आप बैठ जाइये अभी अभी।"

हालॉकि मिनिस्टर को इस बात का पता नहीं था कि उसके ड्राइवर को इस बात का ठीक से पता कैसे था कि कि आगे कोई दुश्मन है कि नहीं फिर भी ड्राइवर का कहना मानते हुए वह नीचे बैठ गया ताकि वह बाहर से किसी को दिखायी न दे सके।

टैरी अब साठ मील की रफ्तार से ट्रक चला रहा था। उसका ट्रक कहीं कहीं टूटी हुई सड़क के किनारों पर उछल जाता था।

लिमूज़ीन ने भी ट्रक की बढ़ी हुई रफ्तार देख कर अपनी रफ्तार बढ़ा दी थी पर वह ट्रक से अभी भी करीब चार सौ गज पीछे थी। जैसे ही वह लिमूज़ीन उस दीवार वाली जगह पर पहुँची जो उमर

बता रहा था एक ग्रेनेड फटा, एक बहुत ज़ोर की आवाज हुई और लिमूज़ीन के टुकड़े टुकड़े हो गये।

टैरी के पैर ने अभी भी ऐक्सेलिरेटर को पूरी तरह दबा रखा था और उसका ट्रक खतरे की जगह से बिना किसी नुकसान के निकल आया। उसने अपना रेडियो उठाया और इस हमले की सूचना दी। उसने मिनिस्टर के बारे में कुछ नहीं कहा जो उसके ट्रक में अभी भी आगे नीचे की तरफ बैठा हुआ था।

फिर उसने मिनिस्टर को ऊपर बैठ जाने के लिये कहा। बहुत ही सँभाल के मिनिस्टर नीचे से ऊपर उठ कर अपनी सीट पर बैठ गया और टैरी से पूछा — "तुमको कैसे पता था कि पीछे उस जगह पर दुश्मन हमला करने वाले थे?"

टैरी बोला — "मैं सिर्फ इतना कह सकता हूँ कि एक छोटी चिड़िया ने मुझे यह बताया और इसी लिये वह एक बड़ी चिड़िया है। आप ठीक तो हैं न मिनिस्टर साहब?"

मिनिस्टर बोला — "हाँ मैं ठीक हूँ। पर क्या तुम्हें यकीन है कि वह तुम्हारा यह लकी स्कार्फ नहीं था जो तुमने अपनी गाड़ी के दरवाजे के हैन्डिल में बाँध रखा है? जिसने तुम्हारी और मेरी दोनों की जान बचायी?"

टैरी ने धीमी आवाज में जवाब दिया — "हो सकता है।"

टैरी ने मिनिस्टर को जहाँ सवारियाँ उतरती हैं वहाँ उतार दिया और डाक वहाँ ले गया जहाँ वह डाक देता था। वहाँ उसके लिये एक सन्देश था कि वह तुरन्त बटालियन के हैडक्वार्टर जाये और इन्टैलीजैन्स के दफ्तर में कर्नल ऐडम्स[47] से मिले।

इस सन्देश से टैरी बहुत परेशान हो गया और इसने उसको चिन्ता में डाल दिया क्योंकि इस सन्देश का मतलब था कि उसको यकीनन अपने दोस्त रैवन को वहाँ किसी तरह की जाँच के लिये लाना पड़ेगा और वे लोग उसको कुछ भी करने को कह सकते थे। और वह यह सब बिल्कुल नहीं चाहता था।

टैरी ने अपना ट्रक जहाँ से वह ट्रक लेता था वहाँ लौटाया लेकिन कर्नल ऐडम्स के दफ्तर की तरफ जाने से पहले वह उस हमवी की तरफ गया जहाँ रैवन रहता था। सूरज आसमान में ऊपर तक चढ़ आया था। गरमी बहुत हो गयी थी।

वह हमवी के पास पहुँचा और वहाँ जा कर उसने रैवन को आवाज दी "उमर, उमर", पर उसके पंखों वाले दोस्त का कोई पता नहीं था। केवल उमर ही नहीं बल्कि उस दोपहर की भरी गरमी में वहाँ किसी भी जानदार जीव का कोई नामो निशान नहीं था।

बेमन से वह अपनी बैरक में चला आया। उसने सोचा कि वह कर्नल से साफ कपड़े पहन कर मिलेगा।

XXXXXXX

---

[47] Colonel Addams

टैरी ने अपने कपड़े बदलने के बाद अपना एक दस च्यूइंग गम का एक पैकेट जो एक एम पी **3** प्लेयर के साइज़ का था अपनी जेब में रखा। उसमें आवाज़ रिकौर्ड करने वाला भी लगा हुआ था।

वह आशा करता था कि अगर वह उमर से फिर कभी मिला तो अबकी बार वह उससे उसकी आवाज जरूर रिकौर्ड कर लेगा। वह केवल आशा ही करता था उसे यकीन नहीं था।

जैसे ही वह अपने बैरक से निकल कर कोने पर पहुँचा उसने रैवन का एक जोड़ा एक बिजली के उसी खम्भे पर बैठा देखा जहाँ उसने उमर को कई दिन पहले पहली बार देखा था। तभी उसने उमर को अपना नाम पुकारते सुना।

क्योंकि दूर से दोनों रैवन एक से दिखायी देते थे वह यह नहीं पहचान पाया कि उनमें से उमर कौन सा था। तभी उनमें से एक पक्षी उड़ा और एक बिल्डिंग के साये में बाहर पड़ी एक कुरसी पर आ कर बैठ गया जहाँ टैरी अक्सर बैठ कर किताब पढ़ता था।

टैरी ने तुरन्त अपना रिकार्डर शुरू कर दिया और पुकारा — "उमर क्या यह तुम हो?"

"हाँ यह मैं ही हूँ। यह बड़ा बुरा हुआ कि वह लिमूज़ीन बम से उड़ गयी।"

"हाँ यह तो है। मुझे लगता नहीं कि लिमूज़ीन का ड्राइवर बचा होगा। दुश्मन के बारे में खबर देने के लिये मैं एक बार फिर से तुम्हारा बहुत आभारी हूँ।

तुमने फिर एक बार फिर मेरी जान बचायी उमर, इसके लिये तुम्हें बहुत बहुत धन्यवाद। पर क्या तुमको मालूम है कि तुमने मेरी ही नहीं बल्कि एक खास आदमी की भी जान बचायी जो मेरे ट्रक में बैठा हुआ था?"

उमर बोला — "नहीं, यह मुझे नहीं पता। मैंने एक आदमी को तुम्हारे साथ बैठे हुए देखा तो था पर मैं यह नहीं जान सकता था कि वह कोई बड़ा खास आदमी था।"

टैरी बोला — "मुझे तुमसे कुछ बात करनी है उमर। मुझे ऊपर से हुकुम हुआ है कि मैं इन्टैलीजैन्स के दफ्तर के किसी कर्नल से बात करूँ। मुझे यकीन है कि यह बात तुम्हारे बारे में ही होगी और मुझे यह भी यकीन है कि वे लोग तुमको इस्तेमाल करना चाहते हैं।"

उमर बोला — "टैरी, तुम ज़्यादा चिन्ता मत करो। मैं तो अब ईराक छोड़ कर मिश्र जाने वाला हूँ। अब यहाँ बहुत गरम हो रहा है। मेरे दोस्त, वह जो उस बिजली के खम्भे पर दूसरा रैवन बैठा है न, मैं और वह हम दोनों ही अब मिश्र जाने वाले हैं इसी लिये मैं तुमसे विदा लेने आया था। अब हम दोबारा नहीं मिल पायेंगे।"

टैरी बोला — "शायद यह हम दोनों के अच्छे के लिये ही है। मैं भी यह जगह छोड़ कर जाने वाला हूँ अगले बुधवार को। यहाँ

के टूर के जो मेरे ये आखिरी दिन हैं वे मैं कुवैत में बिताऊँगा। तुमको मालूम है कि कुवैत कहाँ है?"

उमर बोला — "हाँ मुझे अच्छी तरह मालूम है। वह यहाँ से पाँच सौ मील दक्षिण में है। मैं कभी कभी यहाँ से वहाँ और वहाँ से यहाँ आता जाता रहता हूँ। क्योंकि वहाँ पानी भी बहुत है और खाना भी। मैं वहाँ नदी के सहारे सहारे जाता हूँ।"

टैरी कुछ दुखी हो कर बोला — "तुम्हारी यात्रा ठीक रहे मेरे दोस्त। मैं तुम्हें हमेशा याद रखूँगा।"

और रैवन उड़ गया। टैरी उन दोनों रैवनों को दक्षिण की तरफ उड़ते हुए जाते देखता रहा। धीरे धीरे वे दोनों एक धब्बा बन गये और फिर गायब हो गये।

टैरी अपनी बैरक की तरफ लौट आया। उसने यह सोच कर अपना रिकार्डर बन्द कर दिया कि वह अब अपने दोस्त की ज़िन्दा आवाज नहीं सुन पायेगा।

उसने अपने कपड़े बदले और बटालियन के हैडक्वार्टर और कर्नल ऐडम्स के दफ्तर की तरफ चल दिया। जल्दी ही वह कर्नल के दफ्तर पहुँच गया जिसने उससे बोलते हुए रैवन के बारे में सवाल करने शुरू कर दिये।

बहुत सारे सवालों के बाद ही टैरी उसको यह समझा सका कि वह रैवन यह जगह छोड़ कर चला गया है और अब काफी दिनों

तक वह यहाँ नहीं आयेगा – कम से कम वह तब तक यहाँ नहीं आयेगा जब तक यह गरमी का मौसम खत्म नहीं हो जायेगा।

कर्नल इस सबसे बिल्कुल भी खुश नहीं था। लेकिन आखीर में टैरी ने उसको यह भी समझाया दिया कि उसकी और रैवन की जान पहचान का जो फायदा था वह अब हमेशा के लिये खत्म हो गया है।

आखिर कर्नल बोला — "कौरपोरल किंग, हमको तुम्हारे चिड़े दोस्त का धन्यवाद करना चाहिये कि उसने तुम्हारी दो बार जान बचायी और फाइनैन्स मिनिस्टर की भी। तुम जा सकते हो, गुड लक।"

टैरी की साँस में साँस आयी। उमर के आ जाने से जो उलझन पैदा हो गयी थी वह अब उसके चले जाने से दूर हो गयी।

वहाँ से वह अपनी यूनिट के दफ्तर की तरफ यह देखने के लिये चल दिया कि उसके कुवैत जाने की कागजी कार्यवाही पूरी हो गयी है या नहीं। टैरी को देख कर दफ्तर के क्लर्क ने उसको उसके कुवैत जाने के कागज थमा दिये।

उसने कहा कि टैरी को उसी बुधवार को सात बजे की सी–17 की फ्लाइट से जाना है इसलिये उसको बेस औपरेशन्स में कम से कम आधा घंटे पहले आ जाना चाहिये।

जैसे ही टैरी वहाँ से जाने वाला था कि उसका कैप्टेन वहाँ आ गया और बोला — "जब मैं ग्रीन ज़ोन से वापस आ रहा था तो मैंने

तुम्हारी रेडियो कौल सुनी थी। क्या इस बार भी उस चिड़िया ने तुम्हें बचाया?"

"जी हॉ जनाब। उसी ने मुझे उस ग्रेनेड के बारे में पहले से बता दिया था।"

कैप्टेन बोला — "फाइनैन्स मिनिस्टर ने इसके बारे में सब लोगों को बताया। उसके ऊपर तुम्हारे उस हरे स्कार्फ का बहुत असर पड़ा जो तुम्हारा लकी स्कार्फ था। उन्होंने तुम्हारे लिये यह भी कहा है कि तुमको उनकी जान बचाने के लिये कुछ दिया जाना चाहिये।"

टैरी ने कहा — "इसकी कोई जरूरत नहीं हैं क्योंकि हीरो तो उमर था, मेरा आश्चर्यजनक दोस्त रैवन। मुझे तो बस यही खुशी है कि मैं यहॉ से ज़िन्दा और स्वस्थ वापस जा रहा हूॅ। मेरे लिये इतना ही बहुत है।"

कैप्टेन बोला — "अगर तुम्हारे कुवैत जाने से पहले मैं तुम्हें फिर न मिल सकूॅ तो मेरी तरफ से तुमको गुड लक और शुभ यात्रा। तुमको यहॉ से निकलने का अच्छा मौका मिल गया और अब तुमको ग्रीन ज़ोन में इधर उधर भागना नहीं पड़ेगा।"

टैरी ने भी कैप्टेन को धन्यवाद दिया और अपनी बैरक में वापस आ गया। बुधवार को टैरी अपना सामान ले कर कुवैत जाने के लिये जहाज़ के दफ्तर गया। जब तक सी–**17** में सामान लादा गया तब तक टैरी वहॉ इन्तजार करता रहा।

सामान लदवाने वाला लड़ाई में टूटी हुई तीन हमवी को अपनी निगरानी में जहाज़ में लदती हुई देख रहा था। जल्दी ही सामान चढ़ा दिया गया और सवारियों को बैठने को कहा गया।

सामान लदवाने वाले ने जाने वाली सवारियों को कुछ बताया और लदा हुआ सामान एक बार फिर से देखा ताकि वह सामान ठीक से बगदाद से कुवैत के पश्चिम में उतार दिया जाये।

जल्दी ही सामान रखने के बड़े बड़े दरवाजे बन्द कर दिये गये। जहाज के ऐन्जिन का पंखा बहुत ज़ोर से घूमा और पन्द्रह मिनट के अन्दर अन्दर वे आसमान में ऊपर उड़ रहे थे।

XXXXXXX

जब सामान लादने वालों ने सवारियों से कहा कि वे अब सामान वाली जगह में घूम सकते थे तो टैरी उन तीन टूटी हुई हमवी देखने चला गया जो जहाज़ में बड़ी कस कर बॅधी हुई थीं।

उसने पहले चारों तरफ देखा फिर उन हमवी में झॉका। उसको बताया गया था कि पहले वे हमवी रिपेयर के लिये ले जाने वाली थीं और उसके बाद वे बगदाद भेजी जाने वालीं थीं।

जब टैरी बीच में रखी हमवी में झॉक रहा था तो उसमें उसको कुछ दिखायी दिया जिसने उसका ध्यान तुरन्त ही अपनी तरफ खींच लिया। वह था एक काला पंख, काले रैवन का काला पंख।

उसने सोचा — “अरे क्या यही वह गाड़ी है जिसमें उमर रात को सोता था।” और यह बात उसके मुँह से ज़ोर से निकल गयी।

उसके बाद उसको फिर कुछ और दिखायी दे गया जो साफ तौर पर बताता था कि यह वही हमवी थी जिसे उमर अपने रहने के लिये इस्तेमाल करता था।

वह था “बेबी रुथ” कैन्डी बार का कागज। टैरी के मुँह से निकला — “ओह मेरे भगवान, कितने आश्चर्य की बात है।”

टैरी को भी कुवैत में वहीं जाना था जहाँ ये गाड़ियाँ रिपेयर होने के लिये जा रहीं थीं। वह वहाँ का ड्राइवर हो कर जा रहा था। उसका काम उन गाड़ियों को ईराक भेजने से पहले टैस्ट करना था जो वहाँ से रिपेयर हो कर निकलती थीं।

यह आसान सा काम था और खतरे वाला भी नहीं था जैसा उसके पास ग्रीन ज़ोन वाला काम था – डाक इधर से उधर ले जाने वाला। पर वह तो अब अपने इस काम को खत्म करने के बाद कुछ हफ्तों में यू ऐस ए आने की सोच रहा था।

एक दिन घर लौटने के केवल एक हफ्ता पहले उसको एक हमवी टैस्ट करने के लिये दी गयी। उसको अभी अभी रिपेयर किया गया था और अब रिपेयर के बाद उसको बगदाद भेजा जाने वाला था।

टैरी ने उस लिस्ट को देखा जो उसे उस हमवी में चैक करनी थीं। यह उस हमवी की आखिरी चैकिंग थी और इस चैकिंग के

बाद उसको एक दूसरे सी–**17** में रख कर बगदाद भेज दिया जाने वाला था।

इस हमवी में आश्चर्य की बात यह थी कि टैरी ने इसी गाड़ी में ड्राइवर की सीट के नीचे "बेबी रुथ" कैन्डी बार का एक कागज देखा था।

पहले तो उसको इसी बात पर विश्वास नहीं हुआ कि रिपेयर करने वालों ने वह कागज वहाँ छोड़ कैसे दिया। क्योंकि उस हमवी को देखने से यह पता चलता था कि उसमें सभी हिस्सों पर दोबारा काम किया गया था और फिर भी वह कागज वहाँ पड़ा रह गया।

उस कागज को देख कर उसके चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कुराहट दौड़ गयी।

वह उस गाड़ी को टैस्ट करने वाली सड़क पर ले गया। यह टैस्ट वाली सड़क हवाई अड्डे को चारों तरफ गोल गोल बनी हुई थी।

टैरी ने गाड़ी चलायी और लिस्ट में लिखी हुई सब चीज़ें चैक कीं। गाड़ी चलाते समय उसने अपने एम पी **3** पर रिकौर्ड किये गये कुछ गाने भी सुने।

उसे वापस ला कर दफ्तर में उसने उस गाड़ी के ठीक होने का फार्म भरा और ला कर उसे उस जगह पार्क कर दी जहाँ से गाड़ियाँ ईराक को भेजी जाने वाली थीं।

जैसे ही वह फार्म ले कर उसको देने वाले दफ्तर में जाने के लिये बाहर निकला, उसे एक आवाज सुनायी दी — "हैलो टैरी, कितना अच्छा है कि यहॉ तुमसे मुलाकात हो गयी। क्या यही वह हमवी है जिसमें मैं रात को बगदाद में सोया था?"

टैरी ने तुरन्त ही अपने दोस्त की आवाज पहचान ली। उसने अपना टेप रिकार्डर आन कर लिया और बोला — "क्या यह तुम हो उमर?"

उमर बोला — "हॉ यह मैं ही हूॅ टैरी।"

टैरी ने कहा — "तुम्हें यहॉ देख कर बहुत खुशी हुई उमर। तुम यहॉ कुवैत में कब से हो?"

उमर ने जवाब दिया — "बहुत दिनों से नहीं। मैं और मेरे साथी आराम से यहॉ दजला नदी के पास आये और कुछ दिन वहॉ ठहरे जहॉ फरात नदी दजला नदी[48] से मिलती है। वहॉ भी गरम था पर वहॉ कम से कम पानी था और हमको वहॉ की दलदल और झीलों में काफी खाना मिल गया।"

आश्चर्यचकित टैरी ने उससे पूछा — "तुम यहॉ कितने दिन रुकोगे?"

उमर बोला — "ज़्यादा दिन नहीं। यहॉ तो बगदाद से भी ज़्यादा गरम है। कल सूरज निकलने से पहले ही हम पश्चिम में मिश्र

---

[48] Translated for the two rivers of Iraq – "Euphrates and Tigris"

की तरफ चल देंगे। मगर मैं यह सोच कर यहाँ रुक गया कि शायद मेरी यहाँ तुमसे मुलाकात हो जाये।"

टैरी खुश हो कर तुरन्त बोला — "यह तुमने बहुत अच्छा किया उमर, और मुझे खुशी है कि तुम यहाँ तक ठीक से पहुँच गये।"

उमर बोला — "हम यहाँ ऐसे ही नहीं पहुँच सकते थे।"

"क्यों क्या हुआ?"

उमर ने बताया — "जब हम ईराक के दक्षिणी हिस्से में बसरा के ऊपर से उड़ रहे थे तब वहाँ नीचे कुछ लोग खुशियाँ मना रहे थे। बहुत सारे लोग अपनी अपनी बन्दूकों से आसमान में इधर उधर गोलियाँ चला रहे थे। मैं बस उन गोलियों से बाल बाल ही बचा। मेरा एक साथी तो बेचारा मर ही गया।

वे लोग कितने बेवकूफ थे जो इस तरह से गोलियाँ चला रहे थे। उनमें से कुछ की गोलियाँ तो वापस सड़कों पर गिर कर उन पर चलते आदमियों को भी लग गयीं। उनमें से कुछ शायद मर भी गये हों।"

टैरी बोला — "यह बहुत बुरा हुआ। मुझे खुशी है कि तुम सही सलामत हो। क्या तुम्हारे मिश्र के रास्ते में और भी कुछ हुआ?"

"नहीं। बस सऊदी अरेबिया में हम लोगों को थोड़ी खाने पीने की परेशानी हुई। दो खाने की जगहों के बीच बहुत लम्बे लम्बे रेत

के मैदान थे। अब हम लोग मिश्र आराम से जायेंगे और कुछ हफ्तों में पहुँच जायेंगे।"

उमर फिर बोला — "अफसोस, हम तुम्हारे हवाई जहाज़ में नहीं जा सकते वरना हम वहाँ कुछ घंटों में ही पहुँच जाते।"

टैरी ने उसे विश्वास दिलाया — "मुझे यकीन है कि तुम वहाँ ठीक से पहुँच जाओगे। तुम तो पहले भी वहाँ जाते रहे हो। पर तुम्हारे जाने से पहले क्या हम मिलेंगे?"

उमर बोला — "शायद नहीं। कुवैत के ठीक उत्तर में एक जगह है जहाँ हम लोग आराम करते हैं और मछली खाते हैं। वहाँ से जाने से पहले हमको अपना पेट खूब भर कर चलना पड़ता है ताकि हम वह लम्बा रेगिस्तान ठीक से पार कर सकें।"

टैरी बोला — "पर कम से कम मुझे तुमसे एक बार और मिलना है मेरे दोस्त। मेरी इच्छा है कि तुम जैसे मुझसे मिले हो ऐसे ही किसी दूसरे आदमी से भी मिलो और जैसे मुझसे बात करते हो वैसे ही उससे भी बात करो। तुम सचमुच में एक बहुत ही खास रैवन हो।"

उमर ने एक बार फिर टैरी से विदा ली और समुद्र के किनारे की तरफ उड़ चला। अबकी बार टैरी को लगा कि उमर से शायद उसकी यह आखिरी मुलाकात थी। जैसे ही उमर पूर्वीय आसमान की तरफ उड़ा टैरी ने उसको हाथ हिला कर विदा दी।

लेकिन कम से कम अब उसके पास उमर की काफी आवाज रिकौर्ड थी और वह जब चाहे उनको अपने खाली समय में सुन सकता था।

XXXXXXX

एक सुबह टैरी के यू ऐस ए जाने से एक हफ्ता पहले उसके सार्जेन्ट ने उसे गाड़ी देने वाले दफ्तर में बुलाया। टैरी को यह कोई अजीब बात नहीं लगी पर जब वहाँ सार्जेन्ट ने उससे बात करना शुरू किया तो वह आश्चर्य में पड़ गया।

सार्जेन्ट ने शुरू किया — “कौरपोरल किंग, क्या यह सच है कि जब तुम बगदाद में थे तब तुमने सड़कों पर अपने आपको बचाने के लिये किसी रैवन का इस्तेमाल किया? और तुमने सचमुच उस चिड़िया से बात की?”

टैरी बोला — “यह ठीक है सार्जेन्ट। पर यह सब आपको कैसे मालूम हुआ?”

सार्जेन्ट बोला — “यहाँ एक आदमी प्रेस वालों की तरफ से आया हुआ है। वह वहीं से तुम्हारे पीछे लगा है और तुम्हारा इन्टरव्यू लेना चाहता है। वह अभी मेजर के कमरे में बैठा हुआ है। तुम वहाँ अभी चले जाओ।”

टैरी ने पूछा — “सार्जेन्ट क्या मेरा वहाँ जाना जरूरी है? मैं इसके बारे में किसी से कोई बात नहीं करना चाहता। मैं जब यहाँ आया था तो मुझे लगा कि मैं उसे वहीं छोड़ आया हूँ।”

सार्जेन्ट बोला — “तुमको जाना ही पड़ेगा कौरपोरल। मेजर ने तुमको अभी अभी बुलाया है इसलिये तुमको वहाँ जाना ही है।”

टैरी ने मेजर के दफ्तर के पास पहुँच कर अपनी कमीज पैन्ट के अन्दर की, हाथ अपने सिर पर फिरा कर अपने बाल ठीक किये और फिर दफ्तर का दरवाजा खटखटाया — “मैं कौरपोरल किंग जनाब।”

मेजर बोला — “अन्दर आ जाओ कौरपोरल। यह जो आदमी आया है, यानी मार्टिन कोवैक्स[49], यह वर्ल्ड न्यूज़ सर्विस से आया है। यह तुम्हारे बगदाद के बारे में तुमसे कुछ बात करना चाहता है। ऐसा लगता है कि तुम्हारी वहाँ की बातें इसको यहाँ तक ले आयी हैं।”

टैरी बोला — “मुझे प्रेस से कोई बात नहीं करनी मेजर। मुझे जो कुछ कहना था मैंने वहाँ के इन्टैलीजैन्स के दफ्तर को लोगों को बता दिया है। क्या आप मुझे इस इन्टरव्यू का हुकुम दे रहे हैं?”

मेजर बोला — “नहीं कौरपोरल बिल्कुल नहीं। यह तुम्हारे ऊपर है कि तुम प्रेस को इन्टरव्यू दो या न दो।”

---

[49] Martin Covacs from World News Service

तभी कोवैक्स ने अपना हाथ बढ़ाया और टैरी से दोस्ताना अन्दाज़ में बोला — "एक रैवन ने तुम्हारी और एक ईराक के अफसर की ज़िन्दगी ग्रीन ज़ोन से हवाई अड्डे वाली सड़क के किनारे पर के खतरे को तुमको पहले से बता कर बचायी।

इस बात ने तुमको एक हीरो बना दिया और अमेरिका के लोग इसके बारे में जानना चाहते हैं।"

टैरी बाला — "सौरी मिस्टर कोवैक्स, लेकिन मैं हीरो नहीं हूँ। अगर कोई हीरो है तो वह वह चिड़िया है जिसने हमारी जान बचायी, मैं नहीं।

और मुझे बिल्कुल भी पता नहीं है कि वह इस समय कहाँ है। आखिरी बार मैंने उसको तब देखा था जब वह कुछ और रैवन के साथ मिश्र जा रहा था।"

कोवैक्स बोला — "मैं समझ सकता हूँ। तुम बहुत ही भले आदमी हो। पर कम से कम यह तो तुम मुझे बता ही सकते हो कि तुमने उस चिड़िया से वाकई बात की थी या नहीं।

बगदाद में मेरे साथियों ने मुझे बताया कि तुमने वाकई उस चिड़िया से बात की थी। कम से कम यह तो बता दो कि यह सच है कि नहीं।"

टैरी बोला — "हाँ यह सच है कि मैंने उससे बात की थी और उसने मुझसे बात की थी। हमने एक दूसरे को पूरी तरीके से समझ लिया था। पर मैं फिर कहता हूँ कि हीरो उमर है मैं नहीं।"

कोवैक्स ने अपनी नोटबुक में लिखते हुए आश्चर्य से पूछा — “उमर? क्या तुमने उसका नाम उमर बताया?”

“हॉ ठीक। यही नाम बताया मैंने। पर सचमुच में मैं अब उसके बारे में कुछ भी बात करना नहीं चाहता। यह सब अब मैं पीछे छोड़ आया हूँ और बहुत जल्दी इस सबको भूल कर और यहीं छोड़ कर मैं यू ऐस अपने घर चला जाऊँगा।”

मेजर बोला — “क्या तुम इस बारे में यह यकीन के साथ कह सकते हो?”

टैरी बोला — “जी सर। और मैं अब कोई इन्टरव्यू भी देना नहीं चाहता और न ही कुछ कहना चाहता हूँ। क्या मैं जा सकता हूँ?”

मेजर ने अपने कंधे उचकाये, कोवैक्स की तरफ देखा और बोला — “कौरपोरल अब तुमसे कुछ और कहने के लिये तैयार नहीं है मिस्टर कोवैक्स।” टैरी धीरे से दरवाजे की तरफ पीछे हटा, मेजर को सैल्यूट किया और तुरन्त ही दफ्तर छोड़ कर चला गया।

टैरी के जाने के बाद कोवैक्स मेजर से बोला — “मेजर, इस आदमी के पास तो इन्सानों की दुनियाँ की बहुत ही मजेदार कहानी है। क्या तुम इसको मेरे सवालों के जवाब देने के लिये मजबूर नहीं कर सकते?

मुझे किसी तरह का सबूत भी तो चाहिये कि इसने रैवन से सचमुच में बातें कीं। क्योंकि अगर यह कहानी छप गयी तो हमें इसे साबित भी करना पड़ेगा और अगर हम इसको साबित नहीं कर पाये तो हमको बड़ा बुरा लगेगा। मुझे नहीं लगता कि केवल इतनी खबर से ही हम इस कहानी को छाप पायेंगे।"

मेजर बोला — "सौरी मिस्टर कोवैक्स, मैं इसमें तुम्हारी कोई सहायता नहीं कर सकता। मैं उसको कानूनी तरीके से तुमसे बात करने पर मजबूर नहीं कर सकता।"

कोवैक्स ने मेजर को टैरी को वहाँ बुलाने के लिये धन्यवाद दिया और तुरन्त ही उसके दफ्तर से बाहर निकल गया। इससे पहले कि टैरी बहुत दूर निकल जाये वह असल में उसको पकड़ना चाहता था।

कुछ ही दूरी पर एक स्नैक बार[50] के पास उसने टैरी को पकड़ लिया — "रुको कौरपोरल रुको। मैं बस यह जानना चाहता हूँ कि क्या तुम सार्जेन्ट कैमिन्स्की या प्राइवेट लोपेज़ को जानते हो?"

टैरी उसके अपने पीछे पीछे आने से उससे कुछ चिड़ा हुआ सा रुक गया और बोला — "हाँ जानता हूँ। तो क्या?"

कोवैक्स थोड़ा धीरज रख कर बोला — "चलो चल कर एक प्याला कौफी या कोई ठंडा पीते हैं और मैं वायदा करता हूँ कि मैं

---

[50] Snack Bar where one can have some drinks like tea, coffee, cold drinks, cold milk etc and something to eat with them.

तुमको इस बारे में ज्यादा तंग नहीं करूँगा। मगर एक चीज़ है जो तुमको जाननी चाहिये।”

टैरी बोला — “दो शर्तों पर। पहली शर्त यह कि मैं जो कुछ भी तुमसे कहूँ वह कहीं लिखा नहीं जाना चाहिये। मैं कभी भी तुम्हारे किसी भी सवाल का जवाब देने से इनकार कर सकता हूँ।”

कोवैक्स राजी हो गया और वे दोनों उस स्नैक बार में घुस गये। कोवैक्स ने पूछा — “और तुम्हारी दूसरी शर्त?”

टैरी बोला — “और दूसरी शर्त यह कि तुम कोई बात लिखोगे नहीं और हमारी बातें छिपा कर भी रिकौर्ड नहीं करोगे। यह सब पक्का करने के लिये मैं तुम्हारा थैला उस कूड़े के डिब्बे के पास रखवा दूँगा क्योंकि हो सकता है कि उस थैले में तुम्हारे पास रिकौर्ड करने की कोई मशीन हो।”

कोवैक्स ने हारने की शक्ल में अपने दोनों हाथ ऊपर उठा दिये और बोला — “ठीक है ठीक है, जो तुम कहो। आओ थोड़ी देर यहाँ बैठते हैं। मै तुमको बताता हूँ कि मैं क्या जानता हूँ। यह उस सबसे बहुत ज़्यादा है जो मैंने मेजर के सामने कहा था।”

कोवैक्स ने अपना थैला नीचे रख दिया और काउन्टर पर दो ठंडे ड्रिन्क का औौर्डर देने गया। वहाँ से लौटने पर वह बोला — “तुमने कहा कि तुमने कैमिन्स्की और लोपेज़ का नाम सुना है। ठीक?”

टैरी बोला — “मैं उनको बहुत थोड़ा जानता हूँ। वे मेरी गाड़ी की रखवाली कर रहे थे जब मैं यू ऐस ऐम्बैसी से गवर्नमेन्ट की डाक के कुछ थैले लेने गया था। पर मुझे लगता है कि तुमको इस सबके बारे में पता है।”

कोवैक्स बोला — “हॉ कौरपोरल, मुझे पता है। पर क्या तुम्हें यह भी पता है कि उन्होंने तुम्हारे बारे में यह कहा है कि तुम उस एक खास टीम के आदमियों में से एक आदमी थे जो रैवनों को मिलिटरी के लोगों के साथ काम करने के लिये ट्रेन करने के लिये बनायी गयी थी।

उन्होंने ही हमें यह भी बताया कि तुम्हारा वह दोस्त रैवन उसी प्रोजैक्ट का एक हिस्सा था और तुमने उसे दुश्मनों की जगह की खबर देने के लिये ट्रेन किया था।”

टैरी तो यह सुन कर सकते में आ गया। वह आश्चर्य से बोला — “क्या? तुम कही मजाक तो नहीं कर रहे? नहीं नहीं ऐसा नहीं है यह सब बकवास है।”

कौवेक्स बोला — “अच्छा, तो यह बताओ कि ईराक के फाइनैन्स मिनिस्टर ने फिर यह क्यों कहा कि तुमने और रैवन ने ग्रीन ज़ोन से हवाई अड्डे की उस सड़क पर उसकी जान बचायी? उसने तो बल्कि यह भी कहा कि तुमको इसके लिये एक मेडल भी मिलना चाहिये। तुमको मालूम है न?”

टैरी ने पूछा — "तुम कुछ लिख या रिकौर्ड तो नहीं कर रहे हो न?"

कौवेक्स ने टैरी को अपने दोनों हाथ दिखाये और उसको उकसाते हुए बोला — "नहीं, देखो न। मेरे हाथ खाली हैं। मैं कुछ लिख भी नहीं रहा हूँ और तुमने मेरा थैला भी उधर रखवा दिया है। कहो तुम क्या कहना चाहते हो?"

टैरी ने अपने कोला का घूँट पीते हुए कहा — "मैं बताता हूँ तुमको। मैं तुमको अपने और अपने दोस्त उमर रैवन की बातचीत का भी कुछ हिस्सा सुनवाता हूँ। और यही मैं बताना चाहता हूँ।"

कौवेक्स ने आश्चर्य से कहा — "क्या तुमने वाकई उसकी और अपनी बातचीत रिकौर्ड की है? अगर हॉ, तो मैं तो उसको जरूर सुनना चाहूँगा। कहॉ है वह?"

टैरी ने अपनी जेब से अपना एम पी **3** निकाला और बोला — "अगर मैं यह तुमको सुनने दूँगा तो क्या तुम वायदा करते हो कि तुम फिर मुझे तंग नहीं करोगे?"

कोवैक्स ने हॉ में अपना सिर हिलाया।

टैरी ने उस एम पी **3** का कान में लगाने वाला यन्त्र कोवैक्स के कानों में लगा दिया और अपना प्लेयर औन कर दिया। कोवैक्स ने उन दोनों की बातचीत सुनी। सुन कर उसे आश्चर्य तो हो रहा था पर अपने कानों विश्वास नहीं हो रहा था।

कुछ देर बाद टैरी ने अपना एम पी 3 प्लेयर बन्द करके अपनी जेब में रख लिया और बोला — “अब तो तुम मुझ पर विश्वास करते हो न? अभी तुमने जो कुछ सुना वह मेरी उमर के साथ उसके मिश्र जाने से पहले की आखिरी की दो बातचीतें थीं। अब मैं जाऊँ?”

कोवैक्स का दिमाग इस बात पर बहुत तेज़ी से काम कर रहा था कि टैरी से इसके बारे में और जानकारी कैसे हासिल की जाये।

सो वह बोला — “कौरपोरल, तुम जिसको बात करने वाला रैवन कहते थे उसको मैंने सुना और अब मेरे पास अब शक करने की कोई वजह भी नहीं है।

यह सचमुच ही बड़ी आश्चर्यजनक बात है। एक बात करने वाले रैवन की मेरे पास केवल एक ही जानकारी और है और वह है ऐडगर ऐलैन पो[51] के लेखों से।

जहाँ तक मेरा ख्याल है, हालाँकि वह केवल कहानी ही है, कि पो का एक पालतू रैवन था जिस का नाम था ग्रिप[52]। उन दिनों रिकौर्ड करने का कोई तरीका नहीं था न।”

टैरी बोला — “मैंने कभी सुना नहीं। पर तुमको मेरी बात पर ही विश्वास करना पड़ेगा कि जो आवाज अभी तुमने सुनी वह उमर की ही थी।”

---

[51] Edgar Allen Poe and he had a pet Raven whose name was “Grip”

[52] Grip – name of the Raven owned by Edgar Allen Po

और अब टैरी का धीरज खत्म हो रहा था क्योंकि टैरी को लग रहा था कि कोवैक्स उसको छोड़ना नहीं चाह रहा था इसलिये वह उसको कोई न कोई बात बना कर बातों में उलझाये रखना चाह रहा था।

टैरी को याद आया कि उमर ने उससे एक ब्रिटिश औफीसर के बारे में कहा था जिसने उसे बोलना और पढ़ना सिखाया सो इससे पहले कि कोवैक्स उससे कोई सवाल पूछता उसने कोवैक्स से कहा — "ठीक है मैं तुमको और भी कुछ बताऊँगा जो उमर ने मुझे बताया था कि उसने बोलना कैसे सीखा।"

कोवैक्स की फिर से उसकी बातों को जानने की इच्छा हो गयी तो वह और आगे की तरफ झुक गया। टैरी उसको एक बहुत ही अलग किस्म की अजीब सी बात बताने जा रहा था।

उसको इसी बात का अफसोस था कि उसके पास लिखने या रिकौर्ड करने की कोई चीज़ नहीं थी। कोवैक्स ने कहा — "बताओ टैरी मुझे उमर के बारे में कुछ और बताओ।"

टैरी बोला — "उमर ने एक बार मुझे बताया कि बरसों पहले मिश्र में एक सीक्रेट ब्रिटिश प्रोजैक्ट थी। यह तब की बात है जब स्वेज़ नहर बनने की बात चल रही थी।

ब्रिटिश लोगों ने कई रैवन पकड़े और उनको ब्रिटिश आर्मी के लिये कई काम करने की ट्रेनिंग दी। उन रैवनों में एक उमर भी

था। इस प्रोजैक्ट में आखिरी रैवन उमर ही था और वह सबसे अच्छा काम करता था।

एक दिन इन रैवन की देखभाल करने वाले की गलती से पिंजरे का दरवाजा खुला रह गया और यह उमर रैवन वहाँ से भाग गया पर वह इंगलिश बोलना और पढ़ना नहीं भूला। उसने कोई और दूसरी भाषा भी नहीं सीखी थी।"

यह सुन कर कोवैक्स का मुँह तो खुला का खुला ही रह गया। उसने टैरी की बातों पर विश्वास किया और इसके बारे में उसने और जानकारी हासिल करने का विचार किया।

टैरी रिपोर्टर के चेहरे की हालत देख कर उस समय यह बता सकता था कि रिपोर्टर इन सब बातों को मछली के काँटे की तरह निगल रहा था। वह हँसना या मुस्कुराना चाहता था पर किसी तरह अपने आपको रोके हुए था।

टैरी अपनी बात जारी रखते हुए आगे बोला — "तो मिस्टर कोवैक्स यह है सारी कहानी। और अब उमर चला गया है। अब वह ब्रिटेन या अमेरिका वालों के इस्तेमाल होने से दूर है। और इसी लिये मैं उसके बारे में तुम्हें बताना नहीं चाह रहा था पर तुम अपना वायदा याद रखना कि यह सब कहीं रिकौर्ड न हो।"

"हाँ बिल्कुल बिल्कुल, यह रिकौर्ड में नहीं है। यही मैंने कहा भी था और देखो मैंने इसे कहीं लिखा भी नहीं है। पर तुमको यह

मानना पड़ेगा कि वाकई यह एक अजीब कहानी है।” कोवैक्स बोला।

टैरी उठते हुए कोवैक्स को याद दिलाते हुए बोला — “पर यह भी याद रखना कि यह कहानी मेरी नहीं है उमर की है और वही इस कहानी का सच्चा हीरो भी है।”

कोवैक्स वहीं स्नैक बार की कुरसी पर बैठा रहा और टैरी अपने दफ्तर चला गया। टैरी जानता था कि कोवैक्स इस कहानी को बाहर नहीं जाने देगा।

XXXXXXX

एक हफ्ते के अन्दर ही टैरी रैमस्टीन, जर्मनी[53], से होता हुआ अपने घर वापस जा रहा था। उसको मिडिल ईस्ट में रह कर जहाँ बहुत धूल थी, बहुत गर्मी थी और हमेशा खतरा था अजीब सा महसूस हो रहा था।

जब उसका हवाई जहाज सुबह को रैमस्टीन के ऐयर बेस के हवाई अड्डे पर उतरा तो टैरी और उसके साथ की सवारियों को मिलिटरी सवारियों वाले टरमिनल की तरफ जाने को कहा गया।

वहाँ वह अपने पैसे डालर में बदल सकता था, कैफेटेरिया में सुबह के नाश्ते के लिये रुक सकता था और शाम की फ्लाइट के

---

[53] Ramstein a place in Germany

लिये इन्तजार कर सकता था जो उन लोगों को अंध महासागर के पार उनकी अलग अलग जगहों को ले जातीं।

वहॉ टैरी ने एक दो पेपरबैक किताबें खरीदीं। दो बजे के करीब फिर से दर्जनों सिपाही लोग अपने अपने घर जाने के लिये हवाई जहाज में चढ़ने लगे।

जिन लोगों को न्यू जरसी की मैकग्वायर ऐयर बेस[54] के हवाई अड्डे पर उतरना था उनका सफर आठ घंटे का था। टैरी ने बजाय पढने के सोना ज़्यादा ठीक समझा और वह काफी देर तक सोता भी रहा सिवाय खाना खाने के जो कि उसका दूसरा नाश्ता था।

मैकग्वायर ऐयर बेस पर उतरने पर वे एक बार फिर मिलिटरी सवारियों वाले टरमिनल की तरफ चले। वहॉ वे लोग अपने अपने घर जाने के लिये फ्लाइट का इन्तजाम कर सकते थे।

टैरी ने सोचा कि वहॉ उतरने के बाद वह मामूली शहरी हो जायेगा पर आर्मी ने तो उसके लिये कुछ और ही सोच रखा था। उन्होंने उसको टैक्सास में फोर्ट हुड[55] में उसकी आखिरी कार्यवाही और फिर बाद में छुट्टी के लिये भेज दिया।

मैकग्वायर हवाई अड्डे पर टैरी को एक कैप्टेन गिब्स[56] मिले जो उसको आखिरी हिदायतों के लिये एक दफ्तर में ले गये। टैरी

---

[54] McGuire Air Base of New Jersey, USA

[55] Fort Hood in Texas – Texas is State of the USA in its South-Eastern part of the USA located on the Eastern border of Mexico.

[56] Captain Anderson Gibbs

उनके साथ चला गया और वहाँ पहुँच कर उसको एक मेज के सामने एक कुरसी पर बिठा दिया गया।

कैप्टेन गिब्स उस मेज के पीछे बैठ गया। उसने एक मनीला फाइल खोली और बोला — "कौरपोरल किंग, तुम तो बगदाद जा कर बड़े मशहूर आदमी हो गये। वहाँ के स्टेट डिपार्टमेन्ट ने ईराक के फाइनैन्स मिनिस्टर की सेवाओं के लिये तुम्हारी बड़ी तारीफ लिखी है।"

कैप्टेन की छाती पर जो बिल्ला लगा हुआ था उससे टैरी को पता चला कि कैप्टेन का नाम ऐन्डरसन था।

टैरी बोला — "नहीं जनाब। जरूर कहीं कुछ गलती हुई है। मैं इसके बारे में कुछ भी नहीं जानता। मैं तो बस घर जाना चाहता हूँ, यहाँ से छुट्टी चाहता हूँ और अपनी ज़िन्दगी अपने परिवार में बिताना चाहता हूँ। मेरे माता पिता मेरा इन्तजार कर रहे हैं।"

कैप्टेन बोला — "तुम इतने भोले न बनो। तुमको सब मालूम है कि तुमने बगदाद में क्या किया। इसके लिये ईराक की सरकार ने तुमको एक खास मैडल दिया है। यह तुम्हारे और यू ऐस आर्मी दोनों के लिये बड़ी इज़्ज़त की बात है।

इसलिये मैं तुमको पैन्टैगन[57] जाने का हुकुम देता हूँ जहाँ जा कर तुम दो दिन के बाद ठीक दस बजे सेक्रेटरी औफ दी आर्मी के दफ्तर में जा कर रिपोर्ट करोगे।

इस बीच में तुम अपनी नयी यूनीफार्म ले सकोगे और अपने बाल कटवा सकोगे। इस तरह तुम अपने आपको सेक्रेटरी और ईराक के ऐम्बैसेडर के साथ फोटो खिंचवाने के लायक बना सकोगे। और कोई सवाल?"

टैरी बोला — "लेकिन जनाब?"

कैप्टेन बोला — "कोई लेकिन वेकिन नहीं कौरपोरल। यह मेरा हुकुम है। जैसा तुमको बताया गया है वैसा ही करो। आया समझ में?"

टैरी बोला — "तो मैं तो और कुछ कर ही नहीं सकता?"

कैप्टेन बोला — "ठीक। तुम और कुछ कर ही नहीं सकते। एक घंटे के अन्दर अन्दर तुमको एक कार फोर्ट मीड[58] ले जायेगी। वहाँ तुमको नयी यूनीफार्म मिल जायेगी और तुमको ऐन सी ओ के गेस्ट हाउस में ठहरा दिया जायेगा।

---

[57] Pentagon is the Headquarters of US Departmnt of Defense. It houses about 28,000 military and civilian employees, plus 3,000 non-defense support personnel. It is a 5-sided, 5-floor and 2 basement levels with 5 corridors per floor (a total of 17.5 miles long) building located in Arlington, Virginia.

[58] Fort Meade – name of a place in the state of Maryland of the USA. Maryland state is West to Washington, DC

वहॉ से एक दूसरी कार तुमको पैन्टैगन ले जायेगी जहॉ से तुम अपने माता पिता को फोन कर सकते हो। क्या तुमको कुछ पैसे चाहिये? क्या तुमको तुम्हारी तनख्वाह मिल गयी?”

यह सुन कर तो टैरी का सिर चकरा गया। उसके बारे में जो झूठ कहा गया था उसको सोच कर तो वह पागल सा हो गया।

उसने फिर अपनी सफाई देने की कोशिश की — “कैप्टेन, कहीं कोई गलती जरूर है। मैं किसी मैडल और इतने ऊँचे औफीसरों के साथ खड़े होने के लायक नहीं हूँ।”

कैप्टेन बोला — “तुम हो मेरे बेटे, तुम हो। और मैं भी तुम्हारे साथ चलूँगा इसलिये अब तुम आराम करो और धूप का आनन्द लो। यह सब दो दिन में खत्म हो जायेगा और तब हम तुमको घर भेज देंगे।”

इनाम लेने के लिये पैन्टेगन जाने के एक दिन पहले शाम को टैरी के लिये उसके अपने कमरे में एक टेलीफोन आया। यह फोन मैरिलिन कोहैन[59] का था जो “नाइट टैलीविजन” शो की असिस्टैन्ट प्रोड्यूसर थी।

उसने उसे न्यू यौर्क में अपने टैलीविजन पर ऐलैन किम्बल जो मशहूर लोगों को अपने नाइट शो में लाता था उसके शो में आने के लिये बुलाया था।

---

[59] Marilyn Cohen, Allen Kimball

टैरी बोला — “अफसोस मिस कोहैन, मेरी इस शो में आने की काई इच्छा नहीं है। जैसे ही आर्मी मुझे छोड़ देगी मैं अपने घर वापस चला जाऊँगा। मैंने कभी “नाइट टौक” के बारे में सुना भी नहीं है और न ही वह मेरा कोई प्रिय शो है।”

मिस कोहैन जिसका काम ही मशहूर लोगों को शो में लाने का था उसने टैरी को आने के लिये ज़ोर देते हुए कहा — “मगर कौरपोरल किंग, यह शो तुमको पूरे देश में मशहूर कर देगा और जब तुम शहरी ज़िन्दगी बिताओगे तब यह तुम्हारी उस ज़िन्दगी को भी बेहतर बना देगा।

तुमको टैलीविजन पर देखने के बाद तुमको बेहतर नौकरी भी मिल सकती है। लड़ाई के हीरो की तरह खुद मशहूर होने और यू ऐस आर्मी को मशहूर करने में कभी कोई नुकसान नहीं है। मानते हो न?”

टैरी रुखाई से बोला — “सौरी मिस कोहैन, मेरी इस शो में आने की कोई इच्छा नहीं है। गुड बाई।” कह कर उसने फोन रख दिया।

उसको बार बार लोगों को अपने से दूर हटाना पड़ रहा था। पैन्टेगन के लोग, रिपोर्टर्स, टी वी प्रोड्यूसर्स ये सभी लोग उसको बहुत परेशान कर रहे थे।

पैन्टेगन का काम अगले दिन सुबह साढ़े ग्यारह बजे तक खत्म हो गया। टैरी कैप्टेन ऐन्डरसन के पीछे पीछे ऐलीवेटर्स[60] की तरफ चल दिया।

वह सोच रहा था कि वह वहॉ से जाने वाला शायद आखिरी आदमी होगा मगर ऐसा नहीं था। जल्दी ही एक आर्मी कर्नल ने उन दोनों को रोक लिया।

वह आर्मी कर्नल मिडिल ईस्टर्न के इन्टैलीजैन्स चीफ़ का असिस्टैन्ट था और टैरी को ले जाने के लिये आया था सो टैरी को उसके साथ जाना था। कैप्टेन को नीचे की लौबी में इन्तजार करने को कहा गया था और उसको बताया कि किंग को शायद एक घंटे की देर हो जाये।

टैरी कर्नल के साथ इन्टैलीजैन्स के दफ्तर गया तो वहॉ चार अफसर और बैठे हुए थे – दो मेजर, एक कैप्टेन और एक लैफ्टीनैन्ट। जब टैरी को उस बड़ी मेज पर बैठने को कहा गया तो वहॉ एक सफेद बालों वाला शहरी और भी बैठा हुआ था।

कर्नल मेज पर हैड की जगह पर बैठा और टैरी कर्नल के सामने बैठा। टैरी को उम्र में बहुत छोटा कोरपोरल होने के नाते यह बहुत ही अजीब सा लगा जब उन लोगों ने उससे चाय, कौफी या ठंडे के लिये पूछा सो उसने उस सबके लिये उनको मना कर दिया।

---

[60] Lift is called elevator in US English.

कर्नल बोला — “कौरपोरल, तुमको ईराकी मेरीटोरियस सर्विस मैडल[61] पाने के लिये बधाई हो। मगर तुम यहाँ पर और ज़्यादा बधाई के लिये नहीं बुलाये गये हो।

ऐसा लगता है कि तुमने कुछ सीक्रेट खबर इधर उधर की है। हम यहाँ पर यह देखने के लिये हैं कि इस सिलसिले में तुमने क्या किया है और कितनी खबर तुमने बाहर दी है।”

वह शहरी बोला — “हाँ कौरपोरल किंग, हम बस यह जानना चाहते हैं कि वर्ल्ड न्यूज सर्विस वाले मार्टिन कोवैक्स को तुमने क्या क्या बताया है?”

टैरी कुछ नाराजी से ऊँची आवाज में बोला — “कुछ ज़्यादा नहीं जनाब। हम लोगों ने कुवैत में कुछ बातें की थीं और मैंने उसको अपने दोस्त उमर रैवन के बारे में कुछ बताया था जिसको मैंने उसको लिखने से मना किया था।”

शहरी ने ज़ोर दे कर पूछा — “वही बात करने वाला रैवन जिसको तुमने ईराक के सीक्रेट मिशन के लिये इस्तेमाल किया था?”

टैरी ने सफाई देते हुए कहा — “जी नहीं जनाब। मेरा किसी सीक्रेट मिशन से कभी कोई ताल्लुक नहीं था और न है। बिल्कुल भी नहीं। आप कहना क्या चाहते हैं?” टैरी की आवाज में नाराजी और परेशानी साफ झलक रही थी।

---

[61] Iraqi Meritorious Service Medal

कर्नल बीच में बोला — “देखो कौरपोरल, हमको बताया गया है कि तुम उस सीक्रेट औपरेशन का एक हिस्सा थे जिसका काम चिड़ियों को ट्रेन करना था।

इस मामले में यह चिड़िया एक रैवन था और इस रैवन का काम ईराक में सीक्रेट खबर इकट्ठा करना था। क्या तुम इस बात से इनकार करते हो?”

टैरी बोला — “नहीं किसी तरह भी नहीं। पर मैं ऐसे किसी भी औपरेशन को नहीं जानता जिसमें किसी रैवन का काम ईराक में सीक्रेट खबर इकट्ठा करना हो। मैं तो केवल इतना जानता हूँ कि एक रैवन मेरा दोस्त था जो अपने आपको उमर कहता था।

मैं जब भी ग्रीन ज़ोन और बगदाद हवाई अड्डे के बीच आता जाता था तो वह अपनी मरजी से मेरे साथ आता जाता था। मैं बस केवल इतना जानता हूँ।”

शहरी ने फिर पूछा — “क्या तुम सार्जेन्ट कैमिन्स्की या प्राइवेट लोपेज़ को जानते हो?”

टैरी बोला — “जी हॉ, मैं जानता हूँ। वे मेरे दो गार्ड थे जो मेरे साथ एक बार हमारी ऐम्बैसी से खास डाक लाने के लिये ग्रीन ज़ोन गये थे। यह खास डाक मुझे वापस एक हवाई जहाज जो अमेरिका जाने वाला था उसको देनी थी। मैं उनके बारे में बस इतना ही जानता हूँ।”

इस बार वह शहरी कुछ धमकाने के अन्दाज में बोला — "हमें मार्टिन कोवैक्स ने बताया कि उसने उन दोनों गार्ड सिपाहियों का इन्टरव्यू किया और उन्होंने तुम्हारे बारे में बताया कि तुम चिड़ियों की एक खास ट्रेनिंग टीम में थे। क्या तुम इससे इनकार करते हो?

अगर तुमने कोई भी खबर उस औपरेशन के बारे में इधर से उधर की तो तुम बड़ी मुसीबत में फँस जाओगे।"

टैरी बोला — "मैं जानता हूँ। पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। अगर ऐसी कोई खास टीम थी भी जो रैवन को इस्तेमाल कर रही थी तो कम से कम मैंने उसके बारे में कभी नहीं सुना।"

और अब टैरी सोच रहा था कि काश उसने मार्टिन से कभी बात ही नहीं की होती। उस बेचारे को तो यह भी समझ में नहीं आया कि कैमिन्स्की या लोपेज़ ने उसके बारे में ऐसा क्यों कहा।

कर्नल बोला — "ठीक है कौरपोरल, तुम हमको सब बता दो कि कैसे तुम पहले पहले उस बोलने वाले रैवन से मिले, फिर कैसे तुमने उसकी सेवाएँ इस्तेमाल की और कैसे उसने ईराक के फाइनैन्स मिनिस्टर को और तुमको बचाया।

हमको कैमिन्स्की और लोपेज़ ने यह भी बता दिया है कि तुमने रैवन से बातें की हैं। उन्होंने तुमको बात करते सुना भी और यह भी देखा कि किस तरह उसने सड़क के किनारे वाले बम के बारे में तुम्हें बताया। हमें तुम यह कहानी शुरू से बता दो। बस।"

टैरी का चेहरा परेशानी की वजह से लाल हो रहा था। उसने लैफ्टीनैन्ट से एक कोला का कैन या ठंडा पानी माँगा। टैरी को लगा कि इससे पहले वह अपनी कहानी शुरू करे शायद वे ठंडे ड्रिन्क उसे कुछ तसल्ली दे सकें।

लैफ्टीनैन्ट उठा और जल्दी ही एक वैन्डिंग मशीन से कोला का एक ठंडा कैन निकाल कर ले आया। टैरी एक घूँट कोला पी कर इस गरम बातचीत में थोड़ा ठंडा हुआ और फिर अचानक उसने बोलना शुरू किया।

उसने उमर रैवन से पहली बार मिलने से ले कर उसके आखिरी बार मिलने तक जब वह फाइनैन्स मिनिस्टर के साथ आ रहा था उनको सब सुना दिया। पर उसके बाद वह रुक गया और हँसने लगा।

उसकी हँसी सुन कर कर्नल और दूसरे लोग सकपका गये और चौंक गये। उन्होंने उससे पूछा कि इसमें हँसने की क्या बात थी।

फिर कर्नल बोला — "क्या तुम्हें पता नहीं कि यह कितना गम्भीर मामला है, कौरपोरल?"

टैरी बोला — "सौरी सर, लेकिन अभी अभी मेरे दिमाग में आया कि वह मिनिस्टर अपने मँहगे सूट में मेरे ट्रक में धूल भरे गन्दे फर्श पर नीचे बैठा कैसा दिखायी दे रहा था। जब मैं अपना ट्रक चला रहा था तो वह वी आई पी नीचे बैठा था। उसका सूट गन्दा हो गया था और उसमें सिकुड़नें पड़ गयीं थीं। बेचारा।

अभी अभी मुझे यह भी ख्याल आया कि जब वह टरमिनल पर अपनी फ्लाइट पकड़ने के लिये गया था तो वह कैसा लग रहा था इसी लिये मुझे हॅसी आ गयी सर। बस और कुछ नहीं।" टैरी को अपनी हॅसी रोकने में और फिर से गम्भीर होने में एक दो मिनट लगे।

कर्नल बोला — "तुम ठीक कह रहे हो। मेरे ख्याल से वह भी एक सीन रहा होगा पर कम से कम वह सुरक्षित तो था और ज़िन्दा तो था। इसमें तुम्हारी तुरत सोच की दाद देनी पड़ेगी।"

टैरी बोला — "नहीं जनाब, धन्यवाद तो उस उमर के बताने का। या फिर धन्यवाद तो उस मिनिस्टर का जो ग्रीन ज़ोन में अपनी लिमूज़ीन छोड़ कर मेरे ट्रक में आ बैठा। मेरा उसमें कोई हाथ नहीं था।"

जब टैरी ने रैवन से अपने रिश्ते का पूरा हाल उन लोगों को सुना दिया तो कर्नल बोला — "यकीनन तुम्हारे साथ ये सब कुछ अजीब ही हालात थे पर मैंने तुम्हारे उस इन्टैलीजैन्स प्रोजैक्ट जो चिड़ियों को ट्रेन करने को बारे में थी उसमें हिस्सा लेने के बारे में तो कुछ सुना ही नहीं। उसके बारे में तुम क्या कहना चाहते हो?"

टैरी बोला — "कुछ नहीं कर्नल। बस इतना ही कि यही पूरी कहानी है। और जैसा कि मैंने पहले ही आपसे कहा मैं किसी ऐसी सीक्रेट प्रोजैक्ट या किसी और चीज़ के बारे में नहीं जानता। मैं तो वहाँ केवल ट्रक ड्राइवर था।"

औफीसरों ने एक दूसरे की तरफ देखा और जल्दी ही कर्नल बोला — "हम तुमसे इस बारे में कुछ और बात करना चाहते हैं कौरपोरल। क्या तुम दूसरे कमरे में आओगे और बैठोगे? हम भी वहाँ अभी आते हैं।"

टैरी बोला "जी सर।"

वह खड़ा हो गया और चलने लगा लेकिन फिर पीछे घूम गया और कमरा छोड़ने से पहिले कर्नल को सैल्यूट किया। कर्नल ने देर से किये गये सैल्यूट का जवाब दिया। वह उसके इस सैल्यूट पर आश्चर्यचकित था क्योंकि मीटिंग तो अभी खत्म नहीं हुई थी।

टैरी उस कान्फरैन्स रूम से चला गया था। सारे औफीसरों ने मिल कर उसकी कही गयी कहानी से यही नतीजा निकाला कि टैरी सचमुच में किसी प्रोजैक्ट का कोई हिस्सा नहीं था।

वे सब इस बात से सन्तुष्ट थे कि वह वहाँ केवल एक ट्रक ड्राइवर था और उसका उस चिड़िया से इत्तफाक से सामना हो गया था। पर केवल शहरी ही इस बात को नहीं मान रहा था।

पर फिर उन्होंने उस शहरी को भी अपनी बात पर राजी कर लिया और फिर सबने मिल कर यह फैसला किया कि टैरी को जाने दिया जाये।

लैफ्टीनैन्ट उठा और टैरी को उसी कमरे में फिर से वापस ले आया। टैरी अपने उन सब सवाल पूछने वालों के सामने बहुत ही

नरवस हो रहा था। जब उन लोगों ने कहा कि मीटिंग खत्म हो गयी और वह जा सकता था तभी उसकी जान में जान आयी।

कर्नल बोला — “लैफ्टीनैन्ट, क्या तुम मेहरबानी करके किंग को नीचे लौबी में छोड़ आओगे? और कैप्टेन गिब्स से कहना कि हमको इस आदमी को अब और नहीं रोकना।”

टैरी ने एक बार फिर सैल्यूट किया और पीछे मुड़ कर लैफ्टीनैन्ट के पीछे पीछे चला गया। वे दोनों कैप्टेन गिब्स के पास आये और लैफ्टीनैन्ट ने उसको बताया कि कौरपोरल किंग अब जा सकता था।

XXXXXXX

टैरी इस कभी न खत्म न होने वाली पूछताछ के खत्म होने के बाद फोर्ट हुड[62] की तरफ चला ताकि वहाँ से वह अपनी आखिरी छुट्टी ले कर अपने घर हारलोटन मौन्टाना[63] जा सके।

पहाड़ों के पश्चिम का यह देश उसको इससे पहले कभी इतना अच्छा नहीं लगा। उसको लगा वह अपनी लड़ाई ईराक में छोड़ आया था और यहाँ पर अब शान्ति में था।

यहाँ टैरी के पुराने दोस्त उससे ईराक के बारे में पूछते रहते कि वहाँ कैसा है क्योंकि उन्होंने तो उस देश को कभी देखा ही नहीं

---

[62] Fort Hood – name of a place

[63] Harlowton in Montana State of the USA. Montana State is located on the North-west of the USA and to the East of Washington State

था। उसके बचपन के दोस्त सब बड़े हो गये थे। कुछ के अपने परिवार भी हो गये थे जबकि दूसरे अपना अपना कैरियर बनाने में लगे हुए थे।

बहुत सारे लोग घोड़ा पालने में लग गये थे, कुछ नौकरी करने चले गये थे। पास के एक कैफे में टैरी को लोग लड़ाई का हीरो समझते थे जिसको वह हमेशा मना कर दिया करता था।

जल्दी ही उसको लगने लगा कि उसको भी अपनी ज़िन्दगी गुजारने के लिये कोई काम करना चाहिये क्योंकि अब वह आर्मी का नौकर नहीं था।

वह केवल ट्रक चलाना ही जानता था और इस काम के लिये बहुत सारी नौकरियॉ नहीं थीं, कम से कम उसके गॉव में तो नहीं थीं। उसके माता पिता ने उससे कहा भी कि नौकरी की कोई ज़्यादा जल्दी नहीं थी। वह उनके साथ जितने दिन चाहे रह सकता था।

वे लोग तो इसी बात से बहुत ख़ुश थे कि वह ठीक से घर वापस आ गया था। लेकिन फिर भी उसको कोई न कोई नौकरी तो ढूँढनी ही थी।

एक दिन उसने डाकखाने के एक फ्लायर में पढ़ा कि जो लोग हारलोटन के चारों तरफ डाक भेजते थे वे गॉव के रास्तों पर डाक बॉटने के लिये ड्राइवर ढूँढ रहे थे। उस नोटिस में यह भी लिखा था कि वे उन ड्राइवरों को पहले लेंगे जिन्होंने आर्मी में काम किया है।

यह तो टैरी के लिये बहुत अच्छी बात थी सो उसने नौकरी के लिये अपनी अरजी भेज दी।

हालाँकि उसको नौकरी मिल जाने की कोई बहुत उम्मीद नहीं थी फिर भी उसको नौकरी मिल गयी और वह अपना काम अब कभी भी शुरू कर सकता था।

उसकी जिन्दगी अचानक ही बहुत अच्छी हो गयी थी और इसमें उसका कोई नुकसान भी नहीं था अगर उसकी तन्ख्वाह फिर से शुरू हो गयी थी।

अपनी डाक वाली मैम से एक छोटी सी ट्रेनिंग और अपने रास्ते जान लेने के बाद टैरी एक बार फिर से डाक लाने ले जाने के काम में लग गया।

पर इस बार उसको सड़क के किनारे रखे बमों का, या किसी दुश्मन के उसके ऊपर गोली चलाने का या लड़ाई में चलती गोलियों की भयानक आवाजों का कोई खतरा नहीं था।

वह जल्दी ही अपने सौ मील लम्बे डाक के रास्ते को भी ठीक से जान गया और उन रास्तों पर रहने वाले लोगों को भी।

एक दिन वह उस रास्ते पर आधे रास्ते में सड़क के किनारे बने एक पिकनिक की जगह पर दोपहर के खाने के लिये एक सैन्डविच खाने के लिये रुका तो उसने रैवन का एक झुंड कूड़े के डिब्बे के पास देखा जिसमें से कुछ कूड़ा बाहर बिखरा पड़ा था।

वह अपने मेल ट्रक में बैठा हुआ था और उनकी आवाजें सुन रहा था और खाने के छोटे छोटे टुकड़ों पर लड़ाई देख रहा था तो तुरन्त ही उसको अपने दोस्त उमर का खयाल आ गया।

क्या वह सऊदी अरेबिया से मिश्र पहुँच पाया होगा? क्या उसका किसी और आदमी से सम्बन्ध बना होगा और उसने फिर से किसी से बातचीत की होगी या वह फिर अपने पुराने चिड़िया जैसे बरताव करने लगा होगा? इन सब बातों को जानने का उसके पास कोई तरीका नहीं था।

जब भी वह अपने दोपहर के खाने के समय यहॉ रुकता था इस तरह के ख्याल टैरी के दिमाग में अक्सर आते रहते थे।

अक्सर वह यह सोच सोच कर खुश होता रहता कि काश वह उमर जैसे रैवन को एक डिजिटल कैमरा ले कर घूमने के लिये इस्तेमाल कर सकता। या फिर ऐसा कैमरा जिसमें टाइम चिप लगी रहती और जो हर तीस सैकंड में अपने आप तस्वीरें खींचता रहता।

रैवन के लिये यह काम कोई मुश्किल नहीं होता। उस कैमरे का साइज च्यूइंग गम के बराबर होता। फिर वह उन सब तस्वीरों को उस कैमरे में से अपने कम्प्यूटर पर ले आता।

उसको विश्वास था कि उमर को इस कैमरे के साथ किसी भी जगह भेजा जा सकता था और वह पहले से तय किये गये समय पर वापस भी आ जाता।

द्रोन हवाई जहाज़[64] की तरह से आसमान में घूमते हुए रैवन पर किसी को शक भी नहीं होता और कोई उस पर गोली भी नहीं चलाता।

उमर के दोस्त[65]

बात करने वाला वह उमर एक हफ्ते के सफर के बाद कुवैत से अपनी जगह मिश्र पहुँच गया। सऊदी अरेबिया का रेगिस्तान पार करना उसके लिये एक बहुत ही मुश्किल सफर था।

उसमें उसको खाने पीने और आराम करने के लिये कई पानी वाली जगहों पर रुकना पड़ा। कुछ जगहें तो एक दूसरे से दो दो सौ मील तक की दूरी पर थीं।

बहुत सारे रैवनों के लिये तो यह सफर बहुत ही मुश्किल था जो हर साल ईराक की सड़ी गरमी से बचने के लिये एक जगह से दूसरी जगह जाते थे। उनमें से दर्जनों तो बेचारे तो रास्ते में ही मर जाते थे।

पर अब कम से कम छह महीने के लिये तो वे एक जगह रह ही सकते थे। इसके बाद उनको बगदाद में फिर दजला नदी की घाटी की तरफ चले जाना था।

---

[64] Drone – an automatic plane without pilot

[65] Omar's Friends – by Phil Rowe. Adapted from the Web Site : http://www.indigenouspeople.net/omartheraven.htm

मिश्र में उमर और उसके साथी नील नदी और उत्तर में समुद्र के किनारे वाली झीलों के आस पास ठंडे मौसम का आनन्द ले रहे थे। वहॉ उनके लिये खाना और पानी भी खूब था।

उमर अक्सर नील नदी की तरफ एक झील पर जाया करता था। एक दिन वह उधर गया तो वहॉ उसको यू ऐस ऐम्बैसी के मरीन गार्ड दिखायी दे गये जो वहीं किनारे पर रुके हुए थे। उनकी गाड़ियों पर अमेरिकन झंडे लगे हुए थे।

ये अमेरिकन झंडे देख कर उसको अपने दोस्त अमेरिकन सिपाही कौरपोरल टैरी किंग की याद हो आयी जो उसको बगदाद में मिला था और जिसको उसने अपना दोस्त बना लिया था और जिससे उसने बेबी रुथ कैन्डी भी ले कर खायी थी।

सो इस उम्मीद में कि इन लोगों में से किसी के पास भी ऐसी कोई चीज़ होगी वह नीचे की तरफ उड़ा और एक जीप के पास आ कर बैठ गया।

पहले तो किसी मरीन ने उस बड़े रैवन की तरफ ध्यान नहीं दिया क्योंकि वे लोग आराम करने में ज़्यादा लगे हुए थे। कोई धूप में बैठा था तो कोई मैगजीन पढ़ रहा था।

तो रैवन वहॉ से उड़ कर फिर एक बिजली के खम्भे पर जा कर बैठ गया। वहॉ से उसने देखा कि एक मरीन "स्टार्स ऐन्ड स्ट्राइप्स"[66] अखबार पढ़ रहा था और जो पेज उसने खोल रखा था

---

[66] Stars and Stripes – a daily newspaper serving the United States military community.

उस पेज पर कौरपोरल किंग के ईराक के फाइनैन्स मिनिस्टर की जान बचाने के लिये इनाम मिलने के बारे की खबर छपी थी।

उमर के मुँह से निकला — "मैं उस सिपाही को जानता हूँ। मैं उसको ईराक से जानता हूँ। यह मेरा दोस्त टैरी है।"

यह सुन कर एक मरीन ने ऊपर की तरफ देखा और बिना कुछ सोचे विचारे बोला — "क्या यह ठीक है? यह कहानी कहती है कि वह उस ईराक के मिनिस्टर को एक रैवन की वजह से ही बचा सका।

क्योंकि उसने हवाई अड्डे की तरफ जाने वाली सड़क के पास बैठे दुश्मन के बारे में उसको पहले से ही बता दिया था। क्या वह तुम थे?"

इससे पहले कि उमर कुछ बोलता एक दूसरा मरीन बोला — "जौन, क्या तुम वाकई उस गूँगी चिड़िया से बात कर रहे हो? तुम्हें क्या हो गया है? मुझे लगता है कि तुम धूप में बहुत देर से बैठे हो इसलिये तुम्हारा दिमाग कुछ गरम हो गया है। चलो छाया में चलते हैं।"

तब उमर उस खम्भे पर घूमा, अपना सिर हिलाया और बोला — "हाँ वाकई मैं गूँगी चिड़िया हूँ। अगर मैं तुम्हारी भाषा ठीक से समझता हूँ तो गूँगा माने जो बोल नहीं सकता। और तुम तो

बिल्कुल साफ साफ सुन रहे हो कि मैं बोल रहा हूँ। और अगर मैं बोल रहा हूँ तो मैं गूँगा नहीं हो सकता। हाँ मैं ही वह चिड़िया हूँ।"

यह सुन कर जो चार मरीन वहाँ पर बैठे हुए थे उमर की तरफ आश्चर्य से देखने लगे। उनको अपने कानों पर विश्वास ही नहीं हो रहा था कि एक चिड़िया भी बोल सकती है।

उन चारों मे जो सबसे छोटा मरीन था प्राइवेट सिम्स[67], वह बोला — "हमारे लैफ्टीनैन्ट को तो इस बात पर विश्वास ही नहीं होगा कि एक चिड़िया भी बोल सकती है। और अगर हमने इसके बारे में उससे कुछ कहा भी तो वह हमको सेक्शन **8** के अन्दर पागल बता कर नौकरी से निकाल देगा।"

दूसरा आदमी बोला — "और अगर हमने कहीं यह कह दिया कि चिड़िया पढ़ भी सकती है तब तो वह हमको कूड़े के डिब्बे में ही डाल देगा। हम लोग तो किसी से यह बात कह भी नहीं सकते।"

जौन ने पूछा — "ओ चिड़िया, क्या वाकई तुम्हारा नाम उमर है?"

"हाँ मेरा नाम तो यही है। तुम्हारा नाम क्या है?" उमर बोला।

जो मरीन सबसे पहले उमर से बोला था, यानी जौन, वही बोला — "मेरा नाम कौरपोरल जौन बैबकौक[68] है।" और फिर दूसरों की तरफ इशारा करते हुए वह बोला — "यह प्राइवेट सिम्स है, वह

---

[67] Private Simms

[68] Corporal John Babcock

प्राइवेट टैरी है और वह जिसके बाल कुछ सफेद से हैं उसका नाम कौरपोरल जरमेन[69] है।"

उमर नम्रता और आदर से बोला — "तुम सबसे मिल कर मुझे बहुत खुशी हुई। पर तुम चारों अमेरिकन यहाँ मिश्र में क्या कर रहे हो? क्या तुम लोग यहाँ किसी दुश्मन से लड़ने आये हो?"

बैबकौक बोला — "नहीं उमर, हम लोग यू ऐस ऐम्बैसी के मरीन गार्ड हैं। आज हम लोग चार दिन की छुट्टी पर हैं सो हम लोग यहाँ इस झील के किनारे आराम करने चले आये। हमारा काम यू ऐस ऐम्बैसी और उसमें काम करने वालों की रक्षा करना है।"

उमर फुसफुसाया "अच्छा है।"

टैरी ने पूछा — "उमर यह तो बताओ कि तुम ईराक से यहाँ आये कैसे? यह जगह तो बगदाद से करीब डेढ़ सौ मील के दूर है। बताओ न कैसे आये तुम?"

उमर बोला — "कुवैत से सऊदी अरेबिया होते हुए उड़ने में मुझे एक हफ्ता लग गया। मैंने अपने दोस्त कौरपोरल किंग को आखिरी बार तब देखा था जब वह अपना काम पूरा करके यू ऐस ए वापस जा रहा था। तुम्हारे पास बेबी रुथ कैन्डी बार है क्या?"

जरमेन आश्चर्य से बोला — "क्या? तुम बेबी रुथ कैसे जानते हो?"

---

[69] Private Simms, Private Terry, Corporal Germain

उमर बोला — “कौरपोरल किंग ने मुझे बगदाद छोड़ने से पहले एक दी थी। मेरा ख्याल है कि वह उसने मुझे ग्रीन ज़ोन से हवाई अड्डे की खतरनाक यात्रा में सहायता करने के लिये इनाम के तौर पर दी थी। क्या तुममें से किसी के पास बेबी रुथ है?”

जरमेन बोला — “सौरी चिड़िया, हम लोगों के पास केवल केकर्स[70] हैं।” यह कह कर उसने कुछ कैकर्स उमर की तरफ उछाल दिये।

उमर तुरन्त ही उस खम्भे से नीचे की तरफ उड़ा और एक कैकर अपनी चोंच में पकड़ लिया। उसने उसमें से एक टुकड़ा तोड़ा और खा गया।

फिर बोला — “धन्यवाद मेरे दोस्त। यह कैकर्स तो ठीक हैं पर मुझे बेबी रुथ ज़्यादा अच्छी लगती।”

टैरी बोला — “अरे यह गूँगी चिड़िया न केवल बोलती है बल्कि इसको खाने के लिये जो कुछ हम देते हैं उसमें भी इसको अपनी पसन्द का खास खाना चाहिये।”

केकर के टुकड़ों को अपने मुँह से साफ करते हुए उमर बोला — “मैंने तुमसे कहा न कि मैं गूँगी चिड़िया नहीं हूँ। जैसा कि तुम मुझे ठीक से बोलते हुए सुन सकते हो।

मैं ब्रिटिश जबान में बोलता हूँ क्योंकि बहुत साल पहले मुझे यहाँ एक ब्रिटिश सिपाही ने ही ट्रेन किया था। उसी ने मुझे पढ़ना

---

[70] Crackers – a kind of dry cookies

सिखाया, पर केवल अंग्रेजी। मैंने कभी यहाँ की भाषा नहीं सीखी, और अरबी तो बिल्कुल भी नहीं।"

बैबकौक बोला — "पर शायद तुमको यहाँ की भाषा सीख लेनी चाहिये थी। अगर तुम सीख जाते तो तुम हमको आतंकवादियों या और बुरे आदमियों के किसी जाल के बारे में बता सकते थे।"

उमर बोला — "तुम लोगों के झगड़ों में से किसी की भी तरफदारी करना मेरा काम नहीं है। अगर मैं तुम्हारी सहायता करता हूँ तो मुझे दूसरों की भी सहायता करनी पड़ेगी। नहीं नहीं, मेरे लिये यही अच्छा है कि मैं किसी की भी तरफदारी न करूँ।"

"पर अखबार की इस खबर में जो किसी रिपोर्टर कोवैक्स ने लिखी है कि तुमने कौरपोरल किंग और ईराक के मिनिस्टर की सहायता की। तो यह तो तरफदारी ही हुई न?" बैबकौक बोला।

उमर बोला — "वह दूसरी बात है। कौरपोरल किंग टैरी मेरा दोस्त था। और जब उसकी ज़िन्दगी खतरे में थी तो मुझे लगा कि मुझे उसे बता देना चाहिये। यही कम से कम था जो मैं उसके लिये कर सकता था।"

सिम्स ने उत्सुकता से पूछा — "तो इसका मतलब यह है कि क्या तुम अरब आतंकवादियों की भी सहायता करोगे?"

उमर बोला — "नहीं, मैं अरबी बोलने वालों का कभी दोस्त नहीं बना क्योंकि मुझे उनकी अरबी भाषा नहीं आती और वे अंग्रेजी नहीं समझते। पर इसका यह मतलब नहीं है कि अगर मैं उनका

दोस्त बन जाता तो मैं उनकी सहायता नहीं करता। दोस्त तो एक दूसरे की देखभाल के लिये ही होते हैं।"

"ओ चिड़िया, क्या तुम यह नहीं समझते कि तुमको किसी न किसी की तरफदारी तो करनी ही चाहिये, या तो हमारी या उनकी। तुमको दोनों में से एक को तो चुनना ही होगा।"

उमर धीरे से बोला — "मैं नहीं सोचता कि मैं तुम्हारी यह बात मानता हूँ। किसी भी आदमी के दोस्त कहीं भी हो सकते हैं। और एक तरफ के लोग भी हो सकते हैं और दोनों तरफ के लोग भी हो सकते हैं।

जहाँ तक मैं जानता हूँ मेरा कोई भी आदमी दुश्मन नहीं है तो फिर किसी की तरफदारी क्यों करनी? मेरे दुश्मन तो केवल चील आदि जानवर हैं जो मुझे खाना चाहते हैं।"

टैरी हँस कर बोला — "दुनियाँ के इस हिस्से मे क्या लोग रैवन नहीं खाते? क्या तुमने कभी "**24** चिड़ियें एक पाई में"[71] कविता नहीं सुनी?"

दूसरे लोग भी इस मजाक को सुन कर हँस दिये। उमर बोला — "यह कोई मजाक नहीं है।"

---

[71] "24 Birds in a Pie" is a nursery rhyme. In medieval times, when this nursery rhyme was written, meat pies were more common than any other type of pie. Indeed, blackbirds were a delicacy when prepared correctly. Meat pies were more like hot pockets than an apple pie.

बैबकौक बोला — “तो तुम तरफदारी नहीं करोगे? ठीक है तुम्हारी मरजी। पर हम तुम्हारे दोस्त बनना चाहेंगे। तुम्हें मंजूर है? बताओ तुम हमारे दोस्त कैसे बनोगे?”

उमर बोला — “बिल्कुल हम दोस्त बन सकते हैं। क्या तुम मुझे बेबी रुथ दे सकते हो?”

जरमेन बोला — “ओ चिड़िया, तुम तो बस एक ही तरफ देखते हो।”

सिम्स बोला — “अच्छा तो तुम हमें यह बताओ कि तुमने कौरपोरल किंग की सहायता करके उसको हीरो कैसे बनाया?”

उमर बोला — “मेरा नाम उमर है सो बार बार तुम मुझे चिड़िया क्यों कहते हो, उमर कहो न।”

“ठीक है उमर। तो हमें वह कहानी सुनाओ जो “स्टार ऐन्ड स्ट्राइप्स” में छपी है। एक चिड़िया एक जी आई की सहायता कैसे कर सकती है?”

“जी आई? मैं जी आई नहीं समझता पर अगर जी आई से तुम्हारा मतलब मेरे दोस्त टैरी से है तो यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं थी।

मैं बहुत ऊँचा उड़ा और टैरी के डाक के ट्रक के आगे पहुँच गया और चारों तरफ किसी ऐसी चीज़ को देखा जो उसको नुकसान पहुँचा सकती थी, जैसे अगर सड़क के किनारे की मिट्टी कहीं खुदी

पड़ी हो, या फिर सड़क के पास हथियारबन्द अरब टैरी को मारने के लिये बैठे हों।

और अगर मैं ऐसी ही कोई खतरे वाली चीज देखता तो मैं टैरी को सिगनल कर देता।"

सिम्स ने पूछा — "तुम यह सिगनल कैसे करते थे?"

उमर बोला — "अगर मैं ऐसी कोई भी चीज़ उसके ट्रक के आगे देखता तो बस मैं वहॉ उतर जाता और उस जगह को निशान बनाने के लिये उसके ऊपर घूमता रहता।

मैं बहुत हल्का हूँ और मेरे अन्दर धातु की कोई चीज़ भी नहीं है इसलिये ऐसा कोई मौका नहीं था जिससे मैं कोई बम रख पाता।

अगर मुझे टैरी को तुरन्त रोकना होता तो मैं उसके ट्रक के सामने वाले शीशे की तरफ दौड़ता और एक सेकंड के अन्दर ही वहॉ से एक तरफ को उड़ जाता।

मैं कभी भी ज़ोर से न बोला और न चिल्लाया क्योंकि मुझे मालूम था कि मैं कितनी भी ज़ोर की आवाज में क्यों न बोलूँ टैरी अपने ट्रक के एन्जिन की आवाज में मेरी आवाज कभी नहीं सुन पायेगा।"

"और इस घटना के बारे में क्या जो यहॉ इस अखबार में छपी है – यह फाइनैन्स मिनिस्टर वाली घटना।" जरमेन ने पूछा।

उमर बोला — "यह घटना ज़रा कुछ अलग सी थी क्योंकि मिनिस्टर अपनी लिमूज़ीन में न बैठ कर टैरी के ट्रक में बैठा था।

कुछ लोगों ने यह सोचा कि अगर मिनिस्टर अपनी लिमूज़ीन में न बैठ कर टैरी के ट्रक में बैठ कर जाये तो वह ज़्यादा सुरक्षित रहेगा क्योंकि लोग उस ट्रक में उसके बैठने की आशा नहीं करेंगे। उनका यह सोचना बिल्कुल ठीक था।

जब टैरी हवाई अड्डे की तरफ जा रहा था तो मैंने उन गाड़ियों से आगे कुछ हथियारबन्द लोग एक दीवार के पीछे छिपे बैठे देखे। मैंने उन बुरे आदमियों के सिर के ऊपर चक्कर काटा।

टैरी उन आदमियों को तो नहीं देख सकता था पर उसने मेरा वहाँ चक्कर काटना देख लिया। यह इशारा उसके लिये काफी था। बस उसने अपने ट्रक की स्पीड बढ़ा दी और बहुत जल्दी से वह उस जगह से आगे निकल गया।

इससे जब उन लोगों ने गोली चलायी तो ट्रक तो पहले ही आगे निकल गया था पर पीछे आती हुई लिमूज़ीन उनकी राकेट की तरह के किसी हथियार का निशाना बन गयी।

उस गाड़ी का ड्राइवर और मिनिस्टर के एक दो साथी मारे गये। टैरी सुरक्षित रूप से मिनिस्टर को हवाई अड्डे ले आया। बस यही है इसकी कहानी।"

बैबकौक बोला — "हम तुम्हारी सेवाओं को अपनी इस ऐम्बैसी के लिये इस्तेमाल कर सकते हैं। और तुम बेबी रुथ के बदले में हमारी सहायता करोगे। यह अच्छा सौदा है।"

उमर बोला — "मैं अपने दोस्तों की सहायता करता हूँ।"

“हम यकीनन तुम्हारे दोस्त बनेंगे उमर। कैन्डी बार के अलावा तुमको कोई और चीज़ भी चाहिये क्या?”

उमर बोला — “हॉ जौन। मैं किसी गाड़ी के अन्दर सफर करना चाहता हूँ और या फिर उन गाड़ियों में जिनके ऊपर मैं किसी चीज़ को पकड़ कर बैठ सकूँ।

टैरी ने एक बार मुझे बगदाद के हवाई अड्डे की सड़क की सवारी दी थी और एक बार शहर की भी। वह बहुत मजेदार थी।”

सिम्स उमर के बारे में, उसकी कौरपोरल किंग की सहायता के बारे में और वह मरीन के लिये क्या कर सकता था इस सबके बारे में सोचता रहा।

वह यह भी सोच रहा था कि क्या कहीं और उमर भी थे? या क्या और ज़्यादा रैवन को और ज्यादा ट्रेनिंग भी दी जा सकती थी?

तुरन्त ही वह बोला — “कहो उमर, क्या तुम किसी और रैवन को भी जानते हो जिनमें तुम्हारे जैसे गुण हों? क्या तुम उनको ऐसी ही चीज़ें सिखाने में हमारी सहायता कर सकते हो?”

उमर बोला — “अभी तो नहीं प्राइवेट। पर ऐसा भी नहीं है कि और दूसरे रैवन हों हीं न। रैवन बहुत तेज़ होते हैं।”

सिम्स बोला — “पर तुम तो यकीनन ही तेज़ हो। मैं तो बस यह सोच रहा था कि काश मेरे साथी मरीन को तुम्हारे जैसी कई

होशियार चिड़ियों से सहायता मिल पाये। क्या तुम कुछ ऐसे रैवनों को जानते हो जो बोल सकें और पढ़ भी सकें।"

उमर बोला — "मैंने इस तरफ कभी सोचा ही नहीं। पर तब तुम मेरे रैवन साथियों को अपनी तरफ मिला लोगे। मैं फिर कह रहा हूँ कि तरफदारी करना हमारे लिये ठीक नहीं है।

मेरे लिये अपने दोस्त की सहायता करना एक बात है और काफी सारे रैवनों को इकट्ठा करके उन्हें ट्रेन करना और फिर अपनी लड़ाई में काम में लेना दूसरी बात है।

दूसरे रैवनों को इस तरह तुम्हारी सहायता करने के लिये ले कर आने के लिये मेरी आत्मा मुझे इजाज़त नहीं देती।"

जरमेन ने मजाक करते हुए कहा — "चाहे हम तुमको इतनी सारी बेबी रुथ दे दें जितनी कि तुम और तुम्हारे साथी ज़िन्दगी भर खा सकें?"

उमर बोला — "अगर मैं तुम्हारी इस बात पर राजी हो भी जाऊँ तो भी यह बात दूसरे रैवनों को बताना आसान नहीं होगा जो आदमी के सोचने और उनकी भाषा आदि के बारे में कुछ भी नहीं जानते।

और मैं कम से कम थोड़ा बहुत तो निश्चित रूप से कह ही सकता हूँ कि ऐसा और कोई रैवन नहीं होगा जो आदमियों की बातचीत के बारे में जानना चाहेगा।"

बैबकौक बोला — "तो तुमने कैसे सीखा?"

उमर बोला — "यह मेरी अपनी राय है। जिस ब्रिटिश औफीसर ने मुझे यह भाषा सिखायी थी उसने बस मुझसे बात करना शुरू किया। काफी समय बाद, हो सकता है महीनों लग गये हों, मैं विचारों को आवाज से जोड़ सका।

हमने पहले आपस में बहुत ही सादे तरीके से एक दूसरे से नमस्ते से शुरू किया। जहॉ तक मुझे याद पड़ता है मेरा पहला अंग्रेजी शब्द "गुड मौर्निंग" था।

पहले दो साल में मैंने सीखा कि कैसे आपस में बातचीत करते हैं और फिर अगले दो सालों में मैंने आवाज और मतलब को छपे हुए शब्दों से जोड़ना सीखा।

बैबकौक बोला — "सिम्स, अगर उमर को अच्छे अक्लमन्द रैवन मिल गये तो हम उनको इकट्ठा कर लेंगे। हम लोगों को तो उनको सादा चीजें सिखाने में भी सालों लग जायेंगे।

और अगर हम यह मान भी लें कि वे हमारे साथ काम करने को तैयार हो जायेंगे फिर भी शायद उमर की सहायता से भी हम उमर जैसे अक्लमन्द रैवन न तैयार कर सकें।"

जरमेन बोला — "और एक बात और। वह यह कि इस प्रोग्राम को शुरू करने के लिये भी "चिकिन फीड"[72] से काम नहीं चलेगा।"

---

[72] Food for chickens, but it means also extremely less than sufficient or anything very less.

रैवन ने मजाक किया — "हम रैवन "चिकिन फीड" नहीं खाते।"

"मुझे मालूम है कि तुम बेबी रुथ खाते हो जो बहुत मँहगी आती है। सो तुमको मजाक करना भी आता है। मुझे अच्छा लगा।"

उमर बोला — "मैं तुम्हारी सलाह पर विचार करूँगा और इस बारे में सोचूँगा। फिर मैं तुम्हें एकाध हफ्ते में बताऊँगा।"

हालाँकि उसका पहला विचार यही था कि उसको बैबकौक की सलाह पसन्द नहीं थी। क्योंकि उसका विचार यही था कि उसको खुद को और दूसरे रैवनों को आदमियों के लड़ाई झगड़े में नहीं पड़ना चाहिये।

XXXXXXX

उमर वहाँ से नील नदी के सहारे सहारे अपने उस पेड़ों के झुंड में उड़ आया जहाँ उसने कुवैत की लम्बी और खतरनाक यात्रा के बाद पहले दिन अपनी पहली रात गुजारी थी। वहाँ बहुत सारे रैवन थे – नर रैवन, मादा रैवन, छोटे छोटे बच्चे रैवन।

कुछ दिनों तक वह दूसरे रैवनों से अलग अलग तरीके से बात करता रहा, कभी पुकार कर, कभी फुसफुसा कर, कभी इशारों से। पर उसको जल्दी ही पता चल गया कि उनसे तो रैवन की भाषा में भी सादी सी बातचीत नहीं हो सकती थी फिर आदमी और चिड़िया में होने वाली बातचीत तो उनकी समझ से बिल्कुल ही बाहर थी।

जब उमर ने उनसे अरबी के कुछ शब्द बोले जो उसने इधर उधर से सीख लिये थे वे भी उसके साथी रैवनों के दिमाग में नहीं घुसे।

कुछ रैवनों को जिनको वह बहुत अक्लमन्द समझता था उनसे उसे आशा थी कि वे शायद कुछ सीख जायें पर वे भी उसको कोई सीखने का इरादा रखने वाले नजर नहीं आये।

उमर ने रैवनों के अलावा और भी कई तरह की चिड़ियों से बात करने की कोशिश की जैसे चील, फाख्ता, बतख आदि पर किसी भी चिड़िया ने उसकी आशाओं के अनुसार बरताव नहीं किया।

उमर को तुरन्त ही यह महसूस होने लगा कि वही पागल है। उसको न तो यह महसूस हुआ कि वह कोई खास चिड़िया है और न ही यह महसूस हुआ कि वह और चिड़ियों से अच्छी चिड़िया है। उसको तो बस यही लगा कि वह एक अलग सी चिड़िया है।

वह यह नहीं सोच पा रहा था कि यह जो उसकी योग्यता थी वह उसके लिये अच्छी थी या बुरी? पर फिर भी उसको अच्छा लग रहा था कि कम से कम वह आदमियों से बात कर सकता था और उनमें से कुछ का दोस्त भी बन सकता था।

कुछ दिनों बाद वह कैरों में यू ऐस ऐम्बैसी की तरफ गया। उसकी तेज ऑखों ने वहॉ एक दो आदमी देखे जिनसे वह झील पर

मिल चुका था सो वह उड़ कर नीचे की तरफ आया और उनके पास एक बिजली के खम्भे पर जा कर बैठ गया।

उसने अपने पहले विचार के अनुसार कि सारे आदमी चाहे वे यूनीफार्म में हों या न हों उसको बेबी रुथ दे देंगे पुकारा — "क्या तुम्हारे पास मेरे लिये एक बेबी रुथ है?"

उमर ने अपने नये दोस्तों से बात करनी शुरू की। उसको पता नहीं था कि उनका सार्जेन्ट भी उन्हीं के पास था और उनकी बातचीत सुन रहा था।

कौरपोरल सिम्स ने रैवन से पूछा — "क्या तुमको कुछ और रैवन मिले? हम लोग यकीनन तुम्हारी और तुम्हारे रैवन दोस्तों की सेवाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे।"

उमर बोला — "नहीं, मुझे और रैवन नहीं मिले। मुझे बड़ा बुरा लग रहा है कि मुझे एक भी रैवन ऐसा नहीं मिला जो कोई एक भी विचार समझ सकता। वे या तो यह सब सीखना ही नहीं चाहते हैं और या फिर उनमें इतनी योग्यता ही नहीं है। और न ही वे दूसरी चिड़ियों से बात करना चाहते हैं।

मैंने बहुत तरीके से उनसे बात करने की कोशिश की ताकि इस बात को मैं उन सब तक पहुँचा सकूँ फिर भी कोई नहीं चाहता था कि वह कोई अंग्रेजी या अरबी कोई शब्द सीखे। मुझे लगता नहीं कि यह सब मुमकिन होगा।"

यह सब सुन कर सिम्स बहुत ही नाउम्मीद हो गया और बस केवल अपना सिर ही हिला सका। उसको भी पता नहीं था कि उसका सार्जेन्ट भी उसकी और रैवन की बातें सुन कर बहुत खुश हो रहा था।

सार्जेन्ट गिब्स एक भारी सा आदमी था और सद्दाम की लड़ाई के समय दो बार ईराक गया था। उसने तुरन्त ही रैवन की योग्यता को पहचान लिया कि वह आदमियों से बात कर सकता था।

वह वहाँ आया जहाँ सिम्स और जरमेन खड़े थे और उनसे पूछा — "क्या तुम लोग वाकई उस चिड़िया से बात कर रहे थे या मजाक कर रहे थे?"

सिम्स बोला — "सार्जेन्ट हम लोग वाकई में उस चिड़िया से बात कर रहे थे। और आपको पता है उसको बेबी रुथ कैन्डी बार बहुत पसन्द है।"

"अच्छा? तो हम बहुत सारी बेबी रुथ कैन्डी बार ले आयेंगे और उसे उनका लालच दे कर पिंजरे में बन्द कर लेंगे। यहाँ एक पुराना तोते का पिंजरा पड़ा है जो पिछला ऐम्बैसेडर छोड़ गया था वह बराबर वाली बिल्डिंग में नीचे की मंजिल में पड़ा है।

ज़रा रुको, सिम्स तुम इस चिड़िया पर नजर रखो और उसको बातों में लगाये रखो तब तक जरमेन पिंजरा ले कर आता है और मैं कैन्डी बार ले कर आता हूँ। चलो जल्दी करो जरमेन।"

लेकिन उमर तो खास तरीके से अक्लमन्द चिड़िया था। वह समझ गया कि सार्जेन्ट क्या करने वाला था।

जब वहाँ से सार्जेन्ट गिब्स और जरमेन चले गये और वह वहाँ सिम्स के साथ अकेला रह गया तो वह बोला — "यह नहीं चलेगा मेरे दोस्त। मैंने तो सोचा था कि कम से कम तुम तो मेरे दोस्त हो पर अब मैं तुम अमेरिकन लोगों से बहुत ही नाउम्मीद हो गया हूँ।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि तुम लोग मुझे पकड़ने की कोशिश करोगे। बगदाद में मेरा दोस्त टैरी कभी इस बारे में सोच भी नहीं सकता था। और मेरा वह अंग्रेज औफीसर जिसने मुझे ट्रेन किया वह भी ऐसा कभी नहीं सोच सकता था।"

सिम्स बोला — "मुझे दोष मत दो उमर। सार्जेन्ट जो कुछ भी सोचता है या करता है मेरा उसमें कोई हाथ नहीं है। फिर भी मुझे लगता है कि सार्जेन्ट तुमको कोई तकलीफ नहीं पहुँचाना चाहता।"

उमर बोला — "हो सकता है। पर मुझे लगता है कि मैं अब तुममें से किसी पर विश्वास नहीं कर सकता। मैं जा रहा हूँ क्योंकि अब मैं अमेरिकन लोगों के बीच अपने आपको सुरक्षित नहीं समझता। और इसका मुझे बहुत ही दुख है।

मुझे तुममें कई लोगों से बात करके बहुत खुशी हुई थी और मुझे लगा था कि तुम लोग मेरे दोस्त हो पर यह सब तो मेरा ख्याल ही निकला। और यह भी समझ लो कि बेबी रुथ मुझे जितनी पसन्द है उससे ज़्यादा मुझे अपनी आजादी पसन्द है।"

सिम्स ने उससे प्रार्थना की — "मत जाओ उमर। मैं गिब्स को या किसी और को तुमको पिंजरे में बन्द नहीं करने दूँगा।"

उमर बोला — "तुम यह कह सकते हो। पर अगर तुम्हारा सार्जेन्ट या कोई और तुमको मुझे पिंजरे में बन्द करने का हुकुम देता है तो तुम कुछ नहीं कर सकते। इसलिये मैं अब कोई खतरा मोल नहीं ले सकता।"

तभी गिब्स आधा कार्टन[73] भर कर बेबी रुथ कैन्डी बार ले आया और साथ साथ ही जरमेन भी बड़ा सा पिंजरा ले कर आ गया। उन लोगों ने सिम्स को उमर को विदा कहते हुए सुना। उमर वहाँ से नदी की तरफ उड़ा जा रहा था।

गिब्स ने सिम्स को डाँटा — "मैंने तुमसे कहा था कि उसको बातों में लगा कर रखना और वह जा रहा है। कहाँ जा रहा है वह?"

सिम्स बोला — "सार्जेन्ट, वह चला गया। वह सब समझ गया था जब आपने जरमेन को पिंजरा लाने को कहा था। वह बन्दी बन कर रहना नहीं चाहता था।

और अब मेरा ऐसा विश्वास है कि उमर अब हमेशा के लिये गया। अब वह किसी आदमी का विश्वास नहीं करेगा। मैं उसकी भावनाओं को समझ सकता हूँ।"

---

[73] Carton – boxes of very thick paper or cardboard in which things can be kept and even transported to other places.

गिब्स चिल्लाया — "तुम बेवकूफ हो। क्या तुम समझते नहीं कि एक बात करने वाला रैवन हमारे लिये कितना फायदेमन्द हो सकता था। वह हमारे लिये एक अच्छे जासूस का काम कर सकता था। और तुम्हारी लापरवाही से हमारा सब प्लान गड़बड़ हो गया।"

सिम्स बेचारा अपना सा मुँह ले कर रह गया। वह कुछ नहीं कर सका। असल में उसके हाथ में कुछ था ही नहीं जो वह कुछ कर सकता। और इस तरह उमर रैवन आजाद हो कर चला गया।

देश विदेश की लोक कथाओं की सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकें —

36 पुस्तकें www.Scribd.com/Sushma_gupta_1 पर उपलब्ध हैं।

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हिन्दी ब्रेल में संसार भर में उन सबको निःशुल्क उपलब्ध है जो हिन्दी ब्रेल पढ़ सकते हैं।
Write to :- E-Mail : hindifolktales@gmail.com
1 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–1
2 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–2
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1
4 रैवन की लोक कथाऐं–1

नीचे लिखी हुई पुस्तकें ई–मीडियम पर सोसायटी औफ फौकलोर, लन्दन, यू के, के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।
Write to :- E-Mail : thefolkloresociety@gmail.com
1 ज़ंज़ीबार की लोक कथाऐं — 10 लोक कथाऐं — सामान्य छापा, मोटा छापा दोनों में उपलब्ध
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1 — 45 लोक कथाऐं — सामान्य छापा, मोटा छापा दोनों में उपलब्ध

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हार्ड कापी में बाजार में उपलब्ध हैं।
To obtain them write to :- E-Mail drsapnag@yahoo.com
1 रैवन की लोक कथाऐं–1 — इन्द्रा पब्लिशिंग हाउस
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1 — प्रभात प्रकाशन
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–2 — प्रभात प्रकाशन
4 शेबा की रानी मकेडा और राजा सोलोमन — प्रभात प्रकाशन
5 राजा सोलोमन — प्रभात प्रकाशन
6 बंगाल की लोक कथाऐं — नेशनल बुक ट्रस्ट

नीचे लिखी पुस्तकें रचनाकार डाट आर्ग पर मुफ्त उपलब्ध हैं जो टैक्स्ट टू स्पीच टैकनोलोजी के द्वारा दृष्टिबाधित लोगों द्वारा भी पढ़ी जा सकती हैं।
1 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1
http://www.rachanakar.org/2017/08/1-27.html
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–2
http://www.rachanakar.org/2017/08/2-1.html
3 रैवन की लोक कथाऐं–1
http://www.rachanakar.org/2017/09/1-1.html
4 रैवन की लोक कथाऐं–2
http://www.rachanakar.org/2017/09/2-1.html
5 रैवन की लोक कथाऐं–3
http://www.rachanakar.org/2017/09/3-1-1.html
6 इटली की लोक कथाऐं–1
http://www.rachanakar.org/2017/09/1-1_30.html

7 इटली की लोक कथाऐं–**2**
http://www.rachanakar.org/2017/10/2-1.html
8 इटली की लोक कथाऐं–**3**
http://www.rachanakar.org/2017/10/3-1.html
9 इटली की लोक कथाऐं–**4**
http://www.rachanakar.org/2017/10/4-1.html
10 इटली की लोक कथाऐं–**5**
http://www.rachanakar.org/2017/10/5-1-italy-lokkatha-5-seb-wali-ladki.html
11 इटली की लोक कथाऐं–**6**
http://www.rachanakar.org/2017/11/6-1-italy-ki-lokkatha-billiyan.html
12 इटली की लोक कथाऐं–**7**
http://www.rachanakar.org/2017/11/7-1-italy-ki-lokkatha-kaitherine.html
13 इटली की लोक कथाऐं–**8**
http://www.rachanakar.org/2017/12/8-1-italy-ki-lokkatha-patthar-se-roti.html
14 इटली की लोक कथाऐं–**9**
http://www.rachanakar.org/2017/12/9-1-italy-ki-lok-katha-do-bahine.html
15 इटली की लोक कथाऐं–**10**
http://www.rachanakar.org/2017/12/10-1-italy-ki-lok-katha-teen-santre.html
16 ज़ंज़ीबार की लोक कथाऐं
http://www.rachanakar.org/2018/05/blog-post_54.html
17 चालाक ईकटोमी
http://www.rachanakar.org/2018/05/blog-post_88.html

नीचे लिखी पुस्तकें जुगरनौट डाट इन पर उपलब्ध हैं
https://www.juggernaut.in/authors/2a174f5d78c04264af63d44ed9735596
1 सोने की लीद करने वाला घोड़ा और अन्य अफ्रीकी लोक कथाऐं
2 असन्तुष्ट लड़की और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं
3 रैवन आग कैसे लेकर आया और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं
4 रैवन ने शादी की और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं
5 कौआ दिन लेकर आया और अन्य अमेरिकी लोक कथाऐं

Facebook Group
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated on May 27, 2018

लेखिका के बारे में

सुषमा गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में सन् **1943** में हुआ था। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र और अर्थ शास्त्र में ऐम ए किया और फिर मेरठ विश्वविद्यालय से बी ऐड किया। **1976** में ये नाइजीरिया चली गयीं। वहाँ इन्होंने यूनिवर्सिटी औफ़ इबादान से लाइब्रेरी साइन्स में ऐम ऐल ऐस किया और एक थियोलोजीकल कौलिज में **10** वर्षों तक लाइब्रेरियन का कार्य किया।

वहाँ से फिर ये इथियोपिया चली गयीं और वहाँ एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट औफ़ इथियोपियन स्टडीज़ की लाइब्रेरी में **3** साल कार्य किया। तत्पश्चात इनको दक्षिणी अफ्रीका के एक देश लिसोठो के विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूट औफ़ सदर्न अफ्रीकन स्टडीज़ में **1** साल कार्य करने का अवसर मिला। वहाँ से **1993** में ये यू ऐस ए आ गयीं जहाँ इन्होंने फिर से मास्टर औफ़ लाइब्रेरी ऐंड इनफौर्मेशन साइन्स किया। फिर **4** साल ओटोमोटिव इन्डस्ट्री एक्शन ग्रुप के पुस्तकालय में कार्य किया।

1998 में इन्होंने सेवा निवृत्ति ले ली और अपनी एक वेब साइट बनायी – www.sushmajee.com। तब से ये उसी वेब साइट पर काम कर रहीं हैं। उस वेब साइट में हिन्दू धर्म के साथ साथ बच्चों के लिये भी काफी सामग्री है।

भिन्न भिन्न देशों में रहने से इनको अपने कार्यकाल में वहाँ की बहुत सारी लोक कथाओं को जानने का अवसर मिला – कुछ पढ़ने से, कुछ लोगों से सुनने से और कुछ ऐसे साधनों से जो केवल इन्हीं को उपलब्ध थे। उन सबको देख कर इनको ऐसा लगा कि ये लोक कथाऐं हिन्दी जानने वाले बच्चों और हिन्दी में रिसर्च करने वालों को तो कभी उपलब्ध ही नहीं हो पायेंगी – हिन्दी की तो बात ही अलग है अंग्रेजी में भी नहीं मिल पायेंगीं।

इसलिये इन्होंने न्यूनतम हिन्दी पढ़ने वालों को ध्यान में रखते हुए उन लोक कथाओं को हिन्दी में लिखना प्रारम्भ किया। इन लोक कथाओं में अफ्रीका, एशिया और दक्षिणी अमेरिका के देशों की लोक कथाओं पर अधिक ध्यान दिया गया है पर उत्तरी अमेरिका और यूरोप के देशों की भी कुछ लोक कथाऐं सम्मिलित कर ली गयी हैं।

अभी तक **1200** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी है। इनको “देश विदेश की लोक कथाऐं” क्रम में प्रकाशित करने का प्रयास किया जा रहा है। आशा है कि इस प्रकाशन के माध्यम से हम इन लोक कथाओं को जन जन तक पहुँचा सकेंगे।

विंडसर, कैनेडा
मई **2018**